आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष 11, वर्ष 12, अंक 56, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

प्रयागराज, बुधवार, 14 जून, 2023

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए काम कर रही सरकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले, हमने भाई-भतीजावाद को भी खत्म किया

रोजगार मेला

रोजगार मेले के तहत 70,126 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी नौकरियों में नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को परिवारवादी राजनीतिक दलों पर निशाना साधा और कहा कि ऐसी पार्टियों ने विभिन्न पदों के लिए अपने रेट कार्ड से युवाओं को लूटा है जबकि उनकी सरकार उनके उज्ज्वल भविष्य को सुरक्षित करने के लिए काम कर रही है।

रोजगार मेले के तहत 70,126 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उन्हें संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि परिवारवादी दलों ने भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देकर युवाओं के सपनों को चूर-चूर किया जबकि वर्तमान सरकार उनके संकल्पों को साकार करने में लगी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले तो जॉब के लिए कैश लिए जाते थे। नौकरी देने के लिए रेट कार्ड जारी किया जाता था। आम लोगों के अवसर छीने जाते थे। हमारी सरकार ने नए अवसर पैदा किए। प्रधानमंत्री के निशाने पर असल में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव थे, जो कैश फॉर जॉब घोटाले में जांच एजेंसियों का सामना कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कट मनी का कारोबार जॉब देने के लिए चलता है। उन्होंने बिना नाम लिए लालू परिवार पर लगे लैंड फॉर जॉब का भी जिक्र किया और कहा कि पहले रेलवे मंत्री ने जॉब के लिए जमीन लिखवा लिया था।

पीएम ने कहा, देश के करोड़ों लोगों के साथ इन पार्टियों ने विश्वासघात किया है। हमारी सरकार पारदर्शिता भी लाई है और हमने भाई-भतीजावाद को भी खत्म किया है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आज निजी व सरकारी क्षेत्र में नौकरियों के अवसर बन रहे हैं और जिस पैमाने पर युवाओं को नौकरी दी गई है, वह अभूतपूर्व है। मोदी ने कहा, सरकारी नौकरी देने वाले प्रमुख संस्थानों- संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) ने पहले के मुकाबले ज्यादा युवाओं को नौकरी दी हैं। इन संस्थाओं का जोर परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने पर भी रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर जितना विश्वास और उसकी अर्थव्यवस्था पर जितना भरोसा आज है, वह पहले कभी नहीं रहा। मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया हमारी विकास यात्रा में साथ चलने को तत्पर है। भारत को लेकर विश्वास और हमारी अर्थव्यवस्था पर इतना भरोसा पहले कभी नहीं रहा। तमाम कठिनाइयों के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। विश्व की बड़ी बड़ी कंपनियां उत्पादन के लिए भारत आ रही हैं। मोदी ने कहा कि वैश्विक मंदी, कोरोना महामारी और यूक्रेन-रूस युद्ध के बावजूद भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत एक दशक पहले की तुलना में ज्यादा स्थिर, ज्यादा सुरक्षित और ज्यादा मजबूत देश है। राजनीतिक भ्रष्टाचार, योजनाओं में गड़बड़ी और जनता-जनार्दन के धन का दुरूपयोग... पुरानी सरकारों में यही पहचान बन गई थी लेकिन आज भारत सरकार की पहचान स्थिर सरकार, उसके निर्णायक फैसलों से हो रही है। आज भारत सरकार की पहचान उसके आर्थिक और प्रगतिशील सामाजिक सुधारों से हो रही है।

एक तरफ भ्रष्टाचार करने वाली पार्टियां हैं

मोदी ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पहले एक से डेढ़ साल लगते थे, लेकिन अब यह पारदर्शी रूप से कुछ महीनों में पूरी हो जाती है। उन्होंने कहा, एक तरफ परिवारवादी पार्टियां हैं, भ्रष्टाचार करने वाली पार्टियां हैं, देश के नौजवानों को लूटने वाली पार्टियां हैं... उनका रास्ता है रेट कार्ड... जबकि हम युवाओं के भविष्य को सेफ गार्ड करने का काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा, रेट कार्ड आपके सपनों को चूर-चूर कर देते हैं जबकि हम आपके संकल्पों को साकार करने में लगे हैं। हम आपकी और आपके परिवार की सभी इच्छाओं और आकांक्षाओं को सेफ गार्ड करने में लगे हैं। केंद्र सरकार की ओर से आयोजित रोजगार अभियान को पारदर्शिता और सुशासन का प्रमाण बताते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि परिवारवादी राजनीतिक दलों ने हर व्यवस्था में भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया और जब सरकारी नौकरी की बात आती थी तो वे भ्रष्टाचार ही करते थे।

मोदी सरकार ने दी युवाओं को 58 फीसदी ज्यादा नौकरियां

बोलीं स्मृति ईरानी

लखनऊ। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने युवाओं को 58 फीसदी ज्यादा नौकरियां दी है। अब तक आठ लाख 80 हजार से ज्यादा नौकरियां युवाओं को मिली है। उन्होंने कहा कि अगर रोजगार मिलने के बाद करियर में वृद्धि करनी है तो हर क्षेत्र के बारे में जानकारी रखनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारी अपने ग्राहकों की लोन एप्लीकेशन को सिर्फ एक कागज का टुकड़ा न समझे। मध्यम वर्ग के लिए लोन का आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत होना, सपने के पूरे होने या टूट जाने जैसा होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 70,000 नवनियुक्त सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भर्ती हुए सदस्यों को संबोधित भी किया। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 43 स्थानों पर किया गया। यूपी की राजधानी लखनऊ में आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि नौकरियों के माध्यम से सेवा का मौका मिलना महत्वपूर्ण है, सेवा किस जगह से की जाए यह महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भारत में निजी और सरकारी सेक्टर दोनों ही जगह नौकरियों के लगातार नए मौके मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में युवा स्वरोजगार के लिए भी आगे आ रहे हैं। बिना बंधक के बैंक से लोन दिलाने वाली मुद्रा योजना ने करोड़ों उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत सरकार 40 करोड़ लोन दे चुकी है. जिसमें से 27 करोड़ मुद्रा लोन महिलाओं को दिए गए हैं।

मोदी सरकार लोकतंत्र खत्म कर रही

बोले मल्लिकार्जुन

जैक के दावों पर खरगे का बयान, कहा- हम इस साज़िश को नाकाम करते रहेंगे

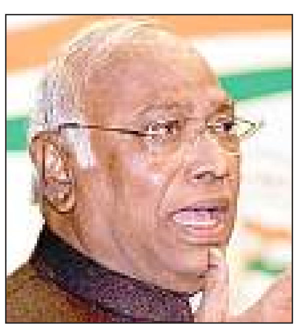

नई दिल्ली। ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी के दावों को लेकर कांग्रेस मोदी सरकार पर हमलावार है। कांग्रेस कहा रही है कि मोदी सरकार लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक ट्वीट के द्वारा पूरे मामले को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। खड़गे ने कहा कि हम लोकतंत्र खत्म करने की साज़िश को नाकाम करते रहने वाले हैं। खड़गे ने कहा कि भाजपा-आरएसएस के राजनैतिक वंशज जो स्वतंत्रता के आंदोलन में हिन्दुस्तानियों के खिलाफ खडे.होकर अंग्रेजों के पक्ष में लड़े वहां ट्विटर के पूर्व सीईओ के बयान पर राष्ट्रवाद का ढोंग न रचे! उन्होंने कहा कि देश को शर्मिंदा करने में भाजपा अव्वल है। अंग्रेजों की गुलामी से भाजपा ने केवल तानाशाही की टूलकिट अपनाई है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि किसान आंदोलन को कुचलने के लिए मोदी सरकार ने क्या कुछ नहीं किया। खुद प्रधानमंत्री मोदी जी ने अन्नदाता किसानों के आंदोलनजीवी बुलाया। यूपी के मुख्यमंत्री ने किसानों पर विदेशी फंडिंग लेने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के मंत्रियों और नेताओं ने किसानों को नक्सली आतंकवादी और देशद्रोही बुलाया। खरगे ने कहा कि कंटीले तार सीमेंट की दीवारें रोड पर कीलें बिछाकर उनका रास्ता रोकने की कोशिश की। उनपर लाठियों से जुल्म ढाए। 750 किसानों की जान गई। उन्हें श्रद्धांजलि और मुआवजा देना दूर उन शहीदों के लिए संसद में एक मिनट का मौन भी नहीं रखा। उन्होंने दावा किया कि 1.48 लाख किसान आज भी किसान आंदोलन के दौरान दर्ज केस लड़ने को मजबूर हैं। खड़गे ने कहा कि अगर ये सब किया तब पत्रकारों और किसान आंदोलन के नेताओं को धमकाना मोदी सरकार के लिए कोई बड़ी बात नहीं है।

आपदा प्रबंधन को लेकर आठ हजार करोड़ की तीन परियोजनाएं शुरू

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने देश में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए जरूरी ढांचे और मौजूदा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक की तीन बड़ी योजनाओं की घोषणा की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इन योजनाओं की घोषणा की। पहली योजना के तहत राज्यों में अग्निशमन सेवा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए पांच हजार करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की जाएगी। इसका उद्देश्य अग्निशमन तंत्र तथा ढांचे को अत्याधुनिक तथा पुख्ता बनाना है। दूसरी योजना के तहत शहरी बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए सर्वाधिक जनसंख्या वाले सात महानगरों जिसमें मुंबई चेन्नई कोलकाता बेंगलुरु हैदराबाद अहमदाबाद और पुणे के लिए 2500 करोड़ की परियोजना चलेगी। इससे बाढ़ से निपटने की व्यवस्था को पुख्ता बनाने के साथ-साथ ठोस समाधान की दिशा में भी कार्य किया जाएगा। तीसरी योजना में भू-स्खलन शमन के लिए 17 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में 825 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय भू-स्खलन जोखिम शमन योजना शुरू की जाएगी।

उत्तर भारत में 5.4 तीव्रता का भूकंप

हड़कंप

दिल्ली-एनसीआर, जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़ समेत कई शहरों में रहा असर

नई दिल्ली। भारत में मंगलवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का असर दिल्ली-एनसीआर, जम्मू कश्मीर, चंडीगढ़ समेत कई शहरों में रहा। आज दोपहर एक बजकर 33 मिनट पर करीब एक मिनट तक अलग अलग बार में भूकंप के झटके मसहूस किये गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र अक्षांश 33.15 और 75.82 देशांतर पर स्थित रहा। कई लोगों ने भूकंप के झटकों को महसूस किया। भूकंप के झटका लगते ही लोगों में हड़कंप मच गया और घरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के मुताबिक चंडीगढ़ में 10 सेकेंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफरातफरी में लोग घर से बाहर निकल आए। वहीं, जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ से 30 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में भूकंप का एपिक सेंटर बताया जा रहा है। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.4 नापी गई है। बताया जा रहा है कि भारत के अलावा पाकिस्तान और चीन में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र पाकिस्तान में हो सकता है। हालांकि, अधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। ईएमएससी ने ट्वीट कर बताया कि, भूकंप का केंद्र जम्मू-कश्मीर का किश्तवाड़ रहा, जहां 30 किमी दक्षिण पूर्व में रिक्टर पैमाने पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया है। भूकंप का केंद्र छह किलोमीटर गहराई में था। इस दौरान जान-माल का किसी प्रकार का नुकसान होने की फिलहाल कोई खबर नहीं मिली है। श्रीनगर के एक स्थानीय निवासी का कहना है, भूकंप से स्कूली बच्चे डर गए। दुकानों में मौजूद लोग बाहर निकल आए। यह डरावना था। यह पिछले हफ्ते आए झटकों से ज्यादा तेज था...। वहीं इससे पहले असम के मध्य भाग में रविवार सुबह 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप पूर्वाह्न 11 बजकर 35 मिनट पर आया और इसका केंद्र ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित सोनिपुर जिले में था। भूकंप जमीन से पांच किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था।

जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने नीतीश मंत्रिमंडल से दिया इस्तीफा

पटना। बिहार में महागठबंधन की सरकार को बड़ा झटका लगा है। बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के बेटे और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा पार्टी (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन मांझी ने नीतीश मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि संतोष सुमन नीतीश सरकार में अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री थे। लंबे वक्त से जीतन राम मांझी के एनडीए में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थी। इसी बीच मंगलवार को बिहार कैबिनेट से संतोष मांझी ने इस्तीफा देकर सबको हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि वित्त मंत्री विजय चौधरी से मुलाकात के बाद संतोष सुमन मांझी ने इस्तीफा दिया है। जीतन राम मांझी के दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी इस्तीफे की पुष्टि की है।

भोपाल में धधकता रहा सतपुड़ा भवन

यह है हाल

40 मीटर दूर 'सफेद हाथी' बन खड़ी रही 5.5 करोड़ की ऑटोमैटिक हाइड्रोलिक मशीन

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में दूसरे सबसे बड़े सरकारी दफ्तर में लगी आग पर काबू पाने में 15 घंटे से अधिक वक्त लग गया। सात मंजिला सतपुड़ा भवन में आग लगने से सरकारी कार्यालय और दस्तावेज नष्ट हो गए। इस दौरान अग्निशमन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली साढे 5 करोड़ रुपये की आधुनिक हाइड्रोलिक लैडर सिर्फ 40 मीटर की दूरी पर खड़ी थी। इसे 18 मंजिल तक ऊंची इमारतों में आग बुझाने में मदद करने के लिए करीब नौ महीने पहले बहुत धूमधाम से खरीदा गया था। सूत्रों के मुताबिक, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय से मंजूरी नहीं मिलने और योग्य कर्मियों की कमी के कारण यह भोपाल में हालिया सालों में लगी सबसे बड़ी आग से लड़ने में कोई भूमिका नहीं निभा सकी। आग बुझाने में सेना और भारतीय वायु सेना को शामिल होना पड़ा और आखिरकार करीब 15 घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा, हाइड्रोलिक मशीन के अंदर जाने के लिए जगह नहीं थी। रास्ता रोकते हुए वहां पार्किंग बना दी गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़े भवनों (अग्निशमन वाहनों के प्रवेश के लिए) में पर्याप्त जगह सुनिश्चित करने की व्यवस्था करने का आदेश दिया है। हाइड्रोलिक लैडर खरीदने से पहले फायर ब्रिगेड सीढ़ी और मशीनों का उपयोग कर रहा था, जो केवल तीन-चार मंजिलों तक पहुंच सकते थे। सोमवार के ऑपरेशन में उन्हीं सीढ़ियों का इस्तेमाल किया गया था। नई हाइड्रोलिक लैडर को संचालित करने के लिए चार से पांच लोगों को प्रशिक्षित किया गया था, हालांकि सूत्रों का कहना है कि आग लगने के समय उनमें से कोई भी उपलब्ध नहीं था। आग सोमवार शाम करीब चार बजे सतपुड़ा भवन की तीसरी मंजिल से शुरू हुई, जहां आदिवासी कल्याण विभाग का क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है। आग तेजी से तीन ऊपरी मंजिलों तक फैल गई. आग के एयर कंडीशनर और कुछ गैस सिलेंडरों के संपर्क में आते ही कई विस्फोट हुए।

चक्रवात बिपरजॉय से लोगों को बचाने हर संभव प्रयास तेज करें : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि चक्रवात बिपरजॉय से लोगों को बचाने हर संभव प्रयास तेज किए जाने चाहिए। पीएम ने अरब सागर में उठे चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के कारण उत्पन्न स्थिति की सोमवार को यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में समीक्षा की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि तूफान की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने तथा जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सभी उपाय किये जायें। प्रधानमंत्री ने बैठक में मौजूद केन्द्र तथा गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तूफान की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए हर संभव कदम उठायें और वहां बिजली, संचार, स्वास्थ्य , पेयजल आदि सभी सुविधा पहुंचाने के लिए सभी उपाय करें। उन्होंने कहा कि तूफान की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नियंत्रण कक्ष दिन रात काम करे।

बंगाल के पंचायत चुनाव में सेंट्रल फोर्स की तैनाती होगी

तैयारी

12 जून को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव सेंट्रल फोर्सेस की निगरानी में होंगे। कोलकाता हाईकोर्ट ने मंगलवार को इस संबंध में निर्देश दिया है। कोर्ट ने पंचायत चुनाव के लिए नॉमिनेशन की तारीख बढ़ाने का फैसला चुनाव आयोग पर छोड़ दिया है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल के चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा ने 8 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत चुनाव के शेड्यूल का ऐलान किया था। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस ने दो जनहित याचिकाएं लगाई थीं। इसमें पंचायत चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के कुछ हिस्सों को चुनौती दी गई थी। वहीं दूसरी याचिका में सेंट्रल फोर्स तैनात करने की मांग की गई थी। बंगाल पंचायत चुनाव की तारीख बढ़ाने को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने मतदान 8 जुलाई के बजाय 14 जुलाई को कराने का प्रस्ताव दिया था। कोर्ट ने नामांकन दाखिल करने की तारीख 15 जून से बढ़ाकर 18 जून और नामांकन वापस लेने की तारीख 26 के बजाय 27 जून करने का सुझाव दिया। इस पर राज्य चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा कि नामांकन की तारीख बढ़ाना सही नहीं है। इसे ज्यादा से ज्यादा 15 जून से बढ़ाकर 16 जून तक किया जा सकता है।

कौन बड़ा हिंदुत्ववादी भाजपा कांग्रेस में लगी होड़: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावाती ने कहा कि आजकल कांग्रेस और भाजपा में यह होड़ लगी हुई है कि कौन बड़ा हिंदुत्ववादी है। कौन बड़ा हिंदू भक्त है। मायावती ने कहा कि कुछ समय से भाजपा और कांग्रेस में हिंदुत्ववादी व हिंदू भक्त को लेकर लड़ाई चल रही है। इसकारण पूजा पाठ में दोनों अपने आपको माहिर दिखा रहे हैं। इसका साफ मतलब है कि इससे बाकी अन्य धर्म की उपेक्षा की जा रही है। यह संविधान की मंशा के विरुद्ध है। उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों को तोड़ने पर बहनजी ने कहा कि कांग्रेस में सॉफ्ट हिंदुत्व की होड़ मची है। मजारों को तोड़ना सही नहीं है। धार्मिक स्थलों को सही स्थान मिलना चाहिए। बसपा हर धर्म का सम्मान करती है। सरकार को ध्यान देने की जरूरत है। मायावती ने कहा कि देश में अकेले हिंदू धर्म को मानने वाले लोग ही नहीं रहते हैं, बल्कि मुस्लिम, सिख, ईसाई आदि विभिन्न धर्मों को मानने वाले लोग भी रहते हैं। उन्होंने भाजपा और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इन दोनों पार्टियों को हिंदुओं की तरह ही अन्य सभी धर्मों का उचित ध्यान रखना चाहिए।

केमिकल टैंकर में आग, 4 की मौत

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को एक केमिकल से भरा टैंकर पलट गया, जिससे इसमें आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 घायल हैं। घटना दोपहर 12 बजे खंडाला बाईपास स्थिति एक फ्लाईओवर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चंद मिनटों में पूरा टैंकर जलकर खाक हो गया। इससे निकल रहा केमिकल फ्लाईओवर के नीचे तक गिर रहा था। केमिकल जहां-जहां पहुंचा आग वहां तक फैलती गई। हादसे के दौरान टैंकर में सवार दो लोग और फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे दो बाइक सवार आग की चपेट में आ गए। जिसके कारण उनकी मौत हो गई। फ्लाईओवर के नीचे कुछ वाहन भी आग की चपेट में आए हैं। घायलों को सोमाटणे स्थित पवना अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मुंबई और पुणे जाने वाले ट्रैफिक को पूरी तरह से रोक दिया गया।

तमिलनाडु से चुनाव लड़ेंगे मोदी, सुगबुगाहट तेज

सियासत

तमिलनाडु को मिलेगा प्रधानमंत्री? चलेगा मोदी का जादू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु से लोकसभा का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में उनकी व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुंचा है। राजनीतिक हलकों में यह कहा जा रहा है कि भाजपा के लिए दक्षिण का प्रवेश द्वार बंद हो गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण के राज्य तमिलनाडु से चुनाव लड़कर अपने व्यक्तिगत जादू को बरकरार बनाए रखेंगे। तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों में से 25 सीटें तमिलनाडु से जीतने का लक्ष्य लेकर, तमिलनाडु से चुनाव मैदान में उतरने की तैयारी मोदी कर रहे हैं। जब उन्होंने बनारस से चुनाव लड़ा था। तब भी उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य में अपना जादू दिखाया था।

संसद भवन के उद्घाटन समारोह में सिंगोल लाकर,संसद भवन में स्थापित करने के पीछे भी यही सबसे बड़ी वजह मानी जा रही है। तमिलनाडु के हर प्रसिद्ध मंदिर से एक ब्राह्मण को हवाई जहाज के माध्यम से दिल्ली लाया गया था। जब इन ब्राह्मणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सिंगोल भेंट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साष्टांग दंडवत करते हुए ब्राह्मणों को प्रणाम कर योजना का श्रीगणेश कर दिया है। मीडिया में इसका प्रचार-प्रसार भी बड़े पैमाने पर किया गया है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों में स्थानीय भाषा में धार्मिक तौर पर सिंगोल स्थापित करने की बात कही गई है। अभी तक तमिलनाडु से भारत का कोई प्रधानमंत्री नहीं बना है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के कामराज नाडार का,नेहरू जी के बाद प्रधानमंत्री बनना था। लेकिन उस समय लाल बहादुर शास्त्री को उत्तर प्रदेश की सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें होने के कारण प्रधानमंत्री बनाया गया था। उसके बाद केजी मूपनार को भी प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश हुई।लेकिन यह संभव नहीं हो पाया। तमिलनाडु की 88 फीसदी आबादी हिंदू है। इस में ब्राह्मणों की संख्या सबसे कम है। 50 फीसदी से ज्यादा हिंदू दलित और पिछड़े वर्ग के हैं। 30 फीसदी से ज्यादा हिंदू अन्य समुदायों में बंटे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछड़े और दलितों के बीच जाकर अपना भाग्य आजमाना चाहते हैं। इसकी सुनियोजित रणनीति कई माह पहले बना ली गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी बनारस से सांसद है ।वह उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। यदि वह तमिलनाडु से लोकसभा चुनाव जीतकर,प्रधानमंत्री बनेंगे, तो पहली बार तमिलनाडु का प्रधानमंत्री होगा। इस बहाने दक्षिण के राज्यों में भारतीय जनता पार्टी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले कई वर्षों से तमिलनाडु में अपना विस्तार कर रहा है। इस विस्तार में अब तमिल ब्राह्मणों को भी शामिल कर लिया गया है। सिंगोल के रूप में तमिलनाडु को हिंदू राजाओं और हिंदू इतिहास से जोड़कर,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु से हिंदुओं मे दलित और पिछड़ों की राजनीति करके, डीएमके और अन्ना डीएमके के वोट बैंक में सेंध लगाने की सुनियोजित रणनीति के तहत, तमिलनाडु से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं।

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत छवि को जो आघात पहुंचा है। उसको तमिलनाडु के माध्यम से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साबित करना चाहतें है कि उनका जादू बना हुआ है। तमिलनाडु में जहां एक भी लोकसभा सीट भाजपा के पास नहीं है। वहां की 25 सीटें जीतने की रणनीति भाजपा तैयार कर रही है। इस बात के संकेत अभी नहीं मिले हैं, प्रधानमंत्री मोदी 2 स्थानों से चुनाव लड़ेंगे, या अकेले तमिलनाडु की किसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इतना तय माना जा रहा है, कि प्रधानमंत्री इस बार तमिलनाडु से चुनाव अवश्य लड़ेंगे।

संक्षेप

व्यापारी के निधन पर शोक सभा आयोजित

नैनी। नैनी व्यापार मंडल के तत्वाधान में स्थानीय व्यापारियों की एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें मेवालाल की बगिया तिराहे के व्यापारी सेठी होटल के मालिक रमन सेठी (65) वर्षीय का एक सड़क दुर्घटना में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से व्यापारियों में शोक व्याप्त है। बैठक में व्यापारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा में प्रमुख रूप से नैनी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष चंद्र केशरवानी, सभासद राकेश जायसवाल,घनश्याम जायसवाल, चंद्रबली जाटव, दिलीप कौशल, राजकुमार जायसवाल,सत्यम शेट्टी, सानू ओवैसी, मोनू जायसवाल, धर्मराज पटेल, सोमनाथ चौरसिया, इंद्र बहादुर सिंह (एडवोकेट), राजन शुक्ला, रामबाबू यादव, मुन्ना शर्मा,राम जायसवाल, नाजिम खान, गुड्डू वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

ससुरालियों पर विवाहिता को मार कर फांसी के फंदे पर लटकाने का आरोप, ससुराली फरार

आरोप

पति सहित आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा के ग्राम गदियानी सरैंया में बीती रात हुई घटना ससुराली फरार,सास हिरासत में

मऊआइमा। दहेज कम मिलने पर विवाहिता को ससुरालियों द्वारा मार कर फांसी के फंदे पर लटका देने का आरोप लगाते हुए विवाहिता के भाई ने थाने में पति सहित छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। सूचना पर पहुची पुलिस शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर विवाहिता की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

जनपद प्रतापगढ़ के थाना देल्हूपुर के मल्हूपुर गांव निवासी संतोष कुमार यादव पुत्र स्वर्गीय नोखेलाल यादव ने अपनी बहन उमा देवी की शादी पांच वर्ष पूर्व मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम गदियानी सरैंया निवासी अतुल कुमार यादव पुत्र भोलानाथ के साथ किया था। जिससे एक दो वर्ष की पुत्री हर्षिता तथा तीन वर्ष का पुत्र तेजस हैं। संतोष कुमार यादव के मुताबिक शादी के बाद ही कम दहेज लाने का उसकी बहन को ससुराली ताना देते रहे हैं। कम दहेज के खातिर बीती रात उसकी बहन को मार कर ससुरालियों ने फांसी के फंदे पर लटका दिए। संतोष कुमार यादव ने बताया कि इसकी सूचना उन्हें मंगलवार को बहन उमा देवी के पडोसी ने फोन से सुबह दिए। जहां उसकी बहन को फांसी के फंदे पर लटकाया गया था। वहां बहन की चूडि ?ां टूटी हुई थी। बहरहाल इसकी सूचना मऊआइमा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है। तथा मृतका के परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दोनों मासूम बच्चों को लेकर अन्य ससुराली फरार हो गए हैं। संतोष कुमार ने मऊआइमा थाने में मृतक बहन उमादेवी के पति अतुल कुमार, ससुर भोलानाथ, सास अज्ञात, देवर बबलू यादव, देवरानी नाम अज्ञात, देवर ननके यादव, ननद सुधा यादव के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस सास सहित अन्य को हिरासत में लेकर ससुरालियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

घटना की सूचना मिलने के बाद जुटी लोगों की भीड़ व इनसेट में मृतका की फाइल फोटो

करंट की चपेट में आकर युवक की गई जान, शादी की खुशियां बदली मातम में

उरुवा। पंखा लगाते समय करंट की चपेट में आकर युवक की जान चली गई। जिससे शादी समारोह की खुशियां मातम में बदल गई और कोहरा घर में कोहराम मच गया। मेजा थाना क्षेत्र के शुक्लपुर गांव निवासी कमलेश यादव के घर सोमवार को बारात आई थी,भाई के बेटी का विवाह था। बारात का स्वागत सत्कार हुआ,द्वारचार के बाद विवाह की तैयारी चल रही थी। उसी समय उनका छोटा बेटा 22 वर्षीय संजय यादव उर्फ छोटू घर में रुके मेहमानों को गर्मी से बचाने के लिए फरार्टा पंखा लगाने लगा और अचानक करंट की चपेट में आकर नीचे गिर गया। जिसे घरवाले आनन-फानन में इलाज के लिए लेकर सीएचसी रामनगर पहुंचे। जहां पर डाक्टरों ने परीक्षण किया तो मृत होने की पुष्टि कर दी। मौत की जानकारी होते ही साथ रहे लोगों का रोते बिलखते बुरा हाल था। शादी की खुशियां मातम में बदल गई। अचानक हुई घटना से माता कर्मउता

देवी पिता कमलेश यादव और बड़े भाई अजय यादव सहित परिजनों का रोते हुए बुरा हाल हो रहा था। घर में कोहराम मचा हुआ था। जैसे तैसे विवाह की रस्म पूरी कर बारातियों की विदाई की गई। मंगलवार को दोपहर का दिवंगत युवक का अंतिम संस्कार घरवाले और रिश्तेदारों की मौजूदगी में कर दिया गया।

सूखे पड़े तालाब, पानी को तरस रहे पशु-पक्षी

किल्लत

भीषण गर्मी में सूखे तालाब-पोखरे पानी को पशु पक्षी बेहाल, मचा हाहाकार

जारी। मई और जून माह में पारा 40 सेंटीग्रेट से ऊपर है। भीषण गर्मी व तपिश ने मानव ही नहीं पशु-पक्षियों को बेहाल कर दिया है।वहीं दूसरी तरफ तालाब, पोखरों व अन्य जलस्त्रोतों में धूल उड़ रही है। प्यास बुझाने के लिए बेजुबान भटक रहे हैं। जिम्मेदार सूखे तालाबों को भरने की व्यवस्था नहीं कर रहे। यहीं स्थिति रही तो पेयजल संकट से जूझना पड़ेगा। गौरतलब है कि आदर्श जलाशय भी सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। विकास खंड के अधिकांश तालाब में पानी नहीं है। लाखों रुपये से बनाये गए यह तालाब बेमकसद साबित हो रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि तालाबों में पानी उपलब्ध कराया जाए। जारी गांव, जारी गड़ैया कला, खुर्द, तेलघना, अतरसुइया ,पहाड़ी, कुड़ी गौहानी, पंडित का पूरा, दर्जनों गांव में खोदे गए पोखर व अन्य जलाशयों सूख पड़े हैं। यदि समय रहते तलाबो में पानी नहीं भरा गया तो हैंडपंप भी पानी छोड़ देंगी । जलसंचय की व्यवस्था ध्वस्त।क्षेत्र में लगभग कई चेक डैम, नहर व सभी गांवों में मनरेगा के तहत खोदे गए तालाब होने बावजूद भी लोग पानी के लिए परेशान हैं। वजह, भूजलस्तर नीचे खिसकने से तालाबों, नहरों व नदियों में पानी नहीं दिखाई दे रहा है।जल के सभी स्त्रोत सूखे पड़े हुए हैं। पानी न होने से जानवरों , पशु-पक्षियों को प्यास बुझाने के लिए इधर- उधर भटकना पड़ रहा है।

क्षेत्रों में रह रहे जानवरों का झुंड आबादी वाले क्षेत्र के तरफ प्यास बुझाने के लिए रात व दोपहर के शांत समय मे आते दिखाई पड़ने लगे है। महीने भर बढ़ी तेज धूप व तपन की वजह से कही भी जल संचय के संसाधनों में जल नहीं बचा है। ग्राम पंचायत तेलघना प्रधान नीरज सिंह ने बताया कि लगभग 20 मई टवस नदी से नहरों में पानी छोड़ा गया था ।जिससे तालाबों में पानी भरा है। लेकिन अधिकांश क्षेत्र के तालाब सूखे पड़े हैं। आपको बता दें कि आस-पास के सभी गांवों में सरकारी तालाब भी खुदवाए गए हैं। जिसमें से किसी भी तालाब में पानी नहीं है।

सूखा पड़ा तालाब

देश के विकास के लिए सेवा सुशासन है जरूरी : विधायक

सहसो। संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसो में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए पार्टी ने युवा मोर्चा महिला मोर्चा किसान मोर्चा अल्पसंख्यक मोर्चा अनुसूचित मोर्चा और पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सभी मोर्चों के संयुक्त सम्मेलन का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फूलपुर के सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल एवं मुख्य वक्ता फूलपुर के विधायक प्रवीण पटेल रहे मुख्य वक्ता प्रवीण पटेल ने कहा कि आज देश माननीय प्रधानमंत्री के 9 साल के कार्यकाल को देश के विकास में मील का पत्थर मान रहा है चाहे वह सुशासन का क्षेत्र हो सेवा का क्षेत्र हो चाहे वह विकास का चित्र हो हर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रही है सरकार का उद्देश्य गांव गरीब मजदूर शोषित वंचित समाज के उत्थान का लक्ष्य प्राप्त करना है इस कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष लक्ष्मी कांत उपाध्याय ने किया इस कार्यक्रम के संयोजक अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष फुजैल अहमद उर्फ सचिन अहमद रहे इस कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नवीन पटेल ने किया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अश्विनी कुमार द्विवेदी जिला महामंत्री जीतलाल त्रिपाठी एवं मनोज निषादअनुसूचित मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य आशीष कुमार भारतीय आरती अग्रवाल ईश्वर चंद बिंद अनिरुद्ध सिंह पटेल आलोक कुमार गुप्ता पवन कुमार शुक्ला दिलीप निषाद भूपेंद्र मिश्रा काशीनाथ दुबे मुकेश कुमार दुबे राजेश कुमार सरोज श्रीकांत तिवारी मनोज रूपम त्रिपाठी शकुंतला शुक्ला साधना तिवारी रीता राज संजू शुक्ला रीना सिंह ललिता ललिता पटेल अनिल जायसवाल पुष्पा प्रजापति आत्मा धर दुबे सूरज प्रसाद शुक्ला पवन पांडे सूरज पासी पिंटू अग्रवाल टी एन सिंह एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक, सांसद व अन्य

जल जीवन मिशन में प्रशिक्षित किए गए प्रधान एवं सचिव

करछना। विकासखंड करछना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पेयजल मुहैया कराने के उद्देश्य चलाई जा रही जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत प्रधानों सहायकों एवं ग्रामीणों को दो दिवसीय ब्लॉक मुख्यालय सभागार में प्रशिक्षण दिया गया या परियोजना भारतीय संविधान के 73वें संशोधन को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है परियोजना का निर्धारण गांव स्तर से ही होगा इससे गांव के लोगों को पूरी भागीदारी होगी यह परियोजना भारत सरकार एवं राज्य सरकार के सहयोग से प्रत्येक गांव में हर घर के लिए चलाई गई तथा इस मिशन का मुख्य उद्देश हर घर जल पहुंचाने का है जल जीवन मिशन को अपने गांव में लागू करने के लिए ग्राम पंचायतों को अपनी आवश्यकता के अनुसार ग्राम कार्ययोजना बनानी होगी इस परियोजना के माध्यम से प्रत्येक घर को एक कार्यशील घरेलू नल कनेक्शन के जरिए स्वच्छ जल उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश है सोमवार एवं मंगलवार को? दो दिवसीय प्रशिक्षण उपरांत उपस्थित जल जीवन मिशन शिवाकांत द्विवेदी जल जीवन मिशन के जिला सहायक, एवं मीना शुक्ला जल जीवन मिशन कोऑर्डिनेटर द्वारा सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया उपस्थित प्रमुख लोगों में सूरज निषाद राकेश सिंह नारायण दुबे शिवाकांत द्विवेदी, प्रभाकर मौर्य, संगीता पटेल, बीना पटेल, संगीता देवी, अनारकली, सविता मौर्या, सूरज, अमरीश मौर्य, बृजभषण प्रधान प्रतिनिधि अमित कनौजिया ग्राम पंचायत देवरी सचिव कमल सिंह अमरेश सिंह सचिव संजीव श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में ब्लॉक कर्मी व क्षेत्र के गणमान्य लोग प्रधान एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रशिक्षण प्राप्त करते प्रधान व सचिव

शरारती तत्वों ने मारा पीटा, बांस के कोठ में लगा दी आग, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के गदयानी गांव में घर घुस मारा पीटा गया। बाद में बांस की कोठ में शरारती तत्वों ने आग लगा दी। जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया ।सूचना पर दमकल विभाग ने बड़ी मशक्कत से आग को काबू में पाया। पुलिस ने तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा के गदयानी गांव निवासी मुन्ना लाल मौर्या पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल का आरोप है कि रंजिशन उसके पडोसी पहले घर में घुस कर मारे पीटे एंव जान से मारने की धमकी देते हुए उसके बांस के कोठ में आग लगा दी। जब तक दमकल विभाग किसी तरह आग पर काबू पाता उसके सौ बांस और आम महुआ के पेड़ झुलस गए। मुन्नू लाल मौर्या ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर गांव के ही छोटू, दारा पुत्रगण अनिल कुमार तथा अनिल कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

समाजवादी पार्टी की जमुनापार इकाई घोषित

प्रेस वार्ता

जिलाध्यक्ष जमुनापार पप्पूलाल निषाद ने प्रेस वार्ता कर घोषित की नई कार्यकारिणी

कुल 51 सदस्यों की नई कार्यकारिणी मे जिलाध्यक्ष के साथ एक महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, 6 उपाध्यक्ष एवं 15 सचिव व अन्य 27 कार्यकारिणी सदस्य शामिल

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की सहमति से जमुनापार के जिलाध्यक्ष पप्पूलाल निषाद ने आज प्रेस वार्ता के दौरान नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

नई कार्यकारिणी मे जिलाध्यक्ष के साथ एक महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, 6 उपाध्यक्ष,15 सचिव एवं अन्य 27 कार्यकारिणी सदस्यों को मिलाकर कुल संख्या 51 रखी गई है। जिलाध्यक्ष (जमुनापार) पप्पूलाल निषाद ने बताया है कि नई कार्यकारिणी मे बिन्द /निषाद 7, पटेल 6, यादव 6, मुस्लिम 4, विश्वकर्मा 4, सामान्य 4, आदिवासी 3 सहित अन्य पिछड़े, अनुसूचित समाज एवं महिलाओं को भी नई कार्यकारिणी मे उचित सम्मान दिया गया है।यह भी बताया कि शीघ्र ही जोनल एवं सेक्टर प्रभारियों को चयन करके बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जायेगा। दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव मे समाजवादी पार्टी की जीत के लिये हर स्तर पर काम शुरू किया जायेगा।

मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर के अनुसार उपाध्यक्ष क्रमशः मो. इसराइल उर्फ पप्पू, रणजीत सोनकर, लल्लन सिंहपटेल, जयशंकर भारती, राम निरंजन विश्वकर्मा, कृपा शंकर बिन्द एडवोकेट महासचिव इंजी. जगदीश यादव, कोषाध्यक्ष केशव प्रसाद विश्वकर्मा,सचिव क्रमशः महेन्द्र कुमार, दिनेश कुमारपटेल, छोटे लाल शर्मा, विजय बहादुर सिंह पटेल, विद्याकांत शर्मा , गुलाबकली आदिवासी, रामसिंह पाल, मुरारी यादव, मनोज सिंह, कन्हैया बिन्द, मकसूद आलम, सुरेन्द्र निषाद, अनुज मिश्रा, अतुल बिन्द, मदन मोहन साहू सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य हैं। जमुनापार की चारों विधानसभा अध्यक्षों की भी घोषणा की गई जिसमे मेजा मे विजय राज यादव करछना मे ननकेश बाबू, बारा (सु.)भागीरथी बिन्द एवं कोरांव (सु.)सोमदत्त पटेल को विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के कई वरिष्ठ नेतागण मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता के दौरान घोषणा करते जिलाध्यक्ष जमुनापार पप्पूलाल निषाद

पति और पत्नी के झगड़े में पति ने लगाई फांसी, घरवालों ने बचाया जान

फाफामऊ। मंगलवार की सुबह बाईपास फाफामऊ का एक युवक पत्नी से झगड़ा कर लिया। नाराज होकर पत्नी घर के बाहर चली गई तो युवक ने दरवाजा बंद कर साड़ी का फंदा बनाकर पंखे में फांसी लगा लिया। घर वालों ने दरवाजा बंद करते हुए युवक को देखा तो दौड़कर दरवाजा तोड़कर उसे फांसी से उतारकर कर अस्पताल ले गए जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के मुताबिक बाईपास फाफामऊ का रहने वाला अभिषेक कुमार 25 वर्ष मंगलवार को किसी बात को लेकर पत्नी से झगड़ा कर लिया। पत्नी से नाराज होकर घर के बाहर चले गई तो अभिषेक ने दरवाजा बंदकर फांसी लगा लिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने लगाई फांसी

फूलपुर । फूलपुर क्षेत्र के पाली गांव में मंगलवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों व परिजनों ने उसे बाबूगंज स्थित एक स्थानीय चिकित्सालय में ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फूलपुर थाना क्षेत्र के पाली गांव निवासी डॉक्टर सुधीर यादव की पत्नी बंदना 20 मंगलवार शाम घर के पंखे के हुक से लटक कर फांसी लगा ली। डॉक्टर सुधीर का विवाह विगत दिसंबर माह में वंदना के साथ हुआ था। बंदना का मायका फूलपुर कस्बे में है। आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि मृतक विवाहिता के मायके वाले मूलतः गाजीपुर के निवासी हैं जो यहीं आकर बस गए हैं।

चोरों ने घर का ताला तोड़ की लाखों की चोरी, शादी में शामिल होने गया था परिवार

प्रयागराज। कोरांव थाने से चंद कदम की दूरी पर चोरों ने लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। वैवाहिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गया परिवार जब मंगलवार शाम लौटा तो घर के अंदर बिखरे सामान देखकर हैरान रह गये। कोरांव पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर वापस लौट गई। पुलिस का कहना है कि चोरों की खोजबीन की जा रही है। यमुनानगर के कोरांव थानांतर्गत सुभाष नगर मोहल्ले का रहने वाला चंदन पुत्र भोलानाथ नगर पंचायत में काम करता है। वह सोमवार को अपने भांजे की शादी में शामिल होने के लिए घर में ताला बंद करके परिवार सहित रीवां, मध्य प्रदेश चला गया था। वैवाहिक कार्यक्रम से फुरसत होने के बाद चंदन मंगलवार शाम परिजनों के साथ घर वापस आया। बाउंड्री वाल के गेट पर लगे ताले को खोलकर चंदन, जब मुख्य दरवाजे की तरफ गया तो दरवाजे का ताला टूटा देखकर उसके होश उड़ गए। उसने जब कमरों का निरीक्षण किया तो देखा कि सूटकेस व आलमारी में रखे लाखों की कीमत के सोने और चांदी के आभूषण गायब थे। इतना ही नहीं चोर तमाम जरूरी कागजात और 75 हजार रुपए नकद भी उठा ले गए थे।

इफको में आयोजित सांस्कृतिक महोत्सव में कलाकारों ने बांधा समां

महोत्सव

कालबेलिया, बीहू व गोघल लोक नृत्य ने मोहा सबका मन

फूलपुर। इफको में आयोजित 11वें अंतर इकाई सांस्कृतिक महोत्सव के दूसरे दिन इफको मुख्यालय एवं विपणन की टीम ने शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। मुख्य अथिति निदेशक तकनीकी गोपाल कृष्ण गौतम ने कहा कि भारत की सांस्कृति विरासत जो आधुनिक जीवन शैली के कारण विलुप्त होती जा रही है, उसको जीवंत बनाए रखने में इफको अग्रणी भूमिका निभा रहा है है। उन्होंने बताया कि वह 30 वर्ष इफको फूलपुर में रहे है और फूलपुर इकाई तकनीकी क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया (इकाई प्रमुख) ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव पार्वती युगल नृत्य के साथ हुआ। इफको मुख्यालय की टीम ने मुगल सूफी शैली में कथक नृत्य प्रस्तुत किया जो 15 वीं सदी की भारतीय संस्कृति को दर्शा रहा था। कालबेलिया, बीहू और गोंघल जैसे लोक नृत्य भी प्रस्तुत किये गए जिसका लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया।इसके अलावा एकल गीत, समूह गान, नया घर शीर्षक आधारित लघु नाटक, निय्यत-ए-शौक भर न जाए कहीं पर गजल प्रस्तुत किया गया, कृष्ण रास पर आधारित सामूहिक नृत्य पर कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। सबसे विशेष आकर्षण का केंद्र कथा श्रीराम के जीवन पर आधारित नाटक रहा जो संक्षिप्त रामायण कथा को दर्शा रहा था। कार्यक्रम का संचालन एस.के.सिंह ने किया। मुख्यालय एवं विपणन टीम का नेतृत्व नलीन विकास ने किया जबकि पूजा, दिशा, अंक अंजलिदीप, सत्यम व अन्य ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः संजय वैश्य, एम.डी. मिश्र, ए.पी.राजेन्द्रन, पी.के. सिंह, संजय भंडारी व अन्य संयुक्त महाप्रबंधक उपस्थित रहे, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, ऑल इंडिया इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के महामंत्री एस.के. बंसल, ऑल इंडिया इफको कर्मचारी संघ के महामंत्री बृजेश कुमार, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू तिवारी व महामंत्री स्वयं प्रकाश, इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव एवं बड़ी संख्या में इफको कर्मचारी सपरिवार कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इफको के सांस्कृतिक महोत्सव में थिरकते कलाकार

प्रयागराज

इफको में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

मौसम

अधिकतम :	45.00
न्यूनतम :	32.00
सूर्योदय :	05.15
सूर्यास्त :	06.44

शोध पत्र प्रस्तुत करने डॉ. एके वर्मा जाएंगे इंडोनेशिया

प्रयागराज। दीनदयाल उपाध्याय राजकीय पीजी कॉलेज सैदाबाद, प्रयागराज के जंतु विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. एके वर्मा को सारस क्रेन पर शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए इंडोनेशिया आमंत्रित किया गया है। उदायना विश्वविद्यालय, बाली (इंडोनेशिया) द्वारा नवंबर 2023 में आयोजित 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं संपोषणीयता' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में कई देशों के वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों तथा शोधकताओं को आमंत्रित किया गया है। सारस क्रेन उत्तर प्रदेश का राज्य पक्षी है। वैश्विक स्तर पर इसकी संख्या में निरंतर गिरावट आ रही है इसलिए यह आईयूसीएन रेड डाटा बुक में एक संकटग्रस्त प्रजाति के रूप में चिन्हित है। वैश्विक परिदृश्य के विपरीत कौशांबी जनपद के अलवारा झील व उसके आसपास के क्षेत्र में इस पक्षी की संख्या लगातार बढ़ रही है। डॉ श्री प्रकाश और डॉ. एके वर्मा इस क्षेत्र में सारस क्रेन पर विगत कई वर्षों से शोध कर रहे हैं। आस-पास के गांवों में इस पक्षी के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर रहे हैं।

दिव्य और भव्य कुंभ से दुनिया में प्रयाग का गौरव बढ़ा : शहनवाज हुसैन

सम्मेलन

इलाहाबाद लोकसभा का लाभार्थी सम्मेलन मैं उमड़ा लाभार्थियों का सैलाब

लाभार्थी सम्मेलन को संबोधित करते शहनवाज हुसैन

नैनी, प्रयागराज। दिव्य और भव्य कुंभ मेले से पूरी दुनिया में प्रयागराज का गौरव बढ़ा है। मोदी जैसा प्रधानमंत्री योगी जैसा मुख्यमंत्री और रीता जोशी जैसा सांसद मिलना बड़े सौभाग्य की बात है।

यह बातें भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहनवाज हुसैन ने मंगलवार को नैनी स्थित श्री राम वाटिका में आयोजित इलाहाबाद लोकसभा के बारा- करछना के लाभार्थी सम्मेलन एवं मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरा होने पर लोगों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया, कि आपके द्वारा कमल का बटन दबाने से किसानों को सम्मान निधी मिलने लगी, 80 करोड़ गरीबों को राशन, शौचालय, आवास, उज्जवला कनेक्शन, पांच लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं इतना ही नहीं आपके द्वारा कमल का बटन दबाने से धारा 370 गायब हो गया। मै मुसलमान हूं। पूजा पद्धति अलग-अलग हो सकती है, पर बोट देगे तो विकास सभी का होगा और विना भेदभाव का होगा। उन्होंने कहा, कि अगर हम साम्प्रदायिक होते, तो इस सम्मेलन में इतनी बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं नही होती, मोदी-योगी सरकार की जितनी योजनाएं बनाई विना भेदभाव गरीबों के लिए बनाई। श्री हुसैन ने बताया, कि दुनिया के बड़े बड़े देश आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित कर रहे है।अब तो कुछ राष्ट्राध्यक्ष मोदी जी के चरणों मे झुककर सलाम करते हैं।

सांसद इलाहाबाद प्रो.रीता बहुगुणा जोशी ने मुख्य अतिथि को बुकें अंगवस्त्रम्‌ भेंटकर स्वागत करते हुए कहा, कि मोदी सरकार मे विगत 9 मे वर्षो मे एक भी भ्रष्टाचार नही, श्रमिकों का निरंतर सम्मान हो रहा है। कोरोना काल मे हमारे देश के अन्नदाता किसानों ने सबसे ज्यादा उत्पादन करने का कार्य किया, मोदी ने विदेशों में जो वैक्सीन भेजे राष्ट्राध्यक्षो ने प्रधानमंत्री मोदी को हनुमान की संज्ञा देकर देश का सम्मान बढाया। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री प्रकाश शुक्ल प्रचंड ने किया। जिला महामंत्री राजेश शुक्ला ने सभी को आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर कलस्टर प्रमुख उत्तम मौर्य, पूर्व विधायक कलक्टर पांडेय, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, शिवदत्त पटेल, रमाकांत विश्वकर्मा, अशोक सिंह, डॉ.भगवत पांडेय, पुष्पराज सिंह, राजेश्वरी तिवारी, राकेश जायसवाल, जय सिंह, सविता मिश्रा, अभिषेक शुक्ला, संत प्रसाद पांडेय, मिथिलेश पांडेय के अलावा काफी सख्यां मे लाभार्थी महिला-पुरूष उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल में जुझारू कर्मठ सामाजिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य : अनूप वर्मा

प्रयागराज। जिलामहानगर उद्योग व्यापार मंडल संबद् उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नवनियुक्त गंगा पार प्रभारी सुरेंद्र जयसवाल (बबलू) एवं जिला उपाध्यक्ष विशाल वर्मा रिंकू प्रयागराज जिला/महा नगर उद्योग व्यापार मंडल के हर संघर्ष मे संगठन का नेतृत्व करेंगे, प्रयागराज जिला/महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने आम बहुमत से लिया गया निर्णय संरक्षक/नगर अध्यक्ष राजीव कृष्ण श्रीवास्तव बंटी भैया जिला अध्यक्ष अनूप वर्मा मुख्य सलाहकार कुलदीप पांडे, वरिष्ठ महामंत्री निखिल पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक केसरवानी, कोषाध्यक्ष राजेश केसरवानी, युवा अध्यक्ष गौरव करवरिया महामंत्री अंकित गुप्ता, कोषाध्यक्ष जसप्रीत सिंह राजा, मंत्री सैफी खान, सलाहकार चरणजीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष विनय जी सोनी,सलमान अहमद, सेठ जमाल खान, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, तरुण प्रताप सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल मुनीमजी, महिला जिलाध्यक्ष जूही जायसवाल, महामंत्री अर्चना केसरवानी, कोषाध्यक्ष रेनू जयसवाल, अवनीश शुक्ला, प्रशांत शर्मा, विवेक खन्ना, अरशद बालू, रवि सेठ, नीरज साहू, विक्की जौहरी, विशाल पाठक, सोनू भरद्वाज, विकास केशरवानी, हाजी मोहम्मद कयूम साहब, संजय रस्तोगी, आदि लोगों ने बधाई देते हुए कहा कोर कमेटी का निर्णय स्वागत योग्य है संगठन शीर्ष की ओर अग्रसित है।

उमेश पाल हत्याकांड में अली और उमर की भी साजिश : केस डायरी में शामिल हुए अतीक के दोनों बेटों के नाम

प्रयागराज। उमेश पाल व दो सुरक्षाकर्मियों के हत्याकांड में पुलिस लगातार छानबीन में जुटी हुई है। पुलिस को विवेचना में कुछ अहम सुराग मिले हैं, जिसके आधार पर यह पुष्टि होती है कि इस हत्याकांड में अतीक के जेल में बंद दोनों बेटों अली और उमर के भी नाम भी शामिल हैं। दोनों ने जेल में रहते हुए उमेश पाल हत्याकांड में साजिश रची थी। इस आधार पर उमेश पाल हत्याकांड की केस डायरी में इन दोनों के नाम जोड़े गए हैं। पुलिस अभी कई बिंदुओं पर छानबीन करने में जुटी हुई है। जल्द ही इनका भी रिमांड बनवाया जाएगा।

अतीक का बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में तो दूसरा बेटा अली प्रयागराज के नैनी जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों की मानें तो दोनों ने उमेश हत्याकांड में सिर्फ विधिवत प्लानिंग की थी। दोनों भले ही जेल में बंद रहे। लेकिन, दोनों को शूटरों की प्रत्येक गतिविधियों पर नजर थी।

उमेश पाल हत्याकांड में जो रिपोर्ट दर्ज हुई थी उसमें माफिया अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ, अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, बमबाज गुड्डू मुस्लिम, असद, गुलाम के अलावा अन्य नाम शामिल थे। अब अली और उमर के नाम इस केस डायरी में आने के बाद जल्द ही उनका रिमांड बनवाने के लिए अर्जी दी सकती है।

अभी 6 की तलाश में जुटी है पुलिस और एसटीएफ

उमेश पाल हत्याकांड के 107 दिन बीत गए हैं। इसमें शामिल 3 शूटर समेत 6 आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इसमें पांच लाख के इनामी बमबाज गुड्?डू मुस्लिम, साबिर व अरमान के साथ-साथ अतीक की पत्नी 50 हजार की इनामी शाइस्ता परवीन, अशरफ की पत्नी रूबी जैनब और अतीक की बहन आयसा नूरी के नाम हैं। पुलिस और एसटीएफ इनकी तलाश में जुटी है।

जेल गए आरोपियों ने दिए बयान

पुलिस अधिकारियों की मानें तो जिन आरोपियों को जेल भेजा गया है उनसे पूछताछ में यह पता चला है कि उमेश पाल हत्याकांड में अली और उमर की भी संलिप्तता रही है। यह भी बात सामने आई है कि अतीक के नौकर राकेश, शाहरूख समेत अन्य कुछ लोग भी शामिल हैं। असद पुलिस एनकाउंटर में मारा जा चुका है। पुलिस का कहना है कि अली और उमर को अपने भाई असद की पूरी प्लानिंग की जानकारी थी।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया तथा विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त युवाओं को लगभग 70,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चयनित युवा वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षण और लेखा विभाग, गृह मंत्रालय आदि विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्त होंगे। प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान देश भर के 43 स्थानों को मेले से जोड़ा गया था।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार मेला वर्तमान सरकार की नई पहचान बन गया है, क्योंकि आज 70,000 से अधिक व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भाजपा और एनडीए शासित राज्य भी नियमित रूप से इस प्रकार के रोजगार मेले आयोजित कर रहे हैं। यह देखते हुए कि आजादी का अमृत काल अभी शुरू हुआ है, श्री मोदी ने कहा कि यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण है, जो सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि उनके पास अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'वर्तमान के साथ-साथ, आपको देश के भविष्य के लिए भी सब कुछ देना चाहिए। श्री मोदी ने इस अवसर पर नवनियुक्त युवाओं और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था में रोजगार और स्वरोजगार के उभरते अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब ये युवा नौकरी देने वाले बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का अभियान अभूतपूर्व है। एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी जैसे संस्थान, नई व्यवस्था के साथ ज्यादा नौकरियां दे रहे हैं। ये संस्थान भर्ती प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और आसान बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती-अवधि 1-2 साल से घटकर कुछ महीने की रह गयी है।

भारत और इसकी अर्थव्यवस्था में दुनिया के भरोसे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ₹आज पूरी दुनिया भारत की विकास यात्रा में उसके साथ सहभागी बनने के लिए उत्सुक है।₹ प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत अपनी अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है, जबकि आर्थिक मंदी, वैश्विक महामारी और वर्तमान में जारी युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में हुए व्यवधान समेत विभिन्न चुनौतियां मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भारत के विनिर्माण क्षेत्र में शामिल होने और देश के बढ़ते विदेशी मुद्रा भंडार का उदाहरण दिया। श्री मोदी ने बताया कि देश में हुए विदेशी निवेश से उत्पादन, विस्तार, नए उद्योगों की स्थापना और निर्यात को बढ़ावा मिलता है, जिनसे रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि होती है। निजी क्षेत्र में रोजगार के लाखों अवसर सृजित करने वाली वर्तमान सरकार की नीतियों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने मोटर वाहन उद्योग का उदाहरण दिया, जिसने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न देशों में यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और तिपहिया व दोपहिया वाहनों के बढ़ते निर्यात के संदर्भ में भारत के मोटर वाहन उद्योग के विकास को देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मोटर वाहन उद्योग, जो दस साल पहले 5 लाख करोड़ रुपये का था, आज 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। श्री मोदी ने कहा, ह्वभारत में भी विद्युत चालित परिवहन का विस्तार हो रहा है। पीएलआई योजना, मोटर वाहन उद्योग की भी मदद कर रही है।ह्व उन्होंने रेखांकित किया कि ऐसे क्षेत्र भारत में लाखों युवाओं के लिए रोजगार के विभिन्न अवसर पैदा कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक दशक पहले की तुलना में भारत अधिक स्थिर, सुरक्षित और मजबूत देश है। उन्होंने उस समय को याद किया, जब पहले के समय में घोटाला और फंड का दुरुपयोग शासन की पहचान थी। उन्होंने कहा, ह्वआज, भारत अपनी राजनीतिक स्थिरता के लिए जाना जाता है, जो आज की दुनिया में बहुत महत्त्व रखता है। आज भारत सरकार की पहचान एक निर्णायक सरकार के रूप में होती है। आज, सरकार अपने प्रगतिशील आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के लिए जानी जाती है। वैश्विक एजेंसियां जीवन यापन में आसानी, अवसंरचना निर्माण और कारोबार में आसानी के लिए किये गए कार्यों को स्वीकार कर रही हैं।

उन्होंने दोहराया कि भारत ने अपने भौतिक और सामाजिक अवसंरचना में भारी निवेश किया है। सामाजिक अवसंरचना की चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन पर लगभग चार लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसकी शुरूआत के समय औसत 100 ग्रामीण आवासों में से 15 आवासों में पाइप से पानी पहुँचाया जाता था, अब यह संख्या प्रति 100 घरों पर 62 हो गई है। यह काम तेजी से चल रहा है। देश में 130 जिले ऐसे हैं, जहां हर घर में पाइप से पानी पहुंचाने की पूरी व्यवस्था मौजूद है। इसके परिणामस्वरूप समय की बचत होती है और कई जलजनित रोगों से मुक्ति मिलती है। अध्ययनों से पता चला है कि स्वच्छ जल से डायरिया से होने वाली लगभग 4 लाख मौतों को रोकने में सफलता मिली है और लोगों के 8 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है, जो पानी के प्रबंधन और बीमारियों के इलाज में खर्च हो जाते। उन्होंने नवनियुक्तों से सरकारी योजनाओं के गुणात्मक प्रभाव को समझने का आग्रह किया।

श्री मोदी ने भर्ती प्रक्रिया में वंशवाद की राजनीति और भाई-भतीजावाद की बुराइयों के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने एक राज्य में सामने आये 'नौकरी के लिए नकद घोटाले' के मुद्दे पर प्रकाश डाला और युवाओं को इस तरह की प्रणाली के बारे में आगाह किया। सामने आए विवरणों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने बताया कि किस तरह हर नौकरी व नियुक्ति के लिए किसी रेस्त्रां के मेन्यू कार्ड के समान एक रेट कार्ड तैयार किया गया था। उन्होंने 'नौकरियों के लिए भूखंड घोटाले' पर भी प्रकाश डाला, जहां देश के तत्कालीन रेल मंत्री ने नौकरी के बदले में जमीन का अधिग्रहण किया था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और यह अदालत में लंबित है। प्रधानमंत्री ने ऐसे राजनीतिक दलों से युवाओं को सचेत किया, जो वंशवाद की राजनीति करते हैं और नौकरी के नाम पर देश के युवाओं को लूटते हैं। उन्होंने कहा, ह्वएक तरफ हमारे पास ऐसे राजनीतिक दल हैं, जो नौकरियों के लिए रेट कार्ड पेश करते हैं, दूसरी तरफ वर्तमान सरकार है, जो युवाओं के भविष्य को सुरक्षित कर रही है। अब देश तय करेगा कि युवाओं का भविष्य रेट कार्ड से चलेगा या सुरक्षित किये जाने (सेफगार्ड) से।

संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि नवनियुक्त कर्मियों को देश के नागरिकों के प्रति पूरी संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए। श्री मोदी ने कहा, आपको इन सुधारों को और आगे ले जाना है। इन सबके साथ, आप हमेशा अपनी सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखें। उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल 'आईगॉट' के बारे में भी बात की, जिसने हाल ही में उपयोगकर्ता आधार में 1 मिलियन का आंकड़ा पार किया है और नवनियुक्तों से इस ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने निष्कर्ष के तौर पर कहा, ₹अमृत काल के अगले 25 वर्षों की यात्रा में, आइए हम सब मिलकर एक विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें।

शिक्षा ऐसी सीढ़ी है जिससे चलती पीढ़ी है

प्रयागराज। एनसीटीई के सुझाव के अनुसार टीईआई के लिए जनभागीदारी गतिविधियों के तहत भारत की जी20 अध्यक्षता के उपलक्ष्य में शुआट्स में मूलभूत साक्षरता व न्यूमेरसी पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें डिपार्टमेन्ट आफ टीचर एजूकेशन की छात्राओं ने साक्षारता एवं अंकज्ञान पर विभिन्न स्लोगन प्रस्तुत किये। विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट डीन डा. सामला मसीह ने कहा कि इन आयोजनों का उद्देश्य साक्षरता व न्यूमेरसी को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों को शामिल करके जागरूकता बढ़ाना है। जनभागीदारी कार्यक्रम मिश्रित शिक्षा पर ध्यान देने के साथ जी-20 प्रेसीडेंसी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी (एफएलएन) के बारे में गर्व की भावना भी पैदा करती है। प्रतियोगिता में छात्राओं अत्यन्त उत्साहवर्धक स्लोगन प्रस्तुत किये जिसमें ह्यशिक्षा ऐसी सीढ़ी है जिससे चलती पीढ़ी हैह्न, हर बच्चे का नारा है शिक्षा अधिकार हमारा है, साक्षरता ही है श्रृंगार हमारा, वरना व्यर्थ है जीवन सारा, यू मस्ट रीड इन आर्डर टू सक्सेस आदि प्रमुख थे। प्रतियोगिता में एडना वैशाली सेठ ने प्रथम तथा के.एम. मोनिका व जैनब सिद्दीकी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि बेनिसन मरांडी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में इस अवसर पर डा कीर्ति कटिंग, डा ज्योत्सना, डा निहारिका डेनिस, डा सारा अजीज, डा अनुपमा मेहता, डा एविस चिंतामणि, डा प्रेम प्रभा सिंह, डा संगीता अल्फ्रेड, डा प्रक्षोभ, पूजा सोनपाकर, डा राजीव आदि उपस्थित रहे।

उमरे महाप्रबन्धक ने 09 रेल कर्मचारियों को प्रदान किए संरक्षा पुरस्कार

पुरस्कार

श्रीमती प्रीती देवी, बनीं माह मई, 2023 की सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी

माह मई, 2023 की सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी श्रीमती प्रीती देवी को पुरस्कृत करते उमरे महाप्रबंधक

प्रयागराज। मंगलवार को महाप्रबन्धक, उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार के द्वारा प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, मनीष कुमार गुप्ता एवं उत्तर मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में संरक्षा के प्रति किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए झांसी, आगरा एवं प्रयागराज मण्डलों से चयनित 09 रेल कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरस्कृत कर्मचारियों में अनिमेश कुमार शुक्ला, ट्रेन मैनेजर/ प्रयागराज/ प्रयागराज मण्डल, कैलाश चन्द मीना, उप मुख्य टिकट निरीक्षक/ टूण्डला/ प्रयागराज मण्डल, नरेन्द्र कुमार, हेल्पर टूण्डला/ प्रयागराज मण्डल, उदय नारायण पटेरिया, लोको पायलट मेल/ वीरांगना लक्ष्मीबाई/ झांसी मण्डल, रामकेश मीना, सहायक लोको पायलट/ वीरांगना लक्ष्मीबाई/ झांसी मण्डल, कुलदीप सिंह, वरि. ट्रेन मैनेजर/ ग्वालियर/ झांसी मण्डल, सतीश कुमार, लोको पायलट/ आगरा छावनी/ आगरा मण्डल, सी. एल. मीना, सहायक लोको पायलट/ आगरा छावनी/ आगरा मण्डल एवं श्रीमती प्रीती देवी, प्वाइण्टसमैन/ प्रयागराज छिवकी/ प्रयागराज मण्डल शामिल हैं।

श्रीमती प्रीती देवी, को माह मई 2023 के के सर्वश्रेष्ठ रेलकर्मी के संरक्षा पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। श्री प्रीती देवी ने दिनांक 27.05.23 को ड्यूटी के दौरान गाड़ी को काशन देने जाते समय, लाइन नं. 18 (प्लेटफार्म नं. 3) में रेल फ्रैक्चर चिन्हित कर अविलम्ब स्टेशन मास्टर को सूचित किया। इस प्रकार इनके द्वारा त्वरित कार्यवाही कर एक संभावित बड़ी दुर्घटना को रोका गया।

इस प्रकार इन्होंने सतर्कता एवं पूर्ण लगन के साथ अपनी ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट सेवा की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में बैठक सम्पन्न

बैठक

योग दिवस की थीम "हर घर-आंगन योग" रखा गया है

योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम 21 जून को परेड ग्राउण्ड में आयोजित

बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को 21 जून, 2023 को आयोजित होने वाले नवम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष योग दिवस की थीम ''हर घर-आंगन योग'' रखा गया है, जिससे योग के माध्यम से प्रत्येक परिवार को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। बैठक में बताया गया कि 15 जून से 21 जून, 2023 तक जनपद में विभिन्न स्थानों पर योग सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 15 जून से 21 जून तक प्रत्येक ग्राम पंचायतों, न्याय पंचायतों, स्थानीय निकायों एवं नगर निगम के प्रत्येक वार्डों में नियमित रूप से योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जायेगा। बैठक में यह भी कहा गया कि 15 जून से 21 जून तक आयोजित योगा कार्यक्रम के तहत योग करने वाले प्रत्येक व्यक्ति आयुष कवच पर योग करते हुए अपना फोटो अवश्य अपलोड करें। 21 जून को योग दिवस पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन परेड ग्राउण्ड में किया जायेगा।

जिलाधिकारी ने परेड ग्राउण्ड पर साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, साउण्ड सिस्टम, एलईडी की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने योगा कार्यक्रम का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक लोगो को जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाये जाने के लिए कहा है। मुख्य कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी प्वाइंट, सैण्ड आर्ट भी बनाये जाने के लिए कहा है। स्वीमिंग पुलों व बोट क्लब पर वाटर योगा भी आयोजित किए जाने के लिए कहा है। अमृत सरोवरों, स्मृति वाटिका, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर, थानों तथा स्कूलों में भी योगा कार्यक्रम आयोजित किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य आवंटित करने के लिए कहा है, जिससे कि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सके तथा योगा का लाभ प्राप्त कर सके। उन्होंने योगाभ्यास कराने के लिए प्रशिक्षित लोगो की टीम लगाये जाने के लिए कहा है, जिससे कि लोगो को योगाभ्यास के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी आशु पाण्डे, जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, आयुवेर्दीक अधिकारी डॉ0 शारदा प्रसाद सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को उनके अधिकार से कराया रूबरू

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत महोरी रीवा में पुलिस कर्मियों द्वारा मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूकता अभियान के तहत दी गई वृस्तुत जानकारी इस अभियान के मुख्य संयोजक करछना थाना के यस आई प्रभारी अखिलेश राय एवं ग्राम पंचायत महोरी रीवा के प्रधान राजकुमार पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों के तहत सरकार द्वारा चलाई गई कई योजनाएं महिलाओं को सुरक्षा प्रदान जागरूकता से रूबरू कराया गया इस मौके पर पुलिसकर्मियों में मानसी सिंह सोनी, हरिशंकर मिश्र ,अनुभव सिंह,सरोज कुशवाहा,भानू देवी,शिवा देवी, सविता मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गांव की लड़कियों एवं महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया,

शॉर्ट सर्किट से घर में आग लगने से तीन सगे भाइयों की गृहस्थी जलकर खाक

करछना। करछना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत हथसरा के मजरा पोतनिहा में मंगलवार दोपहर घर के बगल से गुजरी हाई टेंशन लाइन की चिंगारी से पेड़ में आग लगने से पास स्थित तीन सगे भाइयों का आशियाना जलकर पूरी तरह खाक हो गया आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर लगाई गई थी तब जाकर आग पर काबू पाया गया लेकिन जब तक आग बुझाई जा सकी उसके पूर्व तीनों भाइयों का घर गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख में तब्दील हो गया था हालांकि ग्रामीणों ने समय रहते अथक प्रयास किया लेकिन तेज धूप एवं हवा के झोंकों से आशियाने को बचाया नहीं जा सका वही गांव के प्रधान शिव गणेश पटेल ने पीड़ित परिवार के सदस्यों को हर संभव मदद दिलाए जाने का भरोसा दिलाया पीड़ित परिवारों में लक्ष्मी कांत, श्याम बाबू, विद्या धर पुत्र राम मनी पटेल के घर में लगी आग से लाखों रुपए का नुकसान कपड़े, बर्तन,अनाज, आभूषण नगदी आदि सब जल कर खाक हो गया।

संक्षेप

कोर्ट के आदेश पर तीन माह बाद दर्ज हुआ दुराचार का केस

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन माह पहले युवक ने विवाहिता के साथ दुराचार किया था। घटना के तीन महीने बाद पुलिस ने अदालत के आदेश पर आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपित युवक घर छोड़कर फरार है। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता ने बताया कि छह मार्च की शाम वह खेत की ओर गइ थी। इसी दौरान पड़ोसी युवक ने उसके साथ खेत में दुराचार किया। दूसरे दिन पीड़िता शिकायत लेकर थाने पहुंची। आरोप है कि नामजद शिकायत करने के बाद भी पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता अदालत पहुंची। अदालत के आदेश पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपित घर छोड़कर फरार है।

सड़क किनारे युवक की मिली लाश

कौशांबी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के महगांव गांव के समीप कब्रिस्तान के बगल सड़क किनारे मंगलवार की सुबह एक युवक की लाश पड़ी मिली। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना स्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौजूद लोगों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ ने बताया कि शव में किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए है। युवक विक्षिप्त प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने व जांच के बाद जो सच्चाई सामने आएगी पुलिस वैसी कार्रवाई करेगी।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

कौशांबी। पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के बैरमपुर गांव का अशोक कुमार घर से कुड़ावल गांव जाने के लिए निकला था। देवखरपुर गांव के समीप पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई जाए बीएड प्रवेश परीक्षा : जिलाधिकारी

कौशाम्बी। बीएड की प्रवेश परीक्षा को सम्पंन कराने के लिए छः परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा को सकुशल एवं नकल विहिन सम्पंन कराने के की तैयारी को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में बैठक किए। उन्होने अफसरों को निर्देश दिए की बीएड की प्रवेश परीक्षा सीसीटीवी वैष्ठमरा की निगरानी में होगी। उन्होने कहा कि परीक्षा को सम्पंन कराने में अगर कोई किसी प्रकार की लापरवाही करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त काररवाई किया जायेगा।

अफसरों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी सुजीत कुमार

जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा २०२३-२५ को सकुशल एवं निष्पक्ष संम्पन्न करायें जाने के लिए स्टैटिक मजिस्ट्रेट केन्द्र प्रतिनिधि प्रधानाचार्य एवं पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा २०२३-२५ को सकुशल शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा के सम्बन्ध में जारी सभी दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा कक्ष में सीसीटीवी कैमरा क्रियाशील रहें तथा सभी परीक्षा कक्ष में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। उन्होंने सभी स्टैटिक मजिस्ट्रेट को परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी, लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेंगी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक एस०एन० यादव ने बताया कि जनपद में उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 15 जून को आयोजित की जायेंगी। परीक्षा के लिए 6 केन्द्र दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा कस्तूरबा गॉधी बालिका इंटर कॉलेज भरवारी नेशनल इंटर कॉलेज भरवारी हुबलाल इंटर कॉलेज भरवारी भवन्स मेहता महाविद्यालय भरवारी एवं महेश्वरी प्रसाद इंटर कॉलेज आलमचन्द्र बनाये गये हैं। इस परीक्षा में कुल 2453 परीक्षार्थी सम्मिलित होगें। यह परीक्षा ०२ पालियों-प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वान्ह ०९ बजे से १२ बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपरान्ह ०२ बजे से सायं ०५ बजे तक आयोजित की जायेंगी। इस परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए कुल ०४ सेक्टर मजिस्ट्रेट ०६ स्टैटिक मजिस्ट्रेट १२ पर्यवेक्षक तथा ०३ केन्द्र प्रतिनिधि नियुक्त किये गयें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डा० विश्राम उपजिलाधिकारी प्रखर उत्तम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रकाश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

किशोरी से युवक ने की छेड़खानी

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार की शाम खेत की ओर जान रही किशोरी के साथ मोहल्ले के युवक ने सरेराह छेड़खानी की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। परिजनों को जानकारी हुई तो आरोपित के घर उलाहना देने पहुंचे इस पर उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी गई। सोमवार रात पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पति की यातना से आजिज आकर विवाहिता ने दी थी जान

कौशांबी। कोतवाली क्षेत्र के पूरबसरावां गांव में रविवार की आधी रात कुंए में गिरने से हुई विवाहिता की मौत ने नया मोड़ ले गया है। मृतका के पिता ने दहेज की खातिर प्रताड़ित करने का अरोप लगाया है। देर रात पुलिस ने पीड़ित पिता की तहरीर पर आरोपित दामाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

चित्रकूट जिले के चकौनंद गांव सीता देवी (30) की शादी 13 साल पहले पूरबसरांवा गांव में कमल किशोर के साथ हुई थी। रविवार की रात पति से झगड़ने के बाद विवाहिता गांव के समीप स्थित कुंए में गिर गई थी। कुंए में गिरने से विवाहिता की मौत हो गई थी। बेटी के मौत की खबर मायके वालों को चली तो वह बेटी की ससुराल पहुंचे। मृतका के पिता बाबूलाल का आरोप है कि दहेज की खातिर उसकी बेटी को दामाद प्रताड़ित करता था। कई बार बेटी ने उसे जानकारी दी लेकिन उसने शांत करा दिया। रविवार की रात दहेज की खातिर सीता को मारा पीटा गया था। इसके बाद उसने कुंए में कूदकर जान दी है। सोमवार की देर रात पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपित दामाद कमल किशोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पट्टीदारों ने घर में घुसकर की मारपीट

कौशांबी। सैनी थाना क्षेत्र के हटवारा गुलामीपुर गांव में पट्टीदारों ने पड़ोसी को पीट दिया। पुलिस ने घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराते हुए दो आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। हटवारा गुलामीपुर निवासी अवधेश का पट्टीदार से पुराना विवाद चल रहा है। दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद पड़ोसी पट्टीदार ने भाई के साथ मिल अवधेश के घर में घुसकर युवक को पीट दिया। ग्रामीणों के बीच-बचाव करने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस आरोपित मुकेश व राजेश के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मनमानी : राजकीय विद्यालयों के कार्यालयों में लटक रहा ताला

कौशांबी। राजकीय विद्यालयों में चल रही गर्मी के छुट्टी के दौरान ताला लटक रहा है। इस दौरान विद्यालयों का कामकाज देखने वाले बाबू कार्यालयों में ताला बंद कर गायब हैं। जबकि उन्हें विद्यालयों में रहकर छुट्टी के दिनों कई कार्यों को निपटाने की जिम्मेदारी रहती है। ऐसे में विद्यालयों में प्रवेश, छात्रवृत्ति समेत अन्य कार्यों की न तो जानकारी हो पा रही है और न ही जरूरी कार्य हो पा रहे हैं।

जिले में कुल राजकीय विद्यालयों की संख्या 25 है। इसमें राजकीय हाईस्कूल 19 हैं। इनमें से कुल 14 राजकीय विद्यालयों में बाबुओं की तैनाती है। इसके अलावा तीन राजकीय इंटर कॉलेज हैं जिनमें महज एक कालेज में बाबू की तैनाती है। इनके अलावा तीन पं. दीनदयाल उपाध्याय इंटर कालेज हैं जिनमें एक में भी बाबू की तैनाती है। ऐसे में 25 राजकीय विद्यालयों में 15 में बाबुओं की तैनाती मौजूदा समय है। गर्मी की छुट्टी में इन बाबुओं पर विद्यालय खोलने के अलावा नामांकन फार्म तैयार कराने, पंजीकृत छात्र-छात्राओं का खाता नंबर व आधार एकत्र करना, कायाकल्प की सूचना शासन को देना, कैशबुक आदि तैयार करने की जिम्मेदारी होती है, लेकिन स्कूलों में तैनात सभी बाबू इन 23 मई से गर्मी की छुट्टी होते ही स्कूलों से गायब हैं। ऐसे में विद्यालयों का जरूरी कार्य ठप सा हो गया है। सबसे अधिक परेशानी उन छात्रों को हो रही है जो अपने छात्रवृत्ति संबंधी दस्तावेज स्कूलों में जमा करने और प्रवेश की जानकारी के लिए भीषण गर्मी में जाते हैं और बैरंग लौट आते हैं। अफजलपुरवारी के मो. आजम का कहना है राजकीय हाईस्कूल अफजलपुरवारी में मेरी चेचेरी बहन हाईस्कूल में पढ़ती थी। अब उसको टीसी की आवश्यकता है। वह कई बार स्कूल गई, लेकिन स्कूल में ताला बन्द मिला। अब तक टीसी नहीं मिल सकी है। वहीं कड़ा के नूर मोहम्मद बताते हैं कि उनकी बेटी का इंटरमीडिएट में प्राइवेट फार्म भरना है। वह सप्ताह से प्रतिदिन स्कूल की तरफ जाते हैं। स्कूल में हमेशा ताला ही लटकता दिखता है।

जोखिम भरा सफर : नहीं थम रहा ओवरलोड नावों का संचालन

कौशाम्बी। जिले में यमुना में ओवरलोड नाव के सहारे लोगों को पार ले जाने और लाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अधिक दूरी कम समय में तय करने को लेकर लोग नदी पार करने का जोखिम उठा रहे हैं। नाविक हैं कि उन्हें नाव संचालन के नियमों की तनिक भी फिक्र भी नहीं है। वह बेखौफ होकर नावों में बाइक, सामान व ओवरलोड सवारी बैठाकर लोगों को इस पार से उस पार ले जाने का काम कर रहे हैं।

सवारियों की जान जोखिम में डालकर सफर तय कराते नाविक

राजापुर पुल निर्माण होने से पहले जिले की यमुना में नाव संचालन का ठेका घाटवार जिला पंचायत की ओर से किया जाता था। इस दौरान महेवाघाट से लेकर महरनिया तक नांव का संचालन होता था। राजापुर पुल बनकर तैयार होने के बाद से जिला पंचायत की ओर से नाव से लोगों को पार लाने व ले जाने का ठेका देना बंद कर दिया गया है। इसके बाद भी स्थानीय नाविक अपनी नावों से लोगों को यमुना पार ले जाने और लाने का काम बदस्तूर करते चले आ रहे हैं। मौजूदा समय में सहालग का मौसम होने से लोगों का यमुना पार आना-जाना और बढ़ गया है। इसका पूरा फायदा नाविक उठा रहे हैं। वे नावों में ओवरलोड बाइक, सामान व लोगों को बैठाकर पार से लाने व ले जाने का काम बेखौफ तरीके से कर रहे हैं। आसपास के लोगों की मानें तो ऐसे में किसी भी दिन जिले में नाव डूबने जैसा हादसा हो सकता है। जिले के जिम्मेदारों का ध्यान तो इस ओर जा ही नहीं रहा है स्थानीय पुलिस भी इससे अनजान बनी बैठी है।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करती पुलिस

कौशांबी। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हासिमपुर छबीलेपुर गांव में पूरामुफ्ती थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह व उप निरीक्षक कैलाश चंद्र उप निरीक्षक कुलदीप शर्मा पुलिस बल के साथ पंचायत भवन में महिला सशक्तिकरण एवं मिशन शक्ति से संबंधित मीटिंग की गई। जिसमें महिलाओं के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के संबंध में महिला हेल्पलाइन नंबर एवं महिला अपराध संबंधी धाराओं के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान उपस्थित अन्य सभी प्रकार की समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त किए गए, उन्हें आश्वाशन दिया गया कि शीघ्र उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। वहीं कुछ मौखिक समस्याओं का मौके पर ही मौजूद पुलिस द्वारा शीघ्र निस्तारण किया गया ।

अधेड़ का मिला शव, शिनाख्त नहीं

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के महागांव कब्रिस्तान के सामने इकबाल नगर के पास एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणो की सूचना पर थाना अध्यक्ष दिलीप कुमार मयफोर्स पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद पुलिस द्वारा मौका मुआयना करने पर देखा गया कि एक व्यक्ति की डेड बॉडी कब्रिस्तान इकबाल नगर के पास रोड के किनारे पड़ी हुई है शरीर पर कोई चोट नहीं है देखने से भिखारी टाइप का दिख प्रतीत होता है मृतक की मृत्यु किसी बीमारी या गर्मी के कारण हुई है जामा तलाशी के दौरान मृतक के पास कोई वस्तु बरामद नहीं हुई है। डेड बॉडी की पहचान का प्रयास किया गया लेकिन अब तक कोई पहचान नहीं हो सकी है जांच पड़तालए पूछताछ करने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजवा दिया है वही आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुट गई है।

ओवरलोड पाए जाने पर निरस्त होगा वाहन चालकों का लाइसेंस

कौशाम्बी। जिले में ओवर लोड वाहनों के खिलाफ काररवाई करने के बावजूद अगर वह ओवर लोड वाहन लेकर निकलते है, तो पकडे जाने पर उन वाहन चालको के लाइसेंस को निरस्त कर दिया जाय। जिससे ओवर लोड पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जा सके। यह फरमान जिलाधिकारी ने मंगलवार को सडक सुरक्षा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए जारी किए।

जिलाधिकारी सुजीत कुमार द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला स्कूली वाहन परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक की गई। जिलाधिकारी ने एआरटीओ से कहा कि विगत माहों से ओवरलोडेड वाहनों के विरूद्ध की गई कार्यवाही के दौरान संज्ञान में आया है कि पकड़ी गई ओवरलोड गाड़ियों में से कुछ गाड़ी स्वामियों द्वारा चालान के बावजूद दोबारा ओवरलोड कर गाड़ी संचालित किया जा रहा है। ऐसे ओवरलोड गाड़ियों को चिहिन्त कर लाइसेन्स निरस्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। उन्होंने एआरटीओ एवं ट्रैफिक इंस्पेक्टर को निर्देशित किया कि जनपद के प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाकर बिना हेलमेट बिना सीटबेल्ट लगाकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही किया जाय। उन्होंने एआरटीओ ट्रैफिक इंस्पेक्टर सभी उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद के प्रमुख स्थानों एवं विद्यालयों आदि जिन स्थानों पर सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित साइनेज बोर्ड लगाये जाने की आवश्यकता है। उन स्थानों को चिन्हित कर सूची उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने एआरटीओ को सम्बन्धित अधिकारियों के माध्यम से जनपद की सड़कों पर गतिसीमा उपकरण लगवाने के निर्देश दियें। बैठक में जिलाधिकारी ने एआरटीओ ट्रैफिक इंस्पेक्टर को एनएच सहित अन्य प्रमुख सड़कों पर सीएचसी अस्पताल की दूरी एवं प्रभारी चिकित्साधिकारियों के मोबाइल नम्बर सम्बन्धित साइनेज बोर्ड लगवाने के निर्देश दियें। उन्होंने एआरटीओ एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से कहा कि सभी स्कूली वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट सुनिश्चित कर लिया जाय तथा यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्कूली वाहन सभी मानक पूरी करके ही सड़क पर चलें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी स्कूली वाहनों के चालकों का मोबाइल नम्बर रखा जाय तथा उनका पुलिस सत्यापन भी करा लिया जाय। सभी स्कूलों द्वारा ड्राइवरों को आईडी कार्ड अनिवार्य रूप से जारी किया जाय। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाय कि स्कूली वाहनों के ड्राइवरां को श्रम विभाग द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक अवश्य मिलें। उन्होंने उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि चिन्हित ऑटो टैक्सी स्टैण्ड पर ही वाहन खड़ी हों तथा आवश्यकतानुसार नये स्थान भी चिन्हित कर लिया जाय। बैठक में बताया गया कि सिराथू बस स्टैण्ड पर यात्रियों के लिए आधारभूत सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने एआरटीओ को आरएएम एवं ईओ के माध्यम से आधारभूत सुविधायें उपलब्ध कराने के निर्देश दियें। बैठक में अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरवंश सिंह एवं सभी उप जिलाधिकारीगण व क्षेत्रा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राशन लेने से पहले बनवा लें गोल्डन कार्ड

कौशांबी। आयुष्मान भारत के तहत बनाए जा रहे गोल्डन कार्ड बनवाने के लिए अब आपूर्ति विभाग भी आगे आ चुका है। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने सभी अंत्योदय व पात्र गृहस्थी के कार्ड धारकों से आह्वान किया है कि वह जून का राशन लेने से पहले अपना गोल्डन कार्ड जरूर बनवा लें। बगैर गोल्डन कार्ड के उन्हें मिल रहे राशन से वंचित होना पड़ सकता है।

आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग के निदेर्शानुसार इस बार जिले की राशन की दुकानों से जून के राशन का वितरण 13 से 22 जून के बीच होना है। उन्होंने निर्देशित किया है कि अंत्योदय कार्ड धारकों को प्रति कार्ड 14 किलो गेहूं व 21 किलो चावल वितरित होना है। इसके अलावा इन कार्डधारकों को 18 रुपये प्रति किलो की दर से तीन किलो चीनी भी इस बार दी जानी है। पात्र गृहस्थी के कार्डधारकों को प्रति यूनिट दो किलोग्राम गेहूं व तीन किलो चावल वितरित होना है। आयुक्त का निर्देशन मिलने के बाद जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी अंत्योदय व पात्र गृहस्थी के कार्डधारकों से आह्वान किया है कि राशन लेने से पहले प्रत्येक दशा में अपना-अपना गोल्डन कार्ड हर हाल में बनवा लें। ऐसा नहीं करने पर उन्हें मिल रहे राशन पर ब्रेक लग सकता है। कोटेदारों को निर्देशित किया कि राशन लेने पहुंचने वाले कार्डधारकों से गोल्डन कार्ड के बाबत जानकारी करें। जिसका न बना हो उसे संबंधित के पास भेजकर पहले कार्ड बनवाएं इसके बाद उसे राशन देने का काम करें।

चाकू से हमलाकर युवक को किया लहूलुहान

कौशांबी। सैनी थाना क्षेत्र के माढो गांव में बारात आए युवक को चाकू मारकर साथियों ने लहूलुहान कर दिया। डीजे में नाचने के दौरान अचानक उस पर हमला किया गया। रिश्तेदारों ने युवक को सीएचसी सिराथू में भर्ती कराया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। सैनी थाना क्षेत्र के डोरमा नब्बे गांव का राजू पुत्र झगडू ने बताया कि रविवार को वह रिश्तेदार की शादी में अंदावा गया था। माढो गांव से बारात आई थी। डीजे में नाचने के दौरान इसी दौरान छोटू निवासी माढो ने उस पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से वह लहूलुहान हो गया। खून से युवक को लथपथ देख अन्य लोग पहुंचे। आनन-फानन जख्मी युवक को सीएचसी सिराथू में भर्ती कराया। दूसरे दिन अस्पताल पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए पीड़ित की तहरीर पर आरोपित छोटू समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

डीसीएफ के निर्विरोध चेयरमैन हुए चंद्रदत्त शुक्ल

चुनाव

डीसीएफ कार्यालय में गहमागहमी के बीच चुनाव संपन्न

कौशाम्बी। जिला सहकारी फेडरेशन लिमिटेड का चुनाव पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंझनपुर स्थित विभाग के कार्यालय में संपन्न हुआ । जहां गहमागहमी के बीच लगातार दूसरी बार भाजपा प्रत्याशी के रूप में चंद्र शुक्ला निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा निर्वाचन अधिकारी के रूप में तैनात समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने किया। जिसके साथ वहां मौजूद पार्टी कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई सभी ने नवनिर्वाचित चेयरमैन को फूल मालाओं सेल्लाद कर अपनी खुशी का इजहार किया।

चुनाव अधिकारी द्वारा मोहित कुमार तिवारी, मिश्रीलाल सरोज, नीरज मोदनवाल, राम आसरे, झुरई,

नवनिर्वाचित पदाधिकारी का स्वागत करते लोग

अर्चना देवी, दरवेश शुक्ला, सीमा देवी, किरन देवी तथा वेदांत को निर्विरोध डायरेक्टर निर्वाचित घोषित किया गया। इस मौके पर नवनिर्वाचित चेयरमैन डीसीएफ चंद्र शुक्ला ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रहे हैं। जिससे देश का किसान आर्थिक रूप से संपन्न हो सके इसके साथ ही यह तय करेगा कि जिले की सभी सहकारी समितियों में किसानों के मांग के अनुरूप खाद और बीज की उपलब्धता हो। जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर उन्होंने सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा केंद्र सरकार ने पहली बार देश में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की सोच के साथ काम किया है जिससे किसान का बेटा भी शिक्षित हो सके और उसे आर्थिक झंझावात का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर प्रमुख रूप से डीसीएफ के सचिव अनिल मिश्रा, सुनील मिश्रा, अशोक केसरवानी, कमल कुशवाहा, वेद प्रकाश पांडे सत्यार्थी, बृजेश मिश्रा, अखिलेश विश्वकर्मा, बबलू गर्ग, ओम दत्त त्रिपाठी, नरेश चंद्र केसरवानी, गोलू केसरवानी, गुडडू सरोज सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मां-बेटे को पड़ोसियों ने पीटकर किया जख्मी

कौशांबी। कड़ाधाम थाना क्षेत्र के सौरई बुजुर्ग गांव में पड़ोसियो ने मां-बेटे को पीटते हुए लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने घायल मां-बेटे को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराते हुए पीड़िता की तहरीर पर तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। सौरई बुजुर्ग गांव की रामप्यारी पत्नी भुल्लन ने बताया कि पड़ोसी से पुराना विवाद चल रहा है। छोटी-छोटी बात पर आए दिन जान से मारने की धमकी दी जा रही है। तीखी झड़प के बाद आरोपित ने परिजनों के साथ मिल घर के बाहर बैठी रामप्यारी को पीटना शुरू कर दिया। मां को पिटता देख बेटा बुदानी बीच-बचाव करने पहुंचा तो हमलावरों ने उसे भी पीटकर लहूलुहान कर दिया। ग्रामीणों के बीच-बचाव करने पर आरोपित हमलावर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। देर शाम पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार और ट्रक की टक्कर में सात घायल, तीन की हालत नाजुक

हादसे में क्षतिग्रस्त कार

प्रतापगढ़। कौशांबी में कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के कमालपुर के समीप ट्रक व कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में प्रतापगढ़ के कार सवार एक ही परिवार के 7 लोग घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। घायलों मे 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। कार सवार प्रतापगढ़ से कड़ा धाम मां शीतला के दर्शन पूजन के लिए गए हुए थे। प्रतापगढ़ के लालगंज अझारा कस्बा निवासी राम लाल सोनी परिजनों संग मंगलवार को कौशांबी के कड़ा धाम स्थित मां शीतला के दर्शन के लिए गए थे। स्नान के बाद परिवार के पुष्पा देवी (68) पत्नी राम लाल, देवकुमार (42) पुत्र राम लाल, रेखा देवी (30) पत्नी देव कुमार, शिव रानी (48) पत्नी रमा शंकर राम दुलारी (50) पत्नी भारत लाल, सूरज दीन (64) पुत्र सूर्य नारायण मां शीतला के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। मंदिर के कपाट बंद होने के चलते परिवार के लोगों ने गाड़ी मे सीएनजी भरवाकर वापस मंदिर आने की बात कहकर वह से निकल आए। मीरापुर जफरगंज के समीप उनकी कार सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई। स्थानीय लोगों व पुलिस की मदत से घायलों को अस्पताल भेज दिया।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने पर केस

लालगंज। उदयपुर थाना क्षेत्र के कुम्भीआइमा निवासी एक युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर मे आरोप लगाया है कि शनिवार की शाम चार बजे उसकी पन्द्रह वषीर्या पुत्री घर मे अकेली थी। इस दौरान गांव का फिरोज पुत्र पीरअली पहुंचा और उसे बहलाफुसला कर अपने साथ भगा ले गया। इसकी जानकारी पर वह आरोपी के घर बेटी के बारे में पूछताछ करने गया तो उसके परिजन मारपीट पर अमादा हो गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपित फिरोज के खिलाफ अपहरण व पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसओ निकेत भारद्वाज ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है शीघ्र ही लापता किशोरी को बरामद किया जाएगा।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा बीस केन्द्रों पर होगी सम्पन्न, जिम्मेदारों को सौंपे गये दायित्व

कार्यशाला में उपस्थित केन्द्र व्यवस्थापक व अधिकारीगण

प्रतापगढ़। इस वर्ष की संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 15 जून को जिले के बीस परीक्षा केन्द्रों में दो पालियों में संपन्न होगी। प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कराया जा रहा है। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए मंगलवार को क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान में केन्द्र व्यवस्थापकों व परीक्षा से जुड़े अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई। एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि परीक्षा को पूरी पारदर्शी तरीके से नकलविहीन संपन्न कराएं। परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारी, कर्मचारी आदि परीक्षा की गोपनीयता को बनाये रखेंगे। परीक्षार्थियों से मानवतापूर्ण रवैया अपनाए जाने चाहिए। एडीएम ने केन्द्र व्यवस्थापकों से केन्द्रों पर सुरक्षा के लिए गारंटी दी। इसके अलावा भी कहीं कोई अप्रिय घटना होती है तो पुलिस व जिला प्रशासन मुस्तैद रहेगा। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी कमलनाथ ने परीक्षा के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। डीआईओएस डा0 ओपी राय ने भी केन्द्र व्यवस्थापकों से शासन की मंशानुरूप कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी। पीबीपीजी कालेज के प्राचार्य डा0 अमित कुमार श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी व राजकीय डिग्री कालेज सांगीपुर के सत्य प्रकाश को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस दौरान प्रधानाचार्य डा0 अनूप कुमार सिंह, कृषि अधिकारी अश्वनी सिंह, एसडीएम सौम्य मिश्र, एएसपी रोहित मिश्र, डा0 संतोष कुमार पाण्डेय, डा0 पीके सिंह, राजकुमार सिंह, गरिमा श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र कुमार ओझा, डा0 ब्रम्हानंद सिंह, बाल इन्दु भूषण सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

आरोपियों के घर के सामने खोदी गई कब्र शव के अंतिम संस्कार को किया मना

हत्यारोपी के घर के सामने खोदी गयी कब्र व परिजनों को मनाने की कोशिश करते अधिकारी

प्रतापगढ़। शहर के जोगापुर निवासी अनिल गुप्ता की पड़ोसी योगेश ने रविवार की रात उसके घर से बुलाकर चाकुओं से गोंदकर निर्मम हत्या कर दी थी। आरोप है कि हत्यारोपी योगेश ने अपने घर में पहले से ही आधा दर्जन लोगों को बुलाकर बैठाया था। अनिल गुप्ता बम्बई में सब्जी बेंचने का काम करता था। मृतक अनिल गुप्ता के भाई श्याम गुप्ता ने आरोपी योगेश सहित छः अन्य के खिलाफ नगर कोतवाली में भाई के हत्या की तहरीर दी है। पीएम के बाद शव घर पहुंचने पर परिजनों ने हत्यारोपी के घर के सामने शव दफनाने के लिए कब्र खोदी। मौके पर पहुंचे एसडीएम शैलेन्द्र कुमार वर्मा सीओ सिटी करिश्मा गुप्ता व नगर कोतवाल ने परिजनों को मनाने की कोशिश की। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। मृतक के परिजनों ने नौकरी व पचास लाख की आर्थिक मदद की मांग की है। देर शाम तक पुलिस व प्रशासन के लोग मान मानौवल करते रहे। एसडीएम ने मृतक के परिजनों की मांग को पूरा करने के लिए पत्र शासन में भेजने का आश्वासन दिया।

कार्डधारकों को 22 जून तक निःशुल्क खाद्यान्न का होगा वितरण

प्रतापगढ़। अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को 13 जून से 22 जून तक खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण ई-पॉस मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। इस अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 14 किग्रा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। यह जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी ने दी। अन्त्योदय कार्डधारकों को माह अप्रैल 2023 से जून 2023 के सापेक्ष प्रतिमाह 01 किग्रा0 चीनी के अनुसार कुल 03 किग्रा0 चीनी रुपए 18 प्रति किग्रा0 की दर से वितरण किया जायेगा। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 22 जून को खाद्यान्न प्राप्त कर सकेगें। खाद्यान्न के वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। चीनी वितरण में पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी। वितरण के सम्बन्ध में कोई भी शिकायत उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी से सम्पर्क कर व टोल फ्री नम्बर, 1800-1800-150 एवं 1967 पर की जा सकती है।

संक्षेप

हत्यारोपी महिला भेजी गई जेल

प्रतापगढ़। बाघराय पुलिस ने हत्या में वांछित महिला को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के गौरा गांव में एक माह पूर्व नाली विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट में एक युवक की मौत हो गई थी। जिसमें उसी गांव की संगीता पत्नी बाबूलाल सरोज को आरोपी बनाया गया था। फरार चल रही है हत्यारोपी महिला संगीता को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में दो नामजद अन्य आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।

साइकिल सवार अधेड़ को ट्रक ने कुचला, मौत

बाबा बेलखरनाथ धाम। साइकिल से बाजार जा रहे अधेड़ को ट्रक सवार ने रौद दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़ कर मौके से भाग निकला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। रानीगंज थाना क्षेत्र के सतई विश्वकर्मा (65) निवासी मऊ डांडिया गांव का रहने वाला है। मंगलवार की शाम वह घर से जामताली बाजार के लिए निकला था। जैसे ही वह पट्टी रानीगंज रोड पर स्थित जामताली पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तेल रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिससे उसकी घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची शव को कब्जे में लेते हुए पीएम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना जब परिजनों को लगी तो परिजन भी आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

ससुराल से गायब हुई विवाहिता, पिता ने दी तहरीर

पट्टी। दो दिन पूर्व ससुराल से गायब हुई विवाहिता के मामले में मंगलवार को विवाहिता के पिता ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली क्षेत्र के मदनामऊ गांव निवासी खुशबू पत्नी मातादीन बीते 11 जून की भोर में घर से शौच के लिए निकली। इसके बाद से विवाहिता का कही पता नहीं चल रहा। जानकारी जब परिजन को हुई तो विवाहिता के पिता मनीलाल निवासी नारीपुर जौनपुर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। बताया कि उसकी बेटी कहीं लापता हो गई है। हर संभावित स्थान पर उसने दामाद के साथ खोज की पर कहीं कुछ पता नहीं चला। मंगलवार की देर शाम वह कोतवाली पहुंचा और बेटी के गायब होने के मामले में पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

आग लगने से गृहस्थी का सामान जला, वृद्ध झुलसा

पट्टी। चूल्हे की चिंगारी से लगी आग में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। आग बुझाने के दौरान एक वृद्ध झुलस गया। जिसे इलाज के लिए सीएचसी पट्टी लाया गया । कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मकारा रघुनाथ पुर कोहराव थाना कंधई निवासी रामपाल गौतम के छप्पर में उस वक्त आग लगी जब घर के लोग खाना बना रहे थे। इस आगजनी में ठेला, साइकल, दो बेड, कपड़ा, खिड़की, दरवाजा के साथ ही नकदी भी जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की। जब ग्रामीणों को आग बुझान में सफलता नहीं मिली तो इसकी सूचना फायर कर्मियों को दी गई। फायर कर्मी व ग्रामीणों के सहयोग से घंटों मशक्कत के बाद आग तो बुझा दी, पर तब तक रामपाल की संपूर्ण गृहस्थी जलकर राख हो चुकी थी। आग बुझाने के दौरान रामपाल का चेहरा व हाथ झुलस गया। इलाज के लिए उसे सीएचसी पट्टी में भर्ती कराया गया है।

पंजीकरण न कराने पर होगी विधिक कार्यवाही : सीएमओ

प्रतापगढ़। सीएमओ डा0 जीएम शुक्ल ने चिकित्सा के क्षेत्र में काम कर रहे संचालकों से अपने संस्थानों का तीन दिन के अंदर पंजीकरण कराने को कहा है। उन्होंने बताया कि यदि हास्पिटल, नर्सिंगहोग, पैथालाजी, एक्सरे, क्लीनिक आदि का पंजीकरण एबीडीएम पोर्टल पर नहीं कराया है तो संचालक तीन दिन में करा लें। पंजीकरण न कराने पर संस्थान का नवीनीकरण नहीं किया जायेगा। ऐसे संस्था संचालकों के खिलाफ नियम संगत कार्यवाही की जाएगी।

दिव्यांगजन कृत्रिम अंगों के लिए ऑनलाइन करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। जबकि पिछले वर्ष ऑफलाइन प्रक्रिया थी। उन्होने बताया है कि पात्रों को निःशुल्क ट्राईसाईकिल, बैशाखी, व्हीलचेयर, कान की मशीन, अन्ध छड़ी, वाकर, छड़ी सी0पी0 चेयर का वितरण किया जाना है। इसके लिए पत्रों को अपने अभिलेखों आधार कार्ड, तहसील द्वारा निर्गत गरीबी की रेखा से नीचे का आय प्रमाण पत्र, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा निर्गत यूडीआईडी कार्ड आदि के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन के लिए किसी भी सहज जन सेवा केन्द्र से विभागीय वेबसाइट पर आनलाईन आवेदन कराना आवश्यक है। आनलाईन आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित प्रिन्ट आउट कागजों सहित निर्धारित समय के अन्दर विकास भवन स्थित उनके में जमा करें। उन्होंने कहा कि विभागीय बजट प्राप्त होने तथा उपकरण की उपलब्धता के अनुसार वितरण की सूचना सम्बन्धित को प्रदान की जायेगी।

केक काट कर मनाया जन्मदिन

प्रतापगढ़। मंगलवार को वरिष्ठ पत्रकार धर्मेन्द्र मिश्रा का 48वां जन्मदिन रानीगंज स्थित रेलवे स्टेशन के पास गार्डन में केक काटकर मनाया गया। इस दौरान रानीगंज के वरिष्ठ पत्रकार राकेश पाण्डेय, अवनीश कुमार मिश्र, सूरज त्रिपाठी, रुस्तम खान, मोहम्मद सलमान सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकारों ने एक दुसरे को केक खिलाकर जन्मदिन कि मुबारक बाद व बधाइयां दीं। वरिष्ट पत्रकार राकेश पाण्डेय ने बताया कि साथी धर्मेन्द्र मिश्रा निष्पक्ष, हंसमुख, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी तथा पत्रकारिता जगत में अपनी अलग पहचान रखी है। आमजन की समस्याओं को अपनी कलम के माध्यम से उनकी आवाज उठाते है।

भीषण गर्मी में राहगीरों को पिलाया शरबत

राहगीरों को शरबत पिलाते हुए

प्रतापगढ़। भारत विकास परिषद द्वारा मंगलवार को चौक घंटाघर के निकट केसरवानी पुस्तक भंडार के सामने शरबत वितरण का कार्यक्रम हुआ। भीषण गर्मी से परेशान सैकड़ों राहगीरों ने शरबत पीकर गले को तर किया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर अध्यक्ष गिरिजा शंकर, सचिव अश्वनी केसरवानी, कोषाध्यक्ष शिशिर खरे, महिला संयोजिका कविता केसरवानी, पूनम केसरवानी, संजीव आहूजा डॉक्टर पीयूष कांत शर्मा, श्रीमती श्रद्धा सिंह, शरद केसरवानी, विजयलक्ष्मी गुप्ता, गोविंद खंडेलवाल, राजेश श्रीवास्तव, नमिता पांडे, मीनू खंडेलवाल, बंटी सूरज शुक्ला, नारायण खंडेलवाल, उदय भान सिंह समेत कई ने सक्रिय योगदान किया।

मुआवजा न मिलने से पिछले छः माह से धरना दे रहे किसान

मीडिया को अपनी समस्या बताते किसान

प्रतापगढ़। कुण्डा क्षेत्र के झींगुर गॉव के किसानों की जमीन गंगा एक्सप्रेसवे में जाने पर मुआवजे की मांग को लेकर पिछले छः माह से धरना दे रहे हैं। गांव के अवधेश कुमार, शांति देवी आदि ने बताया कि जिस जमीन से गंगा एक्सप्रेसवे निकल रही है वह जमीन हम लोगों की पुस्तैनी है। हमारी जमीनों का कई बार नाप जोख किया गया। लेकिन हमें आज तक मुआवजा अथवा जमीन के बदले जमीन नहीं दी गई। किसान अवधेश ने बताया कि डीडीसी कोर्ट में मामला विचाराधीन है। अधिकारी मौके पर आकर कहते हैं कि सड़क के लिए मिट्टी डालने दीजिए। आप लोगों का मामला जल्द निस्तारण हो जाएगा। इस संबंध में तहसीलदार, एसडीएम कुण्डा कई बार आ चुके हैं लेकिन केवल कोरा आश्वासन दे रहे हैं। पिछले माह प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल नंदी भी धरना स्थल आ चुके है। उन्होंने महज कोरा आश्वासन दिया। किसानों ने बताया कि सीएम पोर्टल पर भी मामले की शिकायत की गई है। जॉच के लिए तहसीलदार आए बोले कि डीडीसी कोर्ट में मामला विचाराधीन है। किसानों ने कहा कि इतनी गर्मी में हम लोग धरना दे रहे है। अधिकारी तो एसी कूलर में बैठकर हवा में मामले के निस्तारण की बात कर रहे हैं। किसानों ने बताया कि वगैर मुआवजा अथवा जमीन के बदले जमीन दिए सड़क नहीं बनने देंगे। इस दौरान गांव के दर्जनभर महिला पुरूष मौजूद रहें।

करणी सेना द्वारा आयोजित विवाह समारोह में दो जोड़ों ने लिए सात फेरे

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं करणी सेना द्वारा मंगलवार को बढ़नी स्थित कृष्णा मैरेज हाल में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें दो जोड़ो ने सात फेरे लिए। मुख्य अतिथि सूबे के राज्य मंत्री श्रम एवं सेवा योजन रघुराज सिंह शामिल हुए। करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 सुंदरी ठाकुर, पूर्व कमिश्नर वीके सिंह, राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू, प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतापगढ़ की श्रेया सिंह ने खेखरुआ अमेठी निवासी अतुल सिंह और मुजहरा भदोही की संजना सिंह ने मालापुर सोरांव प्रयागराज के सूबेदार सिंह के साथ सात फेरे लिए। क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष जबर सिंह ने सभी का स्वागत कर आभार जताया। संचालन राव वीरेंद्र सिंह ने किया। करणी सेना के जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने बताया कि पांच जोड़ो की शादी होनी थी। गर्मी अधिक होने के कारण दो जोड़ो की ही शादी हुई। जल्द ही तीन जोड़े की शादी कराई जाएगी। विवाह के बाद वर वधू को उपहार देकर विदाई की गई। इस मौके पर अनिरुद्ध सिंह, बालेन्द्र बहादुर सिंह, शशांक सिंह, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष ध्रुव सिंह, प्रदेश सचिव संतोष सिंह, राजा बाबू परमार, राजा सिंह परिहार, विनोद सिंह आदि मौजूद रहे।

रामचरित मानस व भागवत गीता को मिले राष्ट्रीय ग्रंथ की मान्यता : ज्ञान प्रकाश

दण्डी स्वामी वैभवानंद सरस्वती महराज की तेरहवीं स्मृति

प्रतापगढ़। मंगलवार को दण्डी स्वामी वैभवानंद सरस्वती महराज की तेरहवीं स्मृति का आयोजन वाराणसी के केदारघाट पर किया गया। धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी की प्रतिमा पर अनुयायियों ने पुष्पार्जन किया। कार्यक्रम में बटुक छात्रों व संत महात्माओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ लोकमंगल की प्रार्थना की। कार्यक्रम में शामिल प्रतापगढ़ निवासी ऑल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्कृत परिषद के प्रदेश संयोजक ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दण्डी स्वामी वैभवानंद सरस्वती जी ने गंगा, ग्रन्थ तथा संस्कृति का अदभुत समन्वय कर भारतीय संस्कृति को जाग्रत किया है। उन्होंने कहा कि भारत गणराज्य का मूलमंत्र सत्यमेव जयते है। केन्द्र सरकार से संस्कृत परिषद की ओर से श्रीरामचरित मानस व श्रीमद्भागवत गीता को राष्ट्रीय ग्रन्थ की मान्यता के लिए अविलम्ब अध्यादेश लाये जाने की मांग की। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य आचार्य राजेश मिश्र व संचालन डा0 बृजेन्द्र नारायण द्विवेदी शैलेष ने किया। इस मौके पर धर्मराज पाण्डेय, हरिश्चंद्र अग्रहरि, अधिवक्ता विपिन शुक्ल, मुकेश स्वामी, शुक्ला स्वामी आदि मौजूद रहे।

जंगल में लगी आग लाखों की वन संपदा जलकर खाक

अग्निकांड में सागौन, शीशम, चिलबिल, आम, नीम व वास के हजारों वृक्ष जले

बाबा बेलखरनाथ धाम। बुधवार की दोपहर अराजक तत्वों ने कठार जंगल में आग लगा दी। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप धारण कर लिया। इस अग्निकांड में करीब 10 बीघे में मौजूद वन संपदा को भारी नुकसान हुआ है। पट्टी कोतवाली के कठार के समीप करीब दस बीघे में जंगल फैला हुआ है। मंगलवार को कुछ अराजक तत्वों ने जंगल में आग लगा दिया। देखते ही देखते आग ने पूरे जंगल को अपने आगोस में ले लिया। आग इतनी विकराल हो गई कि जंगल में मौजूद बेशकीमती पेड़ जलकर राख हो गया। आग पर काबू पाने के लिए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की। घंटों प्रयास के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका। जिसकी वजह से लाखों के कीमत के पेड़ जलकर राख हो गये।

जनसंपादकीय

रक्तदान नयी जिन्दगी देने का पुण्य

ललित गर्ग

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महा- दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदान का दाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरी विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्त की जरूरत पड़ने पर उसके लिए पैसे देने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए, इसी उद्देश्य से हर साल लोगों को जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। विश्व रक्तदान दिवस पर रक्त दान करने के लिए समझाया जाता है तथा रक्त दान करने की क्या प्रक्रिया होती है उसके बारे में उचित शिक्षा दी जाती है। रक्त-दान किनको करना चाहिए और किन को नहीं करना चाहिए इस बारे में उचित जानकारी देने का कार्य इस दिवस के माध्यम से किया जाता है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्यपाप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भला बताइए क्या इससे पर्याप्त मात्रा में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है? विश्व रक्तदान दिवस समाज में रक्तदान को लेकर व्याप्त भ्रांति को दूर करने का और रक्तदान को प्रोत्साहित करने का काम करता है। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। हम जो रक्त दान करते हैं वह किसी जरूरतमंद की मदद करता है। यह उनकी स्वास्थ्य स्थिति को बढ़ाते हुए नया जीवन देता है और उन्हें उनकी गंभीर स्थिति से उबारता है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं।

रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं खुशी का कोई निश्चित मापदंड नहीं होता। एक मां बच्चे को स्नान कराने पर खुश होती है, छोटे बच्चे मिट्टी के घर बनाकर, उन्हें ढहाकर और पानी में कागज की नाव चलाकर खुश होते हैं। इसी तरह विद्यार्थी परीक्षा में अव्वल आने पर उत्साहित हो सकता है। सड़क पर पड़े सिसकते व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना हो या भूखें-प्यासे-बीमार की आहों को कम करना, अन्याय और शोषण से प्रताड़ित की सहायता करना हो या सर्दी से ठिठुरते व्यक्ति को कम्बल ओढ़ाना, किन्हीं को नेत्र ज्योति देने का सुख है या जीवन और मृत्यु से जूझ रहे व्यक्ति के लिये रक्तदान करना-ये जीवन के वे सुख है जो इंसान को भीतर तक खुशियों से सराबोर कर देते हैं। रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करना इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं, संपर्क 9811051133)

सफर जासूसी उपन्यासों का

समय- संदर्भ

शैलेन्द्र चौहान

किशोरावस्था में रूमानी और जासूसी उपन्यास खूब पढ़े। साथ-साथ साहित्यिक पुस्तकें भी पढ़ता था। आज जब इन उपन्यासों की लोकप्रियता को याद करता हूँ तो सोचता हूँ बजाय इन्हें सिरे से खारिज करने के इनकी लोकप्रियता के उन तत्वों की पड़ताल होना चाहिए जिनके कारण पाठकों का विशाल समूह इन्हें पढ़ने में रुचि दिखाता था। विशुद्ध मनोरंजन, भावुकता, रहस्य, रोमांच, फैंटेसी, टाइमपास के अलावा भी क्या कुछ इनमें था या नहीं यह भी जानना आवश्यक है। लोकप्रिय संस्कृति, साहित्य और सिनेमा से निकलने वाले कुछ विचार-सूत्र साहित्य, संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से सीधे समाज से संवाद करते है, उसमें हलचल पैदा करते हैं। 'लोकप्रियता' का यह अंश इसी संदर्भ में समाज से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है, आखिर वह साहित्य जिसे हमारा 'लोकवृत' (पब्लिक स्फीयर) लोकप्रिय, बाजारू, घटिया, घासलेटी, सड़क या पटरी, सतही, लुगदी या चवन्नी छाप साहित्य कहकर प्रायः बड़ी ही आसानी से नकार देता है, समाज के किस हिस्से का नेतृत्व करता है, कौनसी संस्कृति का निर्माण करता है? और वह सिनेमा से किस रूप में प्रभावित होती है? फिर भारत में टेलीविजन के आगमन ने तो इसे गहरे रूप में प्रभावित किया ही है। पहले जहां इनका स्वरूप सामूहिक था, बाद में वह एकल होता चला गया। आज उसके वर्चुअल रूप भी सामने आ रहे हैं, जिनके माध्यम से इसने हमारे सामूहिक और दृश्यमान लोकप्रिय रूपों का स्थानांतरण भी किया है। ऐसे में लोकप्रिय संस्कृति, साहित्य, सिनेमा और समाज पर इसके प्रभाव को समझना निहायत जरूरी हो जाता है।

इसी मकसद से जासूसी उपन्यासों के सफर से हिंदी पाठकों को रूबरू कराने की इच्छा हुई। जब मैं इलाहबाद में था तो पता चला कि सुप्रसिद्ध जनवादी कथाकार अपने खाली समय में जासूसी उपन्यास पढ़ा करते थे। यह जानकर मुझे आश्चर्य हुआ था। आज जब कतिपय कारणों से पॉपुलर लिटरेचर जिसे लुगदी साहित्य कहा जाता है पर बात हो रही है तो मुझे लगा कि इनके लेखकों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। अतः प्रस्तुत है कुछ प्रमुख उपन्यासकारों के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

बाबू देवकीनन्दन खत्री (18 जून 1861 - 1 अगस्त 1913) हिंदी के प्रथम तिलिस्मी लेखक थे। उन्होने चंद्रकांता, चंद्रकांता संतति, काजर की कोठरी, नरेंद्र-मोहिनी, कुसुम कुमारी, वीरेंद्र वीर, गुप्त गोदना, कटोरा भर, भूतनाथ जैसी रचनाएं की। 'भूतनाथ' को उनके पुत्र दुर्गा प्रसाद खत्री ने पूरा किया। हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार में उनके उपन्यास चंद्रकांता का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस उपन्यास ने सबका मन मोह लिया। इस किताब का रसास्वादन के लिए कई गैर-हिंदीभाषियों ने हिंदी सीखी। बाबू देवकीनंदन खत्री ने 'तिलिस्म', 'ऐय्यार' और 'ऐय्यारी' जैसे शब्दों को हिंदीभाषियों के बीच लोकप्रिय बनाया। जितने हिन्दी पाठक उन्होंने (बाबू देवकीनन्दन खत्री ने) उत्पन्न किये उतने किसी और ग्रंथकार ने नहीं। चन्द्रकान्ता उपन्यास इतना लोकप्रिय हुआ कि जो लोग हिन्दी लिखना-पढ़ना नहीं जानते थे या उदूर्दाँ थे, उन्होंने केवल इस उपन्यास को पढ़ने के लिए हिन्दी सीखी। इसी लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इसी कथा को आगे बढ़ाते हुए दूसरा उपन्यास ₹चन्द्रकान्ता सन्तति₹ लिखा जो ₹चन्द्रकान्ता₹ की अपेक्षा कई गुणा रोचक था। इन उपन्यासों को पढ़ते वक्त लोग खाना-पीना भी भूल जाते थे। इन उपन्यासों की भाषा इतनी सरल है कि इन्हें पाँचवीं कक्षा के छात्र भी पढ़ लेते हैं। पहले दो उपन्यासों के 2000 पृष्ठ से अधिक होने पर भी एक भी क्षण ऐसा नहीं आता जहाँ पाठक ऊब जाए।

गोपाल राम गहमरी (1866-1946) हिंदी के महान सेवक, उपन्यासकार तथा पत्रकार थे। वे 38 वर्षों तक बिना किसी सहयोग के 'जासूस' नामक पत्रिका निकालते रहे, २०० से अधिक उपन्यास लिखे, सैकड़ों कहानियों के अनुवाद किए, यहां तक कि रवीन्द्रनाथ ठाकुर की 'चित्रागंदा' काव्य का भी (पहली बार हिंदी अनुवाद गहमरीजी द्वारा किया गया) अनुवाद किए। वह ऐसे लेखक थे, जिन्होंने हिंदी की अहर्निश सेवा की, लोगों को हिंदी पढ़े को उत्साहित किया, ऐसी रचनाओं का सृजन करते रहे कि लोगों ने हिंदी सीखी। यदि देवकीनंदन खत्री के बाद किसी दूसरे लेखक की कृतियों को पढ़ने के लिए गैरहिंदी भाषियों ने हिंदी सीखी तो वे गोपालराम गहमरी ही थे।

गहमरी ने प्रारंभ में नाटकों का अनुवाद किया, फिर उपन्यासों का अनुवाद करने लगे। बंगला से हिन्दी में किया गया इनका अनुवाद तब बहुत प्रामाणिक माना गया। बहुमुखी प्रतिभा के धनी गोपालराम गहमरी ने कविताएं, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध और साहित्य की विविध विधाओं में लेखन किया, लेकिन प्रसिद्धि मिली जासूसी उपन्यासों के क्षेत्र में। 'जासूस' नामक एक मासिक पत्रिका निकाली। इसके लिए इन्हें प्रायः एक उपन्यास हर महीने लिखना पड़ा। 200 से ज्यादा जासूसी उपन्यास गहमरीजी ने लिखे। 'अदभुत लाश', 'बेकसूर की फांसी', 'सर-कटी लाश', 'डबल जासूस', 'भयंकर चोरी', 'खूनी की खोज' तथा 'गुप्तभेद' इनके प्रमुख उपन्यास हैं। जासूसी उपन्यास-लेखन की जिस परंपरा को गहमरी ने जन्म दिया, उसका हिन्दी में विकास ही न हो सका।

इब्ने सफी, 26 जुलाई,1928 को इलाहाबाद में जन्मे, 1952 में पाकिस्तान चले गए थे। इस समय वे जासूसी कथा लेखन में तेजी से पहचान बना रहे थे। पाकिस्तान में रहते हुए कुछ ही सालों के दौरान वे भारतीय प्रायद्वीप में जासूसी लेखन का सबसे बड़ा नाम बन गए। तब उनके हर उपन्यास का पाकिस्तान में ही नहीं बल्कि भारत में भी बेसब्री से इंतजार किया जाता था। उस दौर में इब्ने सफी अकेले ऐसे लेखक थे जिन्हें पढ़ने के लिए पाठक किताबें ब्लैक में खरीदते थे।

बाद में यह भी हुआ कि इब्ने सफी के उपन्यासों के मुरीद यूरोप में भी पैदा हो गए। यहां तक कि अंग्रेजी के साहित्यकार भी उनके नाम-काम से परिचित होने लगे। अंग्रेजी भाषा की प्रसिद्ध लेखिका अगाथा क्रिस्टी का उनके बारे में कहना था, 'मुझे भारतीय उपमहाद्वीप में लिखे जाने वाले जासूसी उपन्यासों के बारे में पता है। मैं उर्दू नहीं जानती लेकिन मुझे पता है कि वहां एक ही मौलिक लेखक है और वो है झ इब्ने सफी।' हालांकि इब्ने सफी अपने कुछ शुरूआती उपन्यासों को मौलिक नहीं मानते थे। उन्होंने तकरीबन 250 उपन्यास लिखे थे और खुद उनके मुताबिक इनमें से 8-10 की आत्मा (कहानी) यूरोपीय उपन्यासों से उधार ली गई थी लेकिन जिस्म देसी मिट्टी से बना था। यह बड़ी दिलचस्प बात है कि इब्ने सफी का झुकाव जब लेखन की तरफ हुआ तो वे जासूसी कथा लेखक नहीं बनना चाहते थे। वे कविताएं और गजल लिखा करते थे और बतौर शायर पहचान बनाना चाहते थे। जासूसी लेखन की शुरूआत उनके लिए बड़े अजब ढंग से हुई।

सुरेन्द्र मोहन पाठक का जन्म 19 फरवरी 1940 को खेमकरण, अमृतसर, पंजाब में हुआ था। विज्ञान में स्नातक की उपाधि लेने के पश्चात वह भारतीय दूरभाष उद्योग में नौकरी करने लगे। पढ़ने के शौकीन आप बचपन से ही थे। आपने अपनी युवावस्था तक कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय लेखकों को पढ़ा था। सन 1960 में, अपने कार्य-काल के दौरान ही सुरेन्द्र मोहन पाठक ने मात्र 20 वर्ष की उम्र में ही प्रसिद अंतराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त उपन्यासकार इयान फ्लेमिंग रचित जेम्स बांड के सीरीज और जेम्स हेडली चेज के उपन्यासों का अनुवाद करना प्रारंभ कर दिया। सुरेन्द्र मोहन पाठक के द्वारा अनुवादित उपन्यासों की मांग लगातार भारतीय हिंदी-भाषी बाजार में बढ़ने लगी। सन 1959 में, आपकी अपनी कृति, प्रथम कहानी ह्ल57 साल पुराना आदमीह्ल मनोहर कहानियां नामक पत्रिका में प्रकाशित हुई। आपका पहला उपन्यास ह्लपुराने गुनाह नए गुनाहगारह्ल, सन 1963 में ह्लनीलम जासूसह्ल नामक पत्रिका में छपा था। सन 1963 से सन 1969 तक विभिन्न पत्रिकाओं में आपके उपन्यास छपते रहे। सन 1969 आपका पहला पूर्ण उपन्यास ह्लऑपरेशन बुडापेस्टह्ल आया। ह्लऑपरेशन बुडापेस्टह्ल आपके द्वारा लिखी गयी 30 वीं कृति थी।

जनप्रिय लेखक ओम प्रकाश शर्मा :

हिन्दी लोकप्रिय साहित्य (जिसमें जासूसी भी समाहित है) में श्री ओम प्रकाश शर्मा अपने उत्कृष्ट धरातल से जुड़े वास्तविक एवं यथार्थवादी किंतु स्वप्नदर्शी एवं प्रयोगधर्मी लेखक थे। भारत और भारतीयता के ध्वजवाहक और गरीब तथा साधनहीन लोगों और वर्गों के पक्षधर होने के साथ झ साथ वे हिन्दी साहित्य और शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के अच्छे ज्ञाता और प्रवर्तक थे। उन्होने उस समय हिन्दी में यथार्थपरक जासूसी उपन्यास लिखे जबकि या तो अंग्रेजी उपन्यासों की नकल अथवा अनुवाद लिखे जा रहे थे। ऐसे समय में उन्होंने बिलकुल हाड़-मास के बने आम आदमी को ही अपना नायक बनाया और उसके माध्यम से भारतीय आदर्शों को प्रस्तुत किया और प्रोत्साहन दिया। उन्होने मनुष्य की कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकारते हुए अपने अनेक नायकों में विभिन्न प्रकार की मानवीय कमजोरियों को आरोपित कर उसे भी उच्चतर परिपेक्ष्य में प्रस्तुत किया।

साढे चार सौ से अधिक जासूसी, गैर जासूसी (जिसमें तथाकथित सामाजिक, ऐतिहासिकउपन्यास सम्मिलित हैं,) के लेखक की भाषा भी अपने आप में अनुठी है। उनकी भाषा का प्रवाह मंत्रमुग्ध कर लेने वाला है। वे अपने प्रिय हिन्दी लेखक श्री अमृत लाल नागर की भांति लच्छेदार भाषा का प्रयोग करते हैं। भाषा में सामान्य बोल चाल के शब्दों को अत्यंत प्रभावी प्रवाह देखने को मिलता है।

वेद प्रकाश काम्बोज का पहला उपन्यास कँगूरा 1958 में प्रकाशित हुआ था जो कि पाठकों के बीच में आते ही छा गया था। यह उपन्यास रंगमहल कार्यालय खारी बावली दिल्ली से प्रकाशित हुआ था। अपने पहले प्रकाशन के प्रकाशन के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 60,70 और 80 के दशक में उनकी लोकप्रियता अपने चरम पर थी। वह पिछले साठ सालों से वह लेखन क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके अब तक 400 से ज्यादा उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं। लेखन के साथ उन्होंने कई रचनाओं का अनुवाद कार्य भी किया है।

वेद प्रकाश शर्मा (जन्मः 10 जून 1955 झ 17 फरवरी 2017) हिंदी के लोकप्रिय उपन्यासकार थे। इन्होंने सस्ते और लोकप्रिय उपन्यासों की रचना की है। इनके 176 उपन्यास प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त इन्होंने खिलाडी श्रृंखला की फिल्मों की पटकथाएं भी लिखी।

वर्दी वाला गुंडा वेद प्रकाश शर्मा का सफलतम थ्रिलर उपन्यास है। इस उपन्यास की आजतक लगभग 8 करोड़ प्रतियाँ बिक चुकी हैं। भारत में जनसाधारण में लोकप्रिय थ्रिलर उपन्यासों की दुनिया में यह उपन्यास ₹क्लासिक₹ का दर्जा रखता है।

इस बात पर बहस हो सकती है कि लेखक जन्मजात होते हैं या नहीं पर इतना तय है कि कुछ लोग लिखने के लिए ही पैदा होते हैं और पाठकों का मिजाज जानने की वजह से वे मकबूल हो जाते हैं। जिस टारगेट ऑडियंस को पहचानने में बड़े-बड़े पत्रकार और संपादक हार गए, जिस कॉपी को लिखने में धांसू लिक्खाड़ हांफ गए, उस पाठक को पहचानने की गुत्थी मेरठ में बैठे एक शख्स की मुट्ठी में पिछले चार दशकों से बंद है। शास्त्रीनगर स्थित अपनी कोठी के एक शांत कमरे में बैठकर अधमुंदी आंखों से जब वे स्टोरी का प्लॉट जमाते हैं और कहानी के तार जोड़ते हैं तो किसी साधक से कम नहीं लगते। कैरेक्टर और वेद प्रकाश शर्मा के बीच कोई खटपट, जरा-सी आहट और यहां तक कि चाय का कप लिए बीवी मधु शर्मा को भी आने की इजाजत नहीं होती।

मगर इस साधना की शुरूआत घर छोड? से नहीं बल्कि घर से ही हुई. वे कहते हैं, ''उपन्यास लिखने की कहानी बड़ी विचित्र है.'' वे ओम प्रकाश शर्मा, गुलशन नंदा, इब्ने शफी, सबको पढ़ते थे, लेकिन पसंद वेद प्रकाश कांबोज को करते थे, जिन्हें वे गुरु मानते हैं। कांबोज के दो अहम किरदार थेरू विजय और रघुनाथ। कांबोज को पढ़कर उन्हें हमेशा लगता था कि वे इससे बेहतर लिख सकते हैं।

कुशवाहा कांत का जन्म मिरजापुर शहर के महुवरिया मुहल्ले में 9 दिसंबर 1918 को हुआ था। लेखन और कल्पनाशीलता बचपन से ही इनके व्यक्तित्व में शामिल थी। कुशवाहा कांत जब नवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, तभी उन्होंने 'खून का प्यासा' नामक जासूसी उपन्यास लिखकर समूचे उत्तर भारत में तहलका मचा दिया था। कुशवाहा ने मिरजापुर से बनारस आकर अपना निजी प्रेस खोला। नाम था- चिनगारी प्रकाशन। कबीरचौरा के इसी प्रेस में उनकी कालजयी कृतियां छपा करती थीं। दरअसल, कुशवाहा कांत के उपन्यासों में रुमानीयत कूट-कूटकर भरी होती थी। उसी रुमानियत को पढ़ने के लिए उस दौर की युवा पीढ़ी दीवाना हुआ करती थी। हिंदी के बेहद प्रसिद्ध लेखकों में से एक थे-कुशवाहा कांत। ये बनारस के ऐसे उपन्यासकार थे, जिनके बगावती तेवर और लेखनी की रूमानियत को आज भी याद किया जाता है। बनारस के साहित्यिक जगत में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रेमचंद और रामचंद्र शुक्ल के बाद अगर किसी रचनाकार ने सर्वाधिक लोकप्रियता अर्जित की तो वो थे कुशवाहा कांत। उनके क्रांतिकारी और जासूसी उपन्यासों में गजब की रुमानियत थी। फकत पच्चीस साल की उम्र में वह हिंदी के उपन्यास जगत में बेस्टसेलर लेखक बन चुके थे। स्वाधीनता आंदोलन में क्रांतिकारी पात्रों पर बुने गए इनके चर्चित उपन्यास 'लाल रेखा' को पढ़ने के लिए बड़ी संख्या में गैर-हिन्दी भाषियों ने हिन्दी सीखी थी। 'लाल रेखा' की लोकप्रियता आज तक अक्षुण्ण है।

हिंदी में पॉकेट बुक्स प्रकाशकों ने नकली या छद्म नामों से उपन्यासों को लिखवाकर खूब लाभ कमाया। ये नाम बहुत लोकप्रिय भी हुए। मख्मूर जलंधरी नामक शायर ने कर्नल रंजीत के नाम से लगातार लिखा और बहुत पसंद किया गया। लेखक राम कुमार भ्रमर ने अपने असली नाम के साथ-साथ शेखर नाम से दर्जनों उपन्यास लिखे। आरिफ माहरवी नामक शायर राजवंश, लोकदर्शी, समीर आदि नामों से लिखते रहे। योगेश मित्तल भी अनेक छद्म नामों से लिखते रहे। इनके मुताबिक ओम प्रकाश शर्मा और वेद प्रकाश कांबोज के नाम से भी कुछ लोगों ने लिखा।

(संपर्क : 34/242, सेक्टर-3, प्रतापनगर जयपुर-302033 मो.7838897877)

के. आसिफ, अपने जीते जी ही किंवदंती बन गए थे

जन्मदिवस पर

जाहिद खान

हिंदुस्तानी सिनेमा में फिल्म 'मुगल-ए-आजम', संग-ए-मील की हैसियत रखती है। साल 1960 में आयी इस फिल्म का आज भी कोई जवाब नहीं। यह वाकई लाजवाब है ! फिल्म की रिलीज को साठ साल से ज्यादा हो गए, लेकिन आज भी इसका खुमार चाहने वालों के दिल-ओ-दिमाग से नहीं उतरा है। निर्देशक करीमउद्दीन आसिफ यानी के. आसिफ की दीवानगी और जुनून ही था कि तमाम आर्थिक परेशानियों और रुकावट के बाद भी 'मुगल-ए-आजम' पूरी हुई और रिलीज होने के बाद इसने एक नया इतिहास बनाया। भारतीय फिल्मी इतिहास में न सिर्फ. यह फिल्म हमेशा के लिए अमर हो गई, बल्कि के.आसिफ ने भी अपनी फिल्मी करियर की दूसरी ही फिल्म से अपने हुनर का लोहा मनवा लिया। देश-दुनिया में लोग उनकी निर्देशकीय क्षमता के कायल हो गए। उत्तर प्रदेश के छोटे से इलाके से आया नौजवान, देखते-देखते फिल्मी दुनिया का बेताज बादशाह बन गया। 14 जून, 1922 को इटावा में पैदा हुए करीमउद्दीन आसिफ, फिल्मी दुनिया में स्टोरी टेलर बनने से पहले लेडीज टेलर थे। इटावा के अलावा उन्होंने मुंबई में भी कुछ दिन टेलरिंग की। टेलरिंग मजबूरी थी, उनकी मंजिल-ए-मकसूद तो फिल्मी दुनिया थी। वे फिल्म बनाना चाहते थे। वह भी औरों से अलग। एक्टर-प्रोड्यूसर-डायरेक्टर नजीर, जो के.आसिफ के रिश्ते में मामू लगते थे, उन्होंने उनके साथ फिल्म 'सलमा' (साल 1943) में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर फिल्मों में अपना आगाज़ किया। फिल्म बनाने की बारीकियां सीखीं।

फिल्म डायरेक्शन में उतरने के लिए के.आसिफ को ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा। इक्कीस साल की उम्र में उन्हें फिल्म 'फूल' का डायरेक्शन मिल गया। कमाल अमरोही की कहानी पर बनी उनकी इस पहली ही फिल्म में पृथ्वीराज कपूर, सुरैया, वीना, दुर्गा खोटे और याकूब़ जैसे बड़े स्टार थे। फिल्म खासा कामयाब रही। इतनी बड़ी स्टार कास्ट के साथ फिल्म बनाकर, वह फिल्मी दुनिया में चर्चा में आ गए। लोगों का आसिफ के काम पर ऐतबार बढ़ा, तो उनका यकीन और पुख़्ता हुआ। इसके बाद के.आसिफ ने इम्तियाज अली 'ताज' के मशहूर ड्रामे 'अनारकली' पर फिल्म बनाने का फैसला किया। उन्होंने कमाल अमरोही से इसकी कहानी सुनी हुई थी। वह कहानी उन्हें इतनी पसंद आई कि इसे फिल्माना उनका ख़्वाब हो गया। पर जब उन्होंने साल 1945 में यह फिल्म शुरू की, तो इसका नाम बदल दिया। 'मुगल-ए-आजम', फिल्म का टाइटल तय हुआ। निमार्ता शिराज अली हकीम ने 'मुगल-ए-आजम' की तामीर में दिल खोलकर पैसा खर्च किया। फिल्म बन ही रही थी कि साल 1947 में मुल्क का बंटवारा हो गया। शिराज अली हकीम पाकिस्तान चले गए और फिल्म आधी बनने के बाद बंद हो गई। देश का जब माहौल साजगार हुआ, तो के.आसिफ का 'मुगल-ए-आजम' बनाने का ख़्वाब फिर जाग उठा। छह साल के बाद, उन्होंने फिल्म को दोबारा शुरू किया। लेकिन तब तक 'मुगल-ए-आजम' का पूरा सेटअप और स्टार कास्ट बदल गई थी। अकबर के रोल के लिए के.आसिफ ने पृथ्वीराज कपूर, तो शहजादा सलीम के लिए दिलीप कुमार को साइन किया। वहीं अनारकली के रोल के लिए उन्होंने उस वक्त के मशहूर हफ़्तावार अखबार में बाकायदा एक इश्तिहार छपवाकर, हीरोइन की तलाश की और यह तलाश मधुबाला पर जाकर खत्म हुई।

बहरहाल, 'मुगल-ए-आजम' जब बनना शुरू हुई, तभी से यह फिल्म चर्चा में आ गई थी। खास तौर पर इस फिल्म पर शाहाना खर्चे को लेकर। निमार्ता शापूरजी पालोनजी मिस्त्री और के.आसिफ के बीच इस फिल्म के बजट को लेकर कई बार खींचतान हुई। यहां तक कि शापूरजी ने एक मर्तबा के.आसिफ को फिल्म से अलग करने तक का फैसला भी ले लिया, लेकिन 'मुगल-ए-आजम' के जानिब के.आसिफ की दीवानगी और जुनून को देखकर, आखिर में अपना फैसला बदल दिया। 1950 के दशक में जब पूरी फिल्म 2 से 3 लाख में बन जाती थी, तब के.आसिफ ने इस फिल्म के शीश महल के सेट पर ही 15 लाख रुपए खर्च किए थे और यह सेट एक साल में बनकर तैयार हुआ था। 'मुगल-ए-आजम' की और भी कई खासियत थीं। मसलन यह पहली भारतीय फिल्म है, जिसमें वार सींस इतने भव्य फिल्माए गए कि इन्हें देखकर असली जंग का एहसास होता है। के.आसिफ ने फिल्म के वार सींस के लिए इंडियन आर्मी की जयपुर केवेलरी की पूरी एक बटालियन जिसमें 8 हजार जवान, 2 हजार ऊंट और 4 हजार घोड़ों का इस्तेमाल किया और यह सींस छह महीने में पूरे हुए थे।

बहरहाल, के.आसिफ का ख़्वाब फिल्म 'मुगल-ए-आजम', पन्द्रह साल में जाकर मुकम्मल हुई। 5 अगस्त, 1960 को जब यह फिल्म ऑल इंडिया रिलीज हुई, तो पूरे देश में हंगामा मच गया। चारों ओर इस फिल्म की शानदार स्टोरी, डायलॉग्स, अदाकारी, फिल्मांकन, गीत-संगीत, डायरेक्शन के ही चर्चे थे। फिल्म और इसके मधुर गीत–संगीत का इस कदर मेनिया था कि घंटों लाइन में लगकर, लोगों ने इस फिल्म के टिकिट खरीदे। मुंबई के 'मराठा मंदिर' सिनेमा हॉल में यह फिल्म 77 हफ़्ते तक हाउसफुल चली। यही हाल देश के बाकी बड़े शहरों का भी था। फिल्म में ऐसा क्या जादू था ?, जो लोग इसके दीवाने हो गए, गर इसकी वजह जानें, तो वे कई थीं। इम्तियाज अली 'ताज' ने अपना ड्रामा 'अनारकली' को केन्द्र में रखकर लिखा था, लेकिन के.आसिफ ने जब इस पर फिल्म बनाई, तो उसमें अनेक बदलाव किए। जिसमें सबसे बड़ा बदलाव, मुगल बादशाह अकबर को केन्द्रीय भूमिका में लाना था। यही नहीं मूल ड्रामे में राजा मान सिंह और दुर्जन सिंह के किरदार नहीं हैं, पर के.आसिफ ने इनको फिल्म में रखा। दुर्जन सिंह, शहजादा सलीम का जिगरी दोस्त है। फिल्म के आखिर में वह सलीम को दिए वादे के मुताबिक अपनी जान पर खेलकर, अनारकली को बचा लेता है। घायल अवस्था में ये दोनों एक मंदिर में पनाह लेते हैं। मंदिर में जब अनारकली नमाज पढ रही होती है, तब घायल दुर्जन सिंह दम तोड़ देता है। नमाज पढ़ने के बाद जब यह सारा मंजर अनारकली देखती है, तो वह अपना दुपट्टा उसके जिस्म पर डालकर, उसका कफन बना देती है। हिंदू-मुस्लिम एकता पर बड़ी-बड़ी तकरीरों से इतर यह अकेला सीन, एक बड़ा पैगाम दे जाता है। फिल्म के जरिए के.आसिफ ने अकेले मुगल सम्राट अकबर की अज्मत, धार्मिक सहिष्णुता और इंसाफ–पसंदगी ही नहीं दिखलाई है, बल्कि मुल्क को कौमी-यकजेहती और भाईचारे का पैगाम भी दिया। फिल्म में मजहबी कट्टरता से इतर हिंदुस्तान की सतरंगी विरासत के सीन गढ़े। 'मुगल-ए-आजम' में ऐसे कई सीन हैं, जो आज किसी फिल्म में फिल्माए जाएं, तो विवाद पैदा हो जाए। फिरकापरस्त और तंगनजर लोग इन सीन को लेकर सिनेमा हॉल में हंगामा बरपा दें। शंहशाह अकबर का अपनी राजपूत पत्नी जोधा बाई के साथ महल में कृष्ण जन्माष्टमी मनाना और कृष्ण की मूर्ति को पालने में झुलाना, जंग के मैदान में जाने से पहले पंडित से माथे पर पूजा का टीका लगवाना, तो अनारकली का एक देवी मंदिर में नमाज अदा करना, फिल्म के कुछ ऐसे सीन हैं, जिन्हें धार्मिक कट्टरपंथी और 'सांस्कृतिक' राष्ट्रवादी शायद ही बर्दाश्त कर पाते।

'मुगल-ए-आजम' निर्माण के दौरान के.आसिफ ने एक और फिल्म 'हलचल' बनाई, लेकिन वे इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे। 'मुगल-ए-आजम' की बेशुमार कामायाबी के बाद के.आसिफ ने कई बड़ी फिल्मों 'रामायण', 'महाभारत', 'ताज महल' और 'भगत सिंह' की प्लानिंग और इनके बनाने का ऐलान किया। लेकिन ये सारे प्रोजेक्ट परवान नहीं चढ़ सके। 'लव एंड गॉड' जैसे तैसे शूटिंग के लिए फ़्लोर पर पहुंची, तो उसमें कई अड़चने पेश आईं। पहले फिल्म के हीरो गुरुदत्त के इंतिकाल से फिल्म बनने में रुकावट आई, बाद में जब यह संजीव कुमार के साथ दोबारा शुरू हुई और मुकम्मल होने को थी, तो के.आसिफ ने अपनी आंखें मूंद लीं। 9 मार्च, 1971 को महज 47 साल की उम्र में हिंदुस्तानी सिनेमा का यह अजीम फिल्मकार हमसे हमेशा के लिए दूर हो गया। के.आसिफ के इंतिकाल के बाद 'लव एंड गॉड' निमार्ता-निर्देशक केसी बोकड़िया ने पूरी की। साल 1986 में यह फि ल्म रिलीज हुई, मगर कोई करिश्मा नहीं दिखा पाई।

के.आसिफ ने 'मुगल-ए-आजम' और 'लव एंड गॉड' जैसी अजीमुश्शान फिल्में बनाईं। इन पर पानी की तरह पैसा बहाया। जरूरतमंदों की हमेशा पैसे से मदद की लेकिन खुद पर कभी ज्यादा पैसा खर्च नहीं किया। असल ज़िंदगी में वे अलग ही मिजाज की शख़्सियत थे। सफेद्र कपड़े और जूते के बनिस्बत चप्पलें पहनना उनकी आदत में शुमार था। हमेशा जमीन पर सोना पसंद करते थे। इतनी कामयाबी हासिल करने के बाद भी कभी अपने लिए कार नहीं खरीदी। हमेशा किराए की टैक्सी में घूमते रहे। चैनस्मोकर थे। सिगरेट हर दम होठों पर लगी रहती। जुनूनी शख़्स थे। जो बात ठान लेते, उसे पूरा कर ही दम लेते। अदाकार अजित ने के.आसिफ के साथ अपने काम के तजुर्बे को इन अल्फाज में बयां किया है, ''वह सेट पर बीस-बीस घंटे लगातार खड़े रहते और हर अदाकार से उस वक्त तक काम लेते, जब तक खुद्र बिल्कुल मुतमईन न हो जाएं। बार-बार ऐसा हुआ कि दूसरी सुबह हुई और रात से दूसरी रात, लेकिन क्या मजाल कि आसिफ साहब के चेहरे पर थकन या बोरियत का साया तक दिखाई देता हो।'' के. आसिफ की गजब शख़्सियत एवं उनकी शाहकार फिल्म 'मुगल-ए-आजम' के और भी कई दिलचस्प किस्से हैं, जो अवाम में किंवदंतियों की तरह दोहराए जाते हैं। सच बात तो यह है कि के.आसिफ अपने जीते-जी ही किंवदंती बन गए थे। ऐसी हस्तियां सदियों में एक बार पैदा होती हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, संपर्क 94254 89944)

व्यंग्य

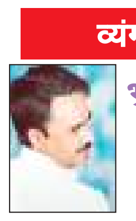

भ्रष्टाचार की पावन कचोरी

रामविलास जांगिड़

मंत्री जी की आंखों में भ्रष्टाचार की कचोरी खाने का सपना तैर रहा है। अहा! भ्रष्टाचार की रसना-रसीली कुरकुरी कचोरी की पीयूषा वाणी कर्ण में प्रविष्ट होते ही मंत्री जी आनन्दमग्न हो गए हैं। अमृत से भी अधिक मधुर, चन्द्रमा से भी अधिक शीतल, कचोरी भक्षण की हींगमयी सुगंधित महक युक्त वाणी मंत्री जी के हृदय के समस्त दुःखों का हरण कर लेती है। वे कुर्सी से उठते तक नहीं है। बैठे-बैठे ही दलाल को पूछते हैं- 'तात तुम्ह कचोरी कहां ते लाए। परम प्रिय कचोरी बचन सुनाए।' आश्चर्य होता है कि इतना मंगलमय समाचार लाने वाले दलाल से स्वागत कथन भी नहीं किया जाता है! न ही कोई प्रणाम! इस समय मंत्री जी की स्थिति बड़ी दारुण हुई जा रही है। कचोरी की याद में उनके समस्त अंगों ने अपनी सुध-बुध खो दी है। कमल के समान सुंदर नेत्र बंद है। नेत्रों से अत्यंत हर्ष के आंसू बरस रहे हैं। शरीर का रोम-रोम जिह्वा बन गया है। कचोरी के एक-एक अंश का स्वाद लेने के लिए रोम-रोम लालायित हो गया है। भ्रष्टाचार के इस पावन महाकल्प में कमीशन नाद से मंत्री जी एकाएक ही समस्त सुखों के स्वामी बन गए हैं। उसी समय सारंग समान सुंदर कानों में कचोरी शब्द नाद सुनाई पड़ता है- मंगलमय, रसमय जिह्वा सुंदरी कचोरी; सब संताप हरने के लिए आपके सम्मुख प्रस्तुत है। दलाल अपने सुंदर हाथों में कचोरी लिए मंत्री जी का अनेकों प्रकार से स्तुति गान कर रहे हैं। किन्तु कचोरी प्रेमी मंत्री जी को प्रसन्नता के साथ सन्देह है कि कहीं मेरी व्याकुलता, कचोरी के प्रति संपूर्ण आसक्ति या भावना के कारण ऐसा भ्रम तो सुनाई-दिखाई नहीं पड़ रहा है? पर हृदय कहता है- 'कल्पना ही सही! किन्तु नेत्र इस भय के मारे नहीं खोलते कि कहीं सचमुच भ्रम की भावना सिद्ध न हो जाए! दलाल के शब्द सुनकर उन्हें यही भय होता है कि यह मेरे मानसिक भ्रम की अवस्था ही है।

मंत्री जी की मनोदशा ऐसी है जैसे कोई विरहिणी नायिका शयन कक्ष में कचोरी आसक्त पड़ी स्वप्न रत है। उसे नगर की विविध थड़ियों पर कचोरी चाटने का दिव्य स्वाद सता रहा है। राजधानी के विभिन्न कार्यालयों में भ्रष्ट आचरण की कचोरी के मजे ही कुछ और है! स्वप्न में उसे कढ़ी-कचोरी के दर्शन होते हैं। कचोरीयातुर नायिका की भांति मंत्री देव जागने का उपक्रम करते हैं। किन्तु भावमयी मृग नयने नेत्र नहीं खोलना चाहते हैं। क्यों? क्या रूठी है? नहीं, नहीं, नहीं! नेत्र खोलने में उसे भय लगता है। भय किस बात का? सपने में कचोरी खाते हुए मंत्री जी बेसुध है- 'सोवत सोवत हे सखि, कोई लिया जगाय। आंख न खोलूं डरपत, मत सपना होइ जाय।' अहा! कैसी करुण व्यथा है! राजधानी की पवित्र भ्रष्टाचार कचोरी की व्यथा दर्द में मंत्री देव मूर्छित है। वह कचोरी के विरह में अपनी सुध-बुध खो बैठे हैं। अपने प्रियतम दलाल से कह रहे हैं। हे प्रियतम! कुछ नहीं तो मुझे सपने में ही इस दुर्लभ कचोरी का कढ़ी के साथ मिलान करके आनंद लेने दो। 'मत सपना होइ जाय।' कहीं यह कचोरी दर्शन स्वप्न न सिद्ध हो जाय? दलाल देवता भ्रष्टाचार की कचोरी के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। मंत्री जी भ्रष्टाचार की कचोरी खाने के लिए आकुल हैं, व्याकुल हैं, बड़े आतुर हैं। बरसों से खाते आ रहे हैं। खाते ही रहेंगे ऐसी पवित्र भ्रष्टाचार की कचोरी!

(लेखक व्यंग्यकार हैं)

रचनाएं हमें ई-मेल से भी भेज सकते हैं-
<raisubhash953@gmail.com>

पेयजल समस्या से जुड़ी खबर का अधिकारियों ने लिया संज्ञान

खबर का असर

जन संदेश टाइम्स में खबर प्रकाशित होते ही संभाला मोर्चा

गांव की बस्ती में पहुंचे सेक्टर प्रभारी टैंकर से भेजा पानी

जनसंदेश न्यूज

टैंकर से पानी लेने को उमड़े ग्रामीण

राजगढ़। विकास खंड राजगढ़ के राजगढ़ ग्राम पंचायत में पानी की पर्याप्त व्यवस्था करा पाना मुश्किल साबित हो रहा है दिन भर टैंकर से पानी पहुंचाया जा रहा है लेकिन मांग के अनुरूप आवश्यकता की पूर्ति समस्या बन गई है।

जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्लाक मुख्यालय पर हंगामा किया और कर्मचारियों के बीच अपनी व्यथा सुनाई। हालांकि जिला मुख्यालय पर उच्चाधिकारियों की बैठक में शामिल होने गए एडीओ कोआपरेटिव, नोडल राजकपूर सिंह ने पेयजल समस्या से संबंधित ज्ञापन मिलने की बात कही और बताया कि जनता की मांग पर तत्काल टैंकर भेजकर पानी की आपूर्ति कराई गई है। इस संबंध में सेक्टर प्रभारी, एडीओ एजी संतोष कुमार कुशवाहा ने बताया कि राजगढ़ ग्राम पंचायत के बहिकटवां बस्ती में ग्राम प्रधान आशीष जायसवाल के द्वारा निर्बाध रूप से टैंकर भेजकर लोगों को पानी मुहैया कराया जा रहा है लेकिन बस्ती में पानी की मांग अधिक होने से आवश्यकता की पूर्ति नहीं हो पा रहा है जिससे ग्रामीणों ने दिन भर में दो बार टैंकर भेजने की मांग किया है जिसके लिए ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया है कि इस भीषण गर्मी में लोगों को पानी की निर्बाध आपूर्ति होनी चाहिए जिससे पशु पक्षी सहित आमजन को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि विकास खंड राजगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत दर्जनों गांव पेयजल संकट से जूझ रहे हैं और गंदा पानी लोगों तक पहुंचाया जा रहा है जिसे पीने के लिए लोगों को मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसे में स्थितियां कितनी भयावह होती जा रही हैं अंदाजा लगाया जा सकता है।

आटो सवारियों को लूटने वाले गैंग का खुलासा, 6 गिरफ्तार

कार्रवाई

ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र में हुई थी चोरी की घटना

जनसंदेश न्यूज

चोरी की घटना के पकड़े गये आरोपी

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर रीवां राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में बीते रविवार को प्रयागराज जिले के कौंधियारा थाना क्षेत्र के टिकरी अकोढ़ा गांव निवासी राम बाबू यादव व उनकी पत्नी रीता देवी को मध्य प्रदेश के हनुमना थाना क्षेत्र के लटियाल गांव बैठाकर जा रहे आटो चालक व खलासी ने बैग में रखे रुपए और गहने चोरी कर लिया था। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए गए सघन अभियान के क्रम में सोमवार को लालगंज मंझरी राव के पर्यवेक्षण में सोमवार की देर शाम मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के दुर्जनीपुर मोड़ से थानाध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक उदय नारायण सिंह, हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश यादव, मिथिलेश पांडेय ने आटो और बाइक पर बैठकर सवारियों का इंतजार कर रहे गिरोह के सदस्यों मोहम्मद ताजीम निवासी बुदांवा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज, करीम निवासी करमा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज, अमीर निवासी बुदांवा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज, घनश्याम भारतीया निवासी बेउहरा थाना औद्योगिक क्षेत्र जिला प्रयागराज, अकबर करमा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज, उमेश कुमार वैश्य निवासी मानस नगर जसरा थाना घूरपुर जिला प्रयागराज को घेराबंदी करते हुए धर दबोचा पुलिस ने आरोपितों के पास से बीते 11 जून को दंपति के बैग से चोरी किए गए रुपए और गहने बरामद करते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरोह के पास से एक आटो और एक मोटरसाइकिल को बरामद कर पुलिस ने कब्जे में ले लिया। गिरोह में शामिल एक आरोपी ननकू पुत्र अब्दुल हादी निवासी पुरवा खास थाना औद्योगिक क्षेत्र जिला प्रयागराज को पकड़ने में पुलिस नाकाम रही है। पुलिस ने चोरी करने वाले गैंग के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और फरार चल रहे एक आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

पढ़ने के लिए आये युवक बन गए गांजा तस्कर

जनसंदेश न्यूज

सख्ती

कछवां थाना पुलिस ने 7 लाख के गांजा के साथ किया गिरफ्तार

तस्करी कर चल रही थी बीटेक की पढ़ाई

मीरजापुर। घर से पढ़ाई करने के लिए निकले युवक गांजा तस्कर बन गए। मात्र 3 हजार के लिए वह मादक पदार्थ की आपूर्ति में लग गए। एसओजी और कछवां थाना पुलिस ने 5 युवकों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 35 किलो गांजा बरामद किया गया। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7 लाख रुपये हैं। पकड़े गए सभी आरोपियों की आयु 18 से 22 वर्ष हैं। इसका खुलासा करते हुए एसपी संतोष मिश्र ने पुलिस लाइन में पत्रकार वार्ता के दौरान किया।

बताया कि इसमें कुछ युवक बी टेक के भी छात्र हैं। क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में धाना कछवां, स्वाट, सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने सफलता मिली। कछवां थाना क्षेत्र में 12 जून को पुलिस को मुखबिर से कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के बैंग के साथ थाना क्षेत्र में होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना कछवां, स्वाट सर्विलांस व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने क्षेत्र से 5 युवकों रितिक सिंह, अभिषेक राय उर्फ राघव, सुधीर ओझा, रीशु ठाकुर और रोशन ठाकुर को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से बैग में छोटे-बड़े 17 पैकेटो में रखा हुआ कुल 35 किग्रा अवैध गांजा बरामद किया गया।

कछवां थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जा रहा है। पुलिस के पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह अपने लीडर के कहने पर उड़ीसा प्रान्त से गांजा लेकर आये थे। जिसकी सप्लाई गाजीपुर निवासी एक व्यक्ति को करनी थी। उसी का इंतजार कर रहे थे कि पकड़े गये। उड़ीसा से गांजा लाकर सप्लाई कर्ता तक पहुंचाने पर उनकी अच्छी खासी कमाई भी हो जाती है। पकड़े गए आरोपियों में रितिक सिंह बक्सर बिहार, अभिषेक राय उर्फ राघव गाजीपुर, सुधीर ओझा गाजीपुर, रीशु ठाकुर गाजीपुर एवं रोशन ठाकुर दरभंगा बिहार का रहने वाला है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी रामस्वरूप वर्मा एवं एसओजी प्रभारी माघव सिंह ने दल बल के साथ किया।

गांजा तश्करी के आरोप में पकड़े गये आरोपी

मुनीम की हत्या का पुलिस ने किया अनावरण दो आरोपी गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना चुनार पुलिस ने बीते 08 जून को ग्राम दयालपुर नऊआवरी निवासी मु0 अजहर पुत्र मु0 मजीद द्वारा नामजद आरोपियों के विरूद्ध अपने पिता की हत्या करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी थी। तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने घटना को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में घटना का अनावरण का निर्देश दिया था। निर्देश पर मंगलवार को चुनार पुलिस, एसओजी व स्वाट/सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर प्रकाश में आये दो आरोपियों आशीष उराव पुत्र सुखदेव उराव पुत्र चूगलू व सन्तोष उराव पुत्र बोलवा उराव को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल दो बेंत व दो मोबाइल बरामद किया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बंध में थाना चुनार पर विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजा गया।

राजनीतिक चर्चा में हत्या करने वाला अमजद खां गिरफ्तार

जनसंदेश न्यूज

कामयाबी

भतीजे के विवाह से लौट रहे राजेशधर दुबे को जबरन उतार कर चढ़ा दिया था बोलेरो, मृतक का था दिल्ली में व्यापार

मीरजापुर। मामूली राजनैतिक विवाद में अपने ही बोलेरो से कुचलकर एक व्यक्ति की हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस टीम ने सोमवार को गिरफ्तार किया। जिसका खुलासा एसपी संतोष मिश्र ने पुलिस लाइन में मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान किया। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 और 504 में कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। एसपी ने बताया कि घटना का अनावरण करने के लिए एडिशनल एसपी और क्षेत्राधिकारी सिटी के नेतृत्व में टीम गठित कर अपराधी की जल्द गिरफ्तारी का निर्देश दिया था। भौतिक साक्ष्य और मुखबिर की सूचना पर विंध्याचल थाना क्षेत्र के विजयपुर निवासी अमजद खान पुत्र अजहर अली उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया गया। कक्षा 9 तक की पढ़ाई करने के बाद वह काम की तलाश में लगा रहा। इसके बाद वह वाहन चलाने लगा था। विन्ध्याचल थाना पर 12 जून को कोलाही गाँव निवासी निवासी राकेशधर दुबे पुत्र यज्ञ नारायण धर दुबे ने नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध अपने छोटे भाई की हत्या करने के सम्बन्ध में तहरीर दी थी। विंध्याचल थाना क्षेत्र के महोखर में किराये की गाड़ी लेकर बारात में गए चालक अमजद खां ने मोदी योगी की प्रशंसा करने पर दूल्हे के चाचा राजेशधर दुबे को गाड़ी से रौंदकर सोमवार को मार डाला था। पहली बार शरीर पर गाड़ी चढ़ाया फिर दुबारा बैक करके सिर पर चढ़ा दिया था। मौके पर ही उनकी हत्या कर आरोपी फरार हो गया था। मृतक राजेशधर दिल्ली में दवा का व्यापार करते थे। जो अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए आये थे। विंध्याचल थाना प्रभारी अतुल कुमार राय ने दल बल के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया। कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

10 परीक्षा केन्द्रों पर 15 जून को संपन्न होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

तैयारी पूरी

प्रत्येक केन्द्रों पर तैनात किए गये स्टैटिक मजिस्ट्रेट, उपजिला मजिस्ट्रेट करेंगे निगरानी

परीक्षा केन्द्र के अन्दर मोबाइल व इलेक्ट्रानिक यंत्र ले जाना रहेगा वर्जित

परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में बन्द रहेंगे फोटोकापी सेंटर

जनसंदेश न्यूज

अधिकारियों को संबोधित करते एडीएम व एसपी सिटी

मीरजापुर। आगामी 15 जून को आयोजित होने वाली बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2023 को नकल विहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत मंगलवार को जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल की अध्यक्षता में स्थानीय सिटी क्लब के सभागार में सभी केन्द्र व्यवस्थापकों व प्राचार्यो के साथ बैठक आहूत कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

परीक्षा को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत उप जिला मजिस्ट्रेट को केन्द्र प्रतिनिधि के रूप में तैनाती कर परीक्षा केन्द्रों की निगरानी के विभाजित किया गया हैं। इसके अतिरिक्त सभी परीक्षा केन्द्रो पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं उप नोडल समन्वय द्वारा नामित पर्यवेक्षक को भी लगाया गया है। जनपद में लगभग 4000 परीक्षार्थियों के लिये जनपद में 10 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। परीक्षा केन्द्र 15 जून 2023 को दो सत्रो में प्रथम सत्र पूर्वान्ह 09 बजे से 12 बजे तक एवं द्वितीय सत्र अपरान्ह 02 बजे से 05 बजे तक सम्पन्न कराया जायेगा। समस्त परीक्षा केन्द्रो की निगरानी के लिये अपर जिला मजिस्ट्रेट शिव प्रताप शुक्ल को नगर प्रभारी तथा विश्वविद्यालय द्वारा नामित डॉ अशोक कुमार सिंह प्राचार्य के0बी0 कालेज को उप नोडल अधिकारी को बनाया गया हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 ने केन्द्र व्यवस्थापको एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों व परीक्षा कार्य से सम्बद्ध कार्मिक को निर्देशित करते हुये कहा कि परीक्षा केन्द्र पर प्रत्येक दशा में प्रातः काल 08 बजे तक अपने-अपने परीक्षा केन्द्रो पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाये। प्रत्येक परीक्षा कक्ष में लगाये गये सी0सी0टी0वी0 कैमरा क्रियाशील होना चाहिये इसके लिये केन्द्र व्यवस्थापक पहले से ही निरीक्षण कर ले।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में सभी फोटोकापी की दुकानें साइबर कैफे तथा पी0सी0ओ0 परीक्षा केन्द्र के दौरान पूर्णतया बन्द रहेंगे।

इस दौरान उप जिला मजिस्ट्रेट सदर चन्द्रभानु सिंह, मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर नीरज पटेल, उप जिला मजिस्ट्रेट लालगंज भरत लाल सरोज, अपर उप जिला मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ यादव, के अलावा सभी परीक्षा केन्द्र व्यवस्थापक व प्राचार्य उपस्थित रहें।

अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें कर्मचारी

बोलीं जिलाधिकारी

बड़े भाग्य से मिलता है जनता की सेवा का मौका

द्विवार्षिक अधिवेशन में डीएम ने दिया संदेश

जनसंदेश न्यूज

कर्मचारियों को संबोधित करतीं डीएम

मीरजापुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश मीरजापुर शाखा के द्वारा मंगलवार को स्थानीय सिचाई विभाग के विश्व सरैय्या सभागार में द्विवार्षिक अधिवेशन/चुनाव का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सभी लोग जो जिस पद पर जिसके सेवा के लिये आये है उसे पूरी पारदिर्शता व निष्ठा के साथ कार्य करते हुये उसे न्याय दिलाने का कार्य करें यही हम सबका मूल कर्तव्य हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास योजनाओं व जन कल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर व पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है जो भी दूर दराज गांव से गरीब व पीड़ित व्यक्ति आये उसकी पूरी बातों को सुनते हुये समाधान सुनिश्चित कराया जाय। उन्होने जनपद के कर्मचारियों अधिकारियों की प्रशंसा करते हुये कहा कि निर्वाचन, नवरात्रि मेला, वी0आई0पी0 आगमन व अन्य विकट परिस्थितियों व सीमित संशाधनों में हमारे कर्मचारियों के बेहतर व अच्छा कार्य किया हैं। उन्होने कहा कि आगे भी पारदर्शिता व निष्ठा के साथ कार्य करते हुये जनपद को देश में अच्छा स्थान दिलाया जाय। अधिवेशन के दौरान उन्होने सभी शुभकामना व बधाई देते हुये कहा कि संगठन के पदाधिकारी व कोई भी कर्मचारी जिसे भी कही कोई समस्या आती है तो वह आकर मिल सकता है उसका समाधान कराया जायेगा। द्विवार्षिक अधिवेशन में विनोद कुमार तिवारी को जिलाध्यक्ष, प्रशान्त कुमार मिश्र को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राकेश कुमार तिवारी जिला मंत्री, पूनम सिंह सम्प्रेक्षक, बृजेश सिंह को संयुक्त मंत्री तथा संतोष कुमार को संगठन मंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। सम्पूर्ण चुनावी प्रकिया निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र त्रिपाठी उर्फ लल्लू तिवारी व प्रान्तीय पर्यवेक्षक चन्द्र शेखर मिश्र की देख रेख में सम्पन्न हुआ। निर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ प्रान्तीय पर्यवेक्षक द्वारा दिलायी गयी। अधिवेशन में मीरजापुर के विभिन्न सेवा संगठनों के अध्यक्ष/मंत्री सहभाग किया। कार्यक्रम का सफल संचालन लल्लू तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, राजेन्द्र तिवारी, सिचाई विभाग के सहायक अभियन्ता आदि उपस्थित थे।

नवोदय के छात्रों ने दिखाया दमखम

मड़िहान। संत रविदास नगर जनपद के सीतामढ़ी स्थित राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं संगोष्ठी कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग कर दमखम दिखाया। विद्यालय के प्राचार्य डाक्टर एसपी त्रिपाठी के अध्यक्षता में मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति जी ट्वेंटी, प्रश्नोत्तरी, एक जीवन एक पृथ्वी, पोस्टर प्रतियोगिता एवं नारा लेखन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उपस्थित गणमान्य, अभिभावक एवं छात्रों को संबोधित किया। शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा पहचान के लिए मोहताज नही होती। समाज को नई दिशा और दशा बदल सकता है तो शिक्षा। शिक्षा के साथ समय समय पर प्रतियोगिता से बच्चों में निखार आता है। विद्यालय से प्राचार्य डॉक्टर एसपी त्रिपाठी शिक्षा निति के बारे में विस्तृत चर्चा किया। साथी शिक्षकों द्वारा साइबर ठगी के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान डाक्टर एसपी त्रिपाठी, बबिता दूबे, मंजू सिंह, अनामिका, अनूप गुप्ता आदि शिक्षक अभिभावक तथा छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

समस्याओं का करें त्वरित निस्तारण : एसपी

एसपी ने किया थाने का निरीक्षण दिया आवश्यक दिशा निर्देश

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने मंगलवार को चुनार थाने का निरीक्षण किया। एसपी ने सर्वप्रथम सलामी गार्द का निरीक्षण किया। इस दौरान थाना कार्यालय, परिसर, बैरक व मेस आदि का भ्रमण कर परिसर में माल मुकदमाती वाहनों के रख रखाव एवं परिसर की साफ सफाई सहित अन्य बिन्दुओं पर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया तथा कार्यालय भ्रमण के दौरान सीसीटीएनएस कक्ष, साइबर, महिला हेल्प डेस्क, जन सुनवाई डेस्क आदि का भी निरीक्षण कर उपकरणों एवं अभिलेखों के सही रख रखाव तथा आने वाले फरियादियों के साथ विनम्र व सही व्यवहार कर उनकी समस्याओं को सुनकर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। साथ ही पुलिसकर्मियों को आवंटित क्षेत्र सम्बन्धित बीट बुक को चेक करते हुए पुलिस कर्मियों से प्रश्नोत्तरी कर उनके क्षेत्र तथा पुलिसिंग के सम्बन्ध जानकारी लिया।

थाना चुनार पर नियुक्त ग्राम प्रहरियों की गोष्ठी कर उन्हें उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए ग्राम प्रहरियों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत भी किया।

तत्पश्चात जनप्रतिनिधि एवं थाना चुनार क्षेत्र के संभ्रान्त लोगों के साथ गोष्ठी कर उनकी समस्याओं को सुनते हुए पुलिस के हर सम्भव सहयोग हेतु आश्वस्त भी किया। समस्याओं के निस्तारण पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी चुनार, प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार सहित पुलिस के अन्य अधिकारी ब कर्मचारी मौजूद रहें।

संक्षेप

सभी रक्तवीरों व पदाधिकारियों के लिए गौरव का पल

मीरजापुर। मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ आर बी कमल ने विन्ध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के निस्वार्थ सेवा की सराहनीय और सदैव संस्था का सपोर्ट करने को कहा। आप सभी के सहयोग से रक्तदान के क्षेत्र में कार्यरत आपकी संस्था विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट मीरजापुर ने पुनः एक बार पहले नंबर की संस्था बनी जो रक्तदान के क्षेत्र में आप सब के सहयोग से कार्य कर रही है यह सम्मान आप सभी रक्त वीर साथियों एवं रक्तवीरांगनाओं का सम्मान है। संस्था परिवार को मिले इस सम्मान के पश्चात संस्था के अध्यक्ष कृष्णानंद हैहयवंशी ने कहा कि यह सम्मान हमारी विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रत्येक रक्त वीरों का सम्मान है। साथ ही मिर्जापुर में मेडिकल कॉलेज के आने से रक्त की मांग काफी ज्यादा बढ़ी है एवं अब से हम हमेशा प्रयासरत रहेंगे कि मिर्जापुर में अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित कर सकें जिससे किसी भी जरूरतमंद को रक्त की कमी से अपनी जानना गवानी पड़े।

3 लाख 84 हजार नकद व पांच थान गहना लेकर भाग गई पत्नी

हलिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के मतवार चौकी क्षेत्र के कुशियरा गांव के जोगीबीर मोहल्ला निवासी राम अनुग्रह पटेल ने पत्नी पर घर में रखे तीन लाख चौरासी हजार रुपए नकद और पांच थान गहना लेकर भागने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को हलिया थाने में पत्नी के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। दी गई तहरीर में महिला के पति ने आरोप लगाया कि सोमवार की रात बच्चों से मोबाइल फोन लेकर पढ़ने के लिए कहा पत्नी अनूपी पटेल ने सोमवार की रात 11 बजे घरेलू बात को लेकर विवाद कर लिया। जब सभी लोग खाना खाकर सो गए तो पत्नी ने घर में रखा पांच थान गहना व घर में रखा तीन लाख चौरासी हजार रुपए नकद लेकर चली गई और कुशियरा गांव निवासी अपने रिश्तेदार के घर छिप गई। पत्नी के बारे में पूछने पर रिश्तेदारों ने कुछ भी नही बताया। मंगलवार को 12 बजे दिन पत्नी का भाई और उसका रिश्तेदार निवासी सिंगरौली मध्य प्रदेश पत्नी को बोलेरो वाहन से भगा ले गए। पत्नी तीन बच्चों को घर पर छोड़कर गई है और सातवीं बार घर से भागी है। महिला के पति ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी मतवार रविप्रकाश ने बताया कि पति की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

हलिया। स्थानीय क्षेत्र के बसुहरा गांव निवासी 30 वर्षीय रामप्रसाद अपने भाई 28 वर्षीय जोगेंद्र व रिश्तेदार लालगंज थाना क्षेत्र के मदहा गांव निवासी चिंटू के साथ एक बाइक पर सवार होकर रिश्तेदार लालगंज क्षेत्र के उसरी खम्हरिया गांव में किसी शादी समारोह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सोमवार की देर रात बाइक से गये हुए थे कि जैसे ही उसरी खम्हरिया गांव में पंहुचे थे कि पीछे से आ रहे अज्ञात वोलोरो वाहन के चालक ने तेजगति लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए पीछे से बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरों की सूचना पर पंहुची एंबुलेंस के ईएमटी संतोष भारती ने तीनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज लेकर गये। जहां पर चिकित्सक ने जोगेंद्र को मृत घोषित कर दिया जबकि दोंनो घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। मौत की सूचना पाते ही पत्नी क्रांति का रो रो कर बुरा हाल हो गया था। मृतक के पास एक-दो वर्ष की बेटी है तथा खेती बारी कर जीवन यापन करते थे। लालगंज पुलिस मेमो के आधार पर पोस्टमार्टम की अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई है। घटना की सूचना पर मृत युवक के परिजन भी व लालगंज पंहुच गये।

30 तक हर हाल में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें सीएम आवास

हलिया। स्थानीय ब्लाक सभागार में मंगलवार को बीडीओ कुलदीप कुमार ने ग्राम पंचायत सचिवों व तकनीकी सहायकों व रोजगार सेवकों के साथ बैठक कर विकास कार्यों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। ग्राम पंचायतों में वृद्धा, निराश्रित, दिव्यांग पेंशन योजना के लाभार्थियों का सत्यापन कर रिपोर्ट एक सप्ताह में उपलब्ध कराए। ग्राम पंचायतों में राशनकार्ड के लाभार्थियों का भी सत्यापन करें। नये मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत लाभर्थियों की पत्रावली को उपलब्ध कराए। वित्तीय वर्ष 2022-23 के 53 मुख्यमंत्री आवास को 30 जून तक हर हाल में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। मनरेगा योजना के तहत बनाए जाने वाले अमृत सरोवर की प्रगति धीमी होने पर तेजी के साथ कराने का निर्देश दिया। आगामी माह में ग्राम पंचायतों में होने वाले पौधरोपण के लिए ग्राम पंचायत में गड्ढा का खुदान कराते हुए आईडी तैयार करें। ग्राम पंचायतों में बनने वाले खेल मैदान वाटर लेवल को रोजगार सेवक नापी करें। ग्राम पंचायतों में संचालित पशु आश्रय स्थल पर भूसा के लिए डिमांड दिया जा रहा है लेकिन दिन में पशुओं को भुसा न देकर जंगल में चराया जा रहा है। इस दौरान एडीओ पंचायत रुपेश श्रीवास्तव, एडीओ सहाकारिता धर्मेंद्र निषाद, एडीओ एजी नरेंद्र कानापुरिया, एडीओ आईएसवी राजाराम, एडीओ एसटी मनोहर लाल, आदि उपस्थित रहे।

फर्जी बैनामा करने के आरोप में भेजा जेल

मीरजापुर। थाना चुनार पर बीते 28 जुलाई 2022 को जितेन्द्र सिंह पुत्र अनन्त राम सिंह की लिखित तहरीर के आधार पर नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी कर आर्थिक लाभ की नियत से बैनामा कराने के सम्बन्ध में दी गयी थी। मंगलवार को उ0नि0 सुखबीर सिंह मय पुलिस बल द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र से अभियोग से सम्बधित अभियुक्त राकेश कुमार सिंह पुत्र लालमणि सिंह निवासी प्रतापपुर परगना हवेली थाना अदलहाट को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सड़क दुर्घटना में दो की हालत गंभीर

लालगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के लहंगपुर चौकी अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर स्थित मलेट्री कंपाउंड के पास मंगलवार को दोपहर एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार लालगंज थाना क्षेत्र के राकेश पटेल निवासी बरकछ व कैलाश पटेल निवासी नदगहना एक बाइक पर सवार होकर मिजार्पुर से लालगंज की तरफ जा रहे थे कि राष्ट्रीय राजमार्ग के मलेट्री कंपाउंड के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गए जिससे दोनों लोग सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही राहगीरों के साथ पुलिस ने दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उपचार के लिए भेजा गया।

पंचायत भवन से गायब हुआ इन्वर्टर बैटरी

अहरौरा। राजगढ़ विकास खंड में स्थित स्थानीय थाना क्षेत्र के सोनवर्षा खुर्द ग्रामपंचायत भवन का ताला तोड़कर चोर सोमवार की रात्रि इन्वर्टर बैटरी सहित अन्य सामान उठा ले गए। ग्राम प्रधान राम ललित ने बताया कि रात्रि में चोरों ने पंचायत भवन के दरवाजे का ताला तोड़कर उसमें रखे इन्वर्टर बैटरी उठा ले गये। सुबह सफाई कर्मचारी पहुंचा तो पंचायत भवन का ताला टूटा हुआ था। इसकी सूचना ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी को दी। सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान और ग्राम विकास अधिकारी मौके पर पहुंचे और चोरी की लिखित सूचना इमिलिया चट्टी चौकी पर दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। थानाध्यक्ष कुमुद शेखर सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

सीडीओ ने तकनीकी सहायक का रोका मानदेय

मीरजापुर। मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने विकास पहाड़ी ग्राम पंचायत-कोटवाँ में मनरेगा योजनान्तर्गत चकरोड़ निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम पंचायत-हिनौती में इण्डिया मार्का हैण्डपम्पों एवं ओवर हेडटैंक, ग्राम पंचायत-बेलवन में मनरेगा योजनान्तर्गत निमार्णाधीन अमृत सरोवर तथा यूपीनेडा द्वारा बाबूजी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजनान्तर्गत स्थापित सोलर स्ट्रीट लाइट सयंत्रों का निरीक्षण किया गया। मौके पर उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक को निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने के पूर्व ही झण्डारोहण हेतु फ्लैगआफ सहित अमृत सरोवर का निर्माण गाईडलाइन के प्रत्येक बिन्दु के अनुसार कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेविकास को निर्देशित किया गया कि जिन श्रमिकों द्वारा 100 का कार्य पूर्ण कर लिया गया हो उनका श्रमिकों का श्रम विभाग में पंजीकरण कराते हुए श्रमिक कार्ड बनवाया जाना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के समय अधिशासी अभियन्ता-यू0पी0सिडको, परियोजना अधिकारी-नेडा, खण्ड विकास अधिकारी पहाड़ी, सहायक विकास अधिकारी (सॉ0), अवर अभियन्ता-ग्रा0अ0वि0, सम्बन्धित सचिव, ग्राम प्रधान, तकनीकी सहायक व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना अहरौरा पर बीते 11 जून को थाना अहरौरा निवासी एक व्यक्ति द्वारा एक नामजद अभियुक्त के विरूद्ध तहरीर दी गई थी। जिसके आधार पर थाना अहरौरा पर धारा 354,506,504 भादवि व 7/8 पाक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक कुमुद शेखर सिंह मय पुलिस बल द्वारा थाना अहरौरा पर पंजीकृत मुकदमा से सम्बन्धित आरोपी सुनील कुमार सोनकर पुत्र बचाउ लाल सोनकर निवासी ग्राम जसवाँ थाना अहरौरा को गिरफ्तार कर कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

सामूहिक दुष्कर्म में आरोपी को मिली 20 वर्ष की सजा

मीरजापुर। डीआईजी के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एसपी द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत पैरवी कराई जा रही थी, जहां न्यायालय ने नाबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी रियाज अली उर्फ मुन्ना जिसके विरुद्ध 23 मार्च 2013 को थाना चुनार पर एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को जबरदस्ती ऑटो में बैठाकर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म के करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी थी जहां न्यायालय द्वारा कार्रवाई के क्रम में आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास व 37,500 रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई गई।

12 जुलाई से शुरू होगा भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह जुलाई में वेस्टइंडीज का दौरा करेगी। भारतीय टीम 12 जुलाई से शुरू हो रहे वेस्टइंडीज दौरे में दो टेस्ट मैच, तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच खेलेगी। भारतीय टीम के दौरे की शुरूआत टेस्ट सीरीज से होगी जिसके बाद 13 अगस्त तक चलने वाले इस दौरे में एकदिवसीय मैच और अंत में पांच टी-20 मैचों की सीरीज होगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 20 से 24 जुलाई के बीच त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल मैदान में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज के बाद तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी होगी, इसमें पहले दो मैच 27 और 29 जुलाई को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेले जाएंगे। वहीं तीसरा एकदिवसीय मैच एक अगस्त को त्रिनिदाद में ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। तीन अगस्त को ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहला मैच होगा हसके बाद छह और आठ अगस्त को गुयाना नेशनल स्टेडियम में दूसरा और तीसरा मैच खेला जाएगा। वहीं 12 और 13 अगस्त को चौथा और पांचवां टी20 मैच फ्लोरिडा में खेला जाएगा।

बीसीसीआई नहीं चाहता था विराट टेस्ट कप्तानी छोड़ें : गांगुली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने का कारण वही बता सकते हैं। कोहली ने जिस समय कप्तानी छोड़ी थी, उस समय गांगुली ही बीसीसीआई अध्यक्ष थे और दोनो के बीच मतभेद की बातें भी सामने आयीं थीं। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने पर सहमत नहीं था। दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद उनका ये फैसला हमारे लिए अप्रत्याशित था। विराट ने कप्तानी क्यों छोड़ी, वे ही इस बारे में बता सकते हैं हालांकि इस बारे में बात करने का अब मतलब नहीं है क्योंकि कोहली के टेस्ट कप्तानी छोड़ने के बाद चयनकताओं को नये कप्तान का चयन करना था। ऐमें में सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर रोहित शर्मा को कप्तानी दी गयी।

वहीं कप्तान बदलने का भी कुछ खास लाभ नहीं हुआ क्योंकि रोहित भी आईसीसी टूनार्मेंट में अब तक असफल रहे हैं। टी20 विश्वकप के बाद टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी हार मिली.

गांगुली ने कहा कि मैं चाहता हूं कि रोहित निडर होकर टीम का नेतृत्व करें। हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए काफी समय है। टीम में रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह हैं. हालांकि बुमराह के फिट होने को लेकर अभी कोई नहीं जानता।

गांगुली ने कहा कि टीम में मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी हैं। यह टीम जीतेगी।

डब्ल्यूटीसी में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव तय : कार्तिक

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में मिली हार के बाद अब भारतीय टीम में बदलाव होने तय हैं। भारतीय टीम के वेस्टइंडीज दौरे का कार्यक्रम जारी हो गया है। इस दौरे के साथ ही डब्ल्यूटीसी का नया सत्र भी शुरू हो जाएगा। भारतीय टीम 12 जुलाई से 13 अगस्त के बीच दो टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी-20 अंतराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार टी-20 सीरीज में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। इसके अलावा चेतेश्वर पुजारा का बाहर होना भी तय है। पुजारा डब्ल्यूटीसी मुकाबले में रन नहीं बना पाये थे। हाल में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी सामने आये हैं और माना जा रहा है कि अब टीम प्रबंधन उन्हें अवसर देगा। वहीं अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इस मामले को लेकर कहा कि कई अनुभवी खिलाड़ी 30 वर्ष के हो गय हैं। ऐसे में मुख्य कोच राहुल द्रविड़ पर ये निर्भर रहेगा कि वह किसे रखना चाहते हैं और किसके साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। जसप्रीत बुमराह, राहुल, श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत इस टीम में फिट होते हैं। ये तीनों ही अभी फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। कार्तिक ने उन खिलाड़ियों का नाम भी बताया , जिन्हें टेस्ट लाइन-अप में रखा जा सकता है। इसमें पहले नंबर पर यशस्वी जायसवाल हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सरफराज खान हैं। सरफराज ने भी घरेलू क्रिकेट में जमकर रन बनाये हैं। अन्य नाम तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का है। उन्होंने कका कि गेंदबाज के रूप में उमेश यादव और शार्दुल ठाकुर प्रभावी नहीं थे और रोहित ने सोचा होगा। हां शार्दुल ने बल्ले से योगदान दिया, लेकिन क्या हम हमेशा उसे एक ऐसे गेंदबाज के रूप में देखेंगे, जो बल्लेबाजी कर सकता है या एक शुद्ध ऑलराउंडर। मैं एक ऐसे गेंदबाज के रूप में अधिक सोचूंगा जो बल्लेबाजी कर सकता है।

मियामी में एनबीए फाइनल्स के बाद डेनवर नेगेटस के निकोला जोकिक को बिल रुसल एमपीवी अवार्ड दिये जाने पर उत्साहित होते हुए टीम के सदस्य और समर्थक।

महिला एमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट में भारत ने हांगकांग को हराया

मुम्बई। भारतीय अंडर-23 टीम ने हांगकांग में जारी महिला एमर्जिंग एशिया कप में मेजबान टीम को नौ विकेट से हराकर अच्छी शुरूआत की है। भारतीय टीम की जीत में स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल की अहम भूमिका रही। श्रेयंका ने दो रन देकर पांच विकेट लिए।

पहली महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाली श्रेयंका की स्पिन के सामने हांगकांग की टीम टिक नहीं पायी और 14 ओवर में ही 34 रनों पर सिमट गयी। हांगकांग की ओर से सलामी बल्लेबाज मारिको हिल ने 19 गेंद में 14 रन बनाए। वहीं बाएं हाथ की स्पिनर मन्नत कश्यप ने दो रन देकर दो विकेट और लेग स्पिनर पार्शवी चोपड़ा ने 12 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिले छोटे से लक्ष्य को भारतीय टीम ने जी त्रीशा की नाबाद 19 रन की पारी से 5.2 ओवर में एक विकेट पर 38 रन बनाकर ही हासिल कर लिया।

सिंधु यहां इंडोनेशिया ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

प्रणय भी जीते, त्रीशा और गायत्री हारे

जकार्ता। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने यहां इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिता के पहले दौर में जीत के साथ ही प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिंधु ने स्थानीय खिलाड़ी ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को महिला एकल में सीधे गेम में 21-19 21-15 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में स्थान बनाया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। उन्हें इंडोनेशिया की इस खिलाड़ी ने इससे पहले मैड्रिड और मलेशिया मास्टर्स में हराया था।

सिंधु के खिलाफ ग्रिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरूआत करते हुए 9-7 से बढ़त बनाई पर इसके बाद इस भारतीय खिलाड़ी ने तेजी से अंक हासिल किये और ग्रिगोरिया की लगातार तीन गलतियों के साथ ही ब्रेक से 11-10 की बढ़त बना ली और इसके बाद गेम जीत लिया। वहीं दूसरे गेम में सिंधु ने बेहतर खेल दिखाया। ग्रिगोरिया ने भी काफी गलतियां की जिसका लाभ उठाकर सिंधु ने गेम और मैच जीत लिया। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार झेलनी पड़ी है।

सिंधु अग अब अगले दौर में तीसरी वरीयता प्राप्त ताइ जू यिंग से खेलना है। ताइवान की इस खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है। वहीं पुरुष एकल में भारत के एचएस प्रणय भी जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये। प्रणय ने सीधे गेम में निशिमोटो को 21-16 21-14 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रणय अब अगले दौर में हांगकांग के लोंग एंगस से खेलेंगे।

वहीं महिला युगल में भारत की ही त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी पहले दौर में ही जापान की ही रिंग इवानागा और केई नाकानिशी की जोड़ी से 22-20 12-21 16-21 से हारकर बाहर हो गयी।

आईसीसी जुर्माने से भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को हुआ भारी नुकसान

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम पर सौ फीसदी जुमार्ना लगाने से खिलाड़ियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने ये जुमार्ना लगाया था। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम पर मैच फीस का अस्सी फीसदी जुमार्ना लगाया गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारतीय टीम के खिलाड़ियों को मैच फीस का एक भी रुपए नहीं मिला। वहीं एक टेस्ट मैच के लिए अंतिम ग्यारह में शामिल खिलाड़ियों को 15 लाख की रकम दी जाती है। इसके अलावा जो खिलाड़ी अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं होते हैं या जिन्हें रिजर्व में रखा जाता है उन्हें भी 7.50 लाख रुपए दिए जाते हैं।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर मैच फीस का 80 फीसदी जुमार्ना लगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई अंतिम ग्यारह में शामिल खिलाड़ियों को 12-12 लाख रुपये का नुकसान हुआ। वहीं ऑस्ट्रेलिया पर भी आईसीसी ने यह जुमार्ना धीमी ओवर गति के लिए ही लगाया था। आईसीसी के अनुसार फाइनल में टीम इंडिया अपने निर्धारित समय से 5 ओवर पीछे थी जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 4 ओवर पीछे थी। नियम के मुताबिक एक ओवर के लिए 20 प्रतिशत मैच का फीस काटी गयी है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल को लेकर रोहित के सुझाव से सहमत हैं हॉग

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने कहा है कि विश्व चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल का फैसला तीन मैचों की एक सीरीज (बेस्ट ऑफ थ्री) के आधार पर होना चाहिये। हॉग ने कहा है कि वह इस मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा से सहमत हैं। हॉग ने कहा, मैं रोहित से सहमत हूं कि डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए तीन मैचों की सीरीज होनी चाहिए। इसमें मुझे लगता है कि चार-चार टीमों के दो डिवीजन होना चाहिए। डिवीजन वन में टॉप-4 टीमें और उसके बाद बाकी टीमें दूसरे डिवीजन का हिस्सा होनी चाहिए। वहीं एसोसिएट टीमें को डिवीजन थ्री में रखा जा सकता है।

वही इससे पहले रोहित ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में हार के बाद कहा था कि इस प्रकार के खिताबों का फैसला तीन मैचों में प्रदर्शन के आधार पर होना चाहिये। हॉग ने कहा कि आईसीसी को डब्ल्यूटीसी चक्र में कुछ प्रारूप में बदलाव करने चाहिए। वहीं इससे पहले रोहित ने सुझाव दिया था कि चक्र के अंत में शीर्ष पर रहने वाली टीमों को एक बार के मैच के बजाय तीन मैचों की सीरीज खेलनी चाहिए।

रोहित ने कहा, मैं डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलना चाहता हूं। हमने कड़ी मेहनत की पर अंत में आकर हमने केवल एक मैच खेला। मुझे लगता है कि अगले डब्ल्यूटीसी चक्र में फाइनल टीम निकालने के लिए 3 मैचों की सीरीज आयोजित करना सही होगा। हॉग इस मामले में रोहित से सहमत दिखे।

शुभमन मामले में अंपायर के फैसले से खुश हैं मैकग्रा

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार को खेले गये विश्व चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के विवादास्पद कैच को लेकर आ रहीं प्रतिक्रियाओं के बीच ही दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा का कहना है कि उन्हें लगता है कि इस तरह के अधिकांश कैच आउट करार दिए जाते हैं और अंत में वह अंपायर के फैसले से खुश हैं। मैकग्रा ने कहा कि अगर भूमिकाएं इसके विपरीत होती और भारत को भी इस तरह के कैच से लाभ हुआ होता तो उसे भी इसी प्रकार से खुशी होती। मैकग्रा ने कहा, मुझे लगता है कि ज्यादातर कैच आउट करार दिए जाते हैं। वहीं हम उन्हें नॉट आउट देने के तरीके तलाशते हैं। अगर यह कैच भारत ले रहा होता तो तब भी मुझे खुशी होती। मैं केवल ऑस्ट्रेलियाई पक्ष से नहीं कह रहा हूं।

इंग्लैंड के हालात भारतीय क्रिकेट से काफी अलग : मैकग्रा

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम की हार पर कहा कि कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है। भारतीय टीम को इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा था। एमआरएफ पेस फाउंडेशन के निदेशक मैकग्रा ने कहा, ह्यह्यकभी-कभी ऐसा हो सकता है क्योंकि इंग्लैंड के हालात भारतीय क्रिकेट से बहुत अलग हैं। इसे आप खिलाड़ियों पर ड्रेसिंग रूम का दबाव भी कह सकते है जिसमें खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ह्यह्य दोनों टीमों ने हाल ही में बहुत अधिक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है, इसके कारण भी ऐसा भी हो जाता है क्योंकि आप मैच के अंतिम दिन लक्ष्य से थोड़ा भटक जाते है। लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे को एक बड़ी साझेदारी करने की जरूरत थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये और गलत शॉट खेलकर अपने विकेट गंवा बैठे।

अश्विन मामले में गावस्कर ने रोहित और राहुल के साथ ही विराट और शास्त्री पर भी निशाना साधा

मुम्बई। भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार को प्रशंसक भूल नहीं पा रहे हैं। प्रशंसकों के साथ ही दिग्गज क्रिकेटर भी इस मामले में नाराज नजर आते हैं। अधिकतर ने अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को इस मैच में शामिल नहीं करने और भारतीय टीम के पहले गेंदबाजी के फैसले पर भी सवाल उठाये हैं। वहीं अब पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ के अलावा पूर्व कप्तान विराट कोहली और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री तक पर निशाना साधा है।

पूर्व कप्तान कोहली और पूर्व मुख्य कोच शास्त्री के कार्यकाल के दौरान भी अश्विन की अपेक्षा हुई थी।

गावस्कर ने कहा, भारत ने आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 गेंदबाज अश्विन को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए अंतिम ग्यारह से बाहर कर दिया। जबकि अश्विन ऑफ स्पिनर और और ऐसे गेंदबाज को खेलना ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल रहे 5 बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन होता। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने पहली पारी में शतक लगाया था। वहीं दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने पहली पारी में 48 और दूसरी में नाबाद 66 रन बनाये थे। इस दौरान कैरी ने अन्य बाएं हाथ के बल्लेबाज मिचेल स्टार्क के साथ 93 रन की अहम साझेदारी भी की, थी। उन्होंने साथ ही कहा, अगर अश्विन टीम में होते, तो कौन जानता है कि क्या हो सकता था।

वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। जिस प्रकार से इस अहम मैच से पहले अश्विन को बाहर किया गया है। वैसा व्यवहार पहले कभी भी नहीं हुआ है। ये छठा अवसर था, जब इंग्लैंड में टेस्ट मैच के दौरान अश्विन को अंतिम ग्यारह में नहीं रखा गया. इससे पहले साल 2021 में भारत के इंग्लैंड दौरे पर भी उन्हें पांचों टेस्ट में अवसर नहीं मिला था।

वेस्टइंडीज की एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट क्वालीफायर टीम में कीमो सहित अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी

हेटमायर बाहर हुए

एंटिगुआ। वेस्टइंडीज ने 2023 एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। हैरानी की बात है कि इस टीम में आईपीएल 2023 में शानदार प्रदर्शन करने वाले शिमरोन हेटमायर को शामिल नहीं किया गया है।

वेस्टइंडीज को सीधे प्रवेश नहीं मिला है। ऐसे में उसे पहले क्वालीफायर राउंड में खेलना पड़ेगा। क्वालीफाइंग दौर में उसे जिम्बाब्वे के खिलाफ 18 जून को खेलना है। इसके लिए टीम में ऑलराउंडर कीमो पॉल को भी रखा गया है। वहीं लंबे समय के बाद कीमो पॉल की टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, काइल मेयर्स, अलजारी जोसेफ, अकील हुसैन, रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

क्वालीफायर मुकाबले वेस्टइंडीज और श्रीलंका सहित 10 टीमों के बीच खेले जाएंगे। विश्व कप के क्वालीफायर राउंड में कुल 10 टीमें खेल रही हैं। इसमें आयरलैंड, नीदरलैंड, यूएई, श्रीलंका, नेपाल, स्कॉटलैंड, ओमान, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और यूएसए की टीमें भी भाग लेंगी। क्वालीफायर मुकाबले 18 जून से जिम्बाब्वे में खेले जाएंगे।

टीम इस प्रकार है : शाई होप (कप्तान और विकेटकीपर), रोवमैन पॉवेल (उपकप्तान), शामराह ब्रूक्स, यानिक कैरियाह, कीसी कार्टी, रोशटन चेज, जेसन होल्डर, जेसन होल्डर, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, गुडाकेश मोटी, कीमो पॉल, निकोलस पूरन (विकेटकीपर) और रोमारियो शेफर्ड।

फेसिंग खिलाड़ी यशकीरत भारतीय टीम में शामिल

चंडीगढ़। फेसिंग खिलाड़ी यशकीरत कौर का चयन भारतीय टीम में हुआ है। यशकीरत अब एशियन चैम्पियनशिप, वर्ल्ड चैम्पियनशिप, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स और एशियाई खेलों में भाग लेगी। एशियन चैम्पियनशिप 17 जून से शुरू होगी। फेसिंग कोच चरणजीत कौर ने कहा कि यशकीरत उनकी पहली ट्रेनी हैं जिसका चयन एशियन गेम्स के लिए हुआ है। उन्होंने शहर की इस खिलाड़ी के चयन पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इससे अन्या युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। कोच ने कहा कि यशकीरत ने चारों अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए दिल्ली में 5 जून तथा अमृतसर में 8 जून को ट्रायल दिया था। जिसके बाद उसे भारतीय टीम में जगह मिली थी। चयन इंडिया टीम में किया गया है। एशियन चैम्पियनशिप चीन में 17 से 22 जून तक खेली जाएगी। वहीं वर्ल्ड चैम्पियनशिप इटली में 22 जुलाई से शुरू होगी। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स चीन में 28 जुलाई से और एशियन गेम्स चीन में 23 सितंबर से 8 अक्तूबर तक होगी। यशकीरत ने इस प्रतियोगिता से पहले भी कई अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व किया है। उसने साल 2018 में जूनियर कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीता था।

उपमहाद्वीप में खेलने का लाभ डब्ल्यूटीसी फाइनल में मिला : मैकडोनाल्ड

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के अनुसार उपमहाद्वीप में खेलने से उनकी टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में फायदा हुआ। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इसमें भारतीय टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया है। मैकडोनाल्ड ने कहा, ह्यहमने उपमहाद्वीप में पाकिस्तान, श्रीलंका, भारत सभी से खेला। इस बार डब्ल्यूटीसी चक्र कठिन था पर उपमहाद्वीप में खेलने के अनुभव से हमें लाभ हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले पाकिस्तान में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी जिसमें उसे 1-0 से जीत मिली। इसके बाद उसने श्रीलंका में एक सीरीज खेली जो 1-1 से बराबरी पर रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत में भी एक सीरीज खेली थी जिसमें उसे 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था पर तीसरा टेस्ट जीतने से टीम का मनोबल बढ़ा था। मैकडोनाल्ड ने कहा, ह्यऑस्ट्रेलिया में हम काफी मजबूत हैं और लोग हमसे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीतने की अपेक्षा करते हैं लेकिन पाकिस्तान, श्रीलंका और फिर भारत में टेस्ट जीतना हमारे लिए अहम था। इससे हमने डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाई और उसे जीता। अब हमारा ध्यान एशेज श्रृंखला पर है जिसमें अब टीम इंग्लैंड में 22 साल से नहीं जीत पाने के सूखे को समाप्त करने उतरेगी।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण की जांच के लिए कजाकिस्तान सहित तीन देशों के हॉकी संघ से फुटेज और तस्वीरें मांगी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने यौन शोषण के आरोपों में फंसे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन देशों के हॉकी संघों से भी सहायता मांगी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने कजाकिस्तान, मंगोलिया और इंडोनेशिया के हॉकी संघों से सीसीटीवी फुटेज और तस्वीरें देने के लिए कहा है। इसका कारण है कि महिला पहलवानों ने साल 2016, 2018 और 2022 में इन देशों के दौरे के दौरान यौन उत्पीड़न किए जाने के आरोप लगाए थे। ऐसे में पुलिस इन देशों की सहायता से भी बृज भूषण के खिलाफ साक्ष्य एकत्र कर रही है।

महिला पहलवानों ने बृज भूषण पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। इसी मामले में पहलवानों ने बृज भूषण की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए जंतर मंतर पर धरना-पदर्शन भी किया था। हाल ही में पहलवानों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केन्द्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद अपने धरने को 15 जून तक के लिए निलंबित कर दिया था। वहीं अब पहलवानों ने धमकी दी है कि यदि 15 जून तक बृज भूषण की गिरफ्तारी नहीं होती तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। दूसरी ओर कुश्ती महासंघ में चुनाव की तैयारियां जारी हैं। इसके लिए 4 जुलाई को चुनाव आयोजित होंगे। बृज भूषण यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। इसकी वजह उनका तीन बार का अध्यक्ष के तौर पर रहने का कार्यकाल है। नियमों के तहत अब वह किसी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

विंडीज दौरे में पुजारा और उमेश की जगह यशस्वी और मुकेश को मिल सकता है अवसर

टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के लिए रिंकू, जितेश व मोहित को जगह मिलना तय

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारतीय टीम की हार के बाद अब दो अनुभवी क्रिकेटरों चेतेश्वर पुजारा और उमेश यादव का टीम से बाहर होना तय है। पुजारा और उमेश लंबे समय से लय में नहीं है और इनकी उम्र भी बढ़ रही है। ऐसे में इन क्रिकेटरों की जगह पर युवा खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को अगले माह होने वाले वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में जगह मिलना तय माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अनुभवी खिलाड़ियों की बढ़ती उम्र और खराब प्रदर्शन को देखते हुए चयन समिति भविष्य के मुश्किल दौरों के लिए खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहती है। भारतीय टीम का वेस्टइंडीज दौरा एक महीने का होगा। इस दौरे की शुरूआत 12 जुलाई से दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से होगी। टीम इसके बाद तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की श्रृंखला भी खेलेगी जिसमें हार्दिक पंड्या की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों की टीम मैदान में उतरेगी। इस टीम में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों रिंकू सिंह और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को अवसर मिलना तय माना जा रहा है। डब्ल्यूटीसी फाइनल में लगातार दूसरी हार के बाद इस बात की काफी संभावना है कि चयन समिति और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अगले डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए कुछ विकल्पों पर जरुर ध्यान देंगे।

चयन समिति के पूर्व सदस्य देवांग गांधी ने कहा, ह्यह्यआपको संतुलन बनाना ही होगा। चयन और टीम से बाहर होना एक प्रक्रिया है लेकिन आपको युवाओं और अनुभव के मिश्रण की आवश्यकता है। टीम संयोजन में आपको लंबी योजना के साथ आगामी दो साल के चक्र को भी देखना होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यमेरा मानना है कि यशस्वी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार है। उसने रणजी, ईरानी और दलीप ट्रॉफी में दोहरा शतक बनाया है। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप के लिए टीम चयन के लिए चयनकताओं के पास विकल्प की कोई कमी नहीं होगी। अगले साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले इस प्रारूप में हार्दिक पंड्या का कप्तान रहना लगभग तय है। टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका मिलेगा जिसमें रिंकू और जितेश जैसे खिलाड़ियों को जगह मिलना लगभग तय है। टीम में रुतुराज गायकवाड़ की वापसी के साथ ही यशस्वी और आईपीएल में शानदार गेंदबाजी करने वाले मोहित शर्मा को भी अवसर मिल सकता है।

रैना अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना अब लंकाई प्रीमियर लीग (एसएलसी) में खेलते हुए नजर आयेंगे। रैना को इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची में जगह मिली है। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी बुधवार 14 जून को होगी। श्रीलंका क्रिकेट ने इस लीग के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेटरों की सूची जारी की है। ये खिलाड़ी 31 जुलाई से शुरू होने वाले पांच टीम के टूनामेंट के लिए नीलामी में भाग लेंगे। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाज रहे रैना ने साल 2008 से 2021 के बीच आईपीएल के प्रत्येक सत्र में खेला है।

रैना ने 205 आईपीएल मैचों में 5500 से अधिक रन बनाए हैं जिसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। सीएसके के अलावा रैना ने आईपीएल में गुजरात लायंस की ओर से भी खेला है।वह घरेलू टूनामेंटों में उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते थे। रैना ने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारुपों से पहले ही संन्यास ले लिया था। इसी कारण उन्हें श्रीलंकाई लीग में जगह मिली है।

बिपरजॉय चक्रवात कच्छ के मांडवी तथा जखौ के बीच आगामी 15 जून को टकराएगा

चक्रवात प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की 17 और एसडीआरएफ की 12 टीमें तैनात

गांधीनगर। चक्रवाती तूफान बिपोरजॉय लतातार गुजरात की ओर बढ़ रहा और इसके 15 जून को कच्छ जिले के मांडवी और जखौसे टकराने की संभावना है गुजरात सरकार पल पल बदल रही स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं प्रभावित जिलों में बचाव कार्य युद्धस्तर जारी है चक्रवात प्रभावित जिलों एनडीआरएफ और एसडीआर एफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में बिपोरजॉय चक्रवात से जनहानि को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरी सतर्कता बरती जा रही है। मुख्य सचिव राज कुमार ने मंगलवार को गांधीनगर से तटवर्ती जिलों कच्छ, जामनगर, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जूनागढ़ ,गिर सोमनाथ मोरबी तथा राजकोट जिलों के प्रभारी मंत्रियों, प्रभारी सचिवो, जिलाधीशों एवं जिला प्रशासन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बचाव-राहत कार्यों की स्थिति का जायजा लिया तथा आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जिसमें कच्छ से केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया, मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्री प्रफुल्ल पानशेरिया, मोरबी से मंत्री कनु देसाई, राजकोट से मंत्री राघवजी पटेल और पोरबंदर से मंत्री कुंवरजी बावळिया ने उपस्थित रहकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया। राहत आयुक्त पांडे ने जिला प्रशासन की तैयारियों और समीक्षा बैठक में चर्चा के मामलों की जानकारी देते हुए कहा कि चक्रवात से कम से कम नुकसान हो इस उद्देश्य के साथ राज्य सरकार द्वारा अभी लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने के कार्य पर काफी जोर दिया जा रहा है। प्रभावित जिलों में अब तक कुल 20 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का कार्य अभी भी प्रगति पर है , जो आज शाम तक पूरा हो जायेगा। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि जूनागढ़ जिले में अब तक 500, कच्छ में 6786, जामनगर में 1500, पोरबंदर में 543, द्वारका में 4820, गिर सोमनाथ में 408, मोरबी में 2000 और राजकोट में 4031 समेत कुल मिलाकर 20588 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। राहत आयुक्त ने कहा कि चक्रवात प्रभावित जिलों में ठअक्र की 17 और रअक्र की 12 टीमों को तैनात किया गया है। ठअक्र की कच्छ में 4, देवभूमि द्वारका में 3, राजकोट में 3, जामनगर में 2 तथा जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, मोरबी तथा वलसाड में एक-एक टीम तैनात की गयी है। इसके अलावा वडोदरा में 3 और गांधीनगर में 1 टीम को रिजर्व रखा गया है। रअक्र की कच्छ, जामनगर और देवभूमि द्वारका में दो-दो टीमें हैं, जबकि जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, मोरबी, पाटण तथा बनासकांठा में एक-एक टीम तैनात है। इसके अलावा सूरत में एक टीम को रिजर्व रखा गया है। चक्रवात के बाद बिजली आपूर्ति को बहाल करने के लिए पश्चिम गुजरात वीज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) की टीमों द्वारा बिजली के खंभों सहित आवश्यक उपकरण सब स्टेशनों में उपलब्ध कराए गए हैं। पांडे ने कहा कि प्रभावित तटीय जिलों में सरकारी स्कूलों-कार्यालयों में सुरक्षित स्थानों पर शेल्टर होम तैयार किए गये हैं।जहाँ रहने, खाने और दवा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गयी हैं। इसके अलावा आस-पास के स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी व निजी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में मेडिकल स्टाफ व दवा सहित अन्यआवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई है। मौसम विभाग द्वारा तूफान की अग्रिम चेतावनी के बाद मछुआरे सकुशल लौट आए हैं। पांडेय ने आगे कहा कि राज्य सरकार बचाव कार्य के लिए संबंधित जिला प्रशासन को तत्काल सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए लगातार संपर्क में है।

मैक्सिको सिटी में मेयर पद के लिए सबसे अग्रणी उम्मीदवार क्लेडिया शेनबाम मीडिया से मुलाकात के एक समारोह में अपने समर्थकों के साथ उत्साहित नजर आयीं।

200 सीटों को जीतने का दावा करने वाली भाजपा को न्यूज चैनलों, न्यूज एजेंसियों और वेब चैनलों के सर्वे से लगा बड़ा झटका

सर्वे में सीएम फेस शिवराज की लोकप्रियता धड़ाम..

जनता को पसंद नहीं मामा शिवराज

खरीदे हुए विधायकों वाली चौथी पारी पड़ रही है भाजपा के साथ शिवराज को भी भारी

नई दिल्ली/भोपाल। मप्र में भाजपा ने 200 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन सत्ता और संगठन के खिलाफ जबरदस्त एंटी इंकम्बेसी ने भाजपा के सारे सपने पर पानी फेर दिया है। हालही में कुछ न्यूज चैनलों, न्यूज एजेंसियों और वेब चैनलों के सर्वे से पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी जिस शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर बड़ी जीत का दावा कर रही थी, सर्वे में प्रदेश की जनता ने उन्हें नकार दिया है। यानी प्रदेश की जनता के बीच मामा के रूप में ख्यात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अब उनको पसंद नहीं हैं।

गौरतलब है कि मप्र विधानसभा की सभी 230 सीटों पर इसी साल चुनाव होना है। मप्र में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। प्रदेश में अभी भाजपा की सरकार है। शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री हैं। शिवराज के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा सरकार सत्ता विरोधी लहर से लड? में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मतदाताओं को लुभाने के लिए कई लोकलुभावन योजनाओं और मुफ्त उपहारों की घोषणा की जा रही है। आगामी चुनाव से पहले ही भाजपा ने साफ कर दिया है कि शिवराज सिंह चौहान ही मुख्यमंत्री चेहरा होंगे। ऐसे में शिवराज के लिए बुरी खबर है।

शिवराज को केवल 24 फीसदी लोगों का समर्थन

एबीपी न्यूज के लिए सी वोटर ने सर्वे किया, इसमें जनता का कुछ और ही मूड है। सर्वे के अनुसार, जनता चाहती है कि भाजपा को मप्र विधानसभा चुनाव शिवराज सिंह चौहान नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चहेरे पर लड?ा चाहिए। सर्वे में सवाल किया गया कि भाजपा को मप्र में किसके चेहरे पर लड?ा चाहिए? इस पर सबसे ज्यादा 37 फीसदी लोगों ने कहा कि पीएम मोदी के चहेरे पर चुनाव लड?ा चाहिए, जबकि 24 फीसदी लोगों ने शिवराज का समर्थन किया। 20 फीसदी लोगों ने सिंधिया का भी समर्थन किया। हालांकि 19 फीसदी लोगों ने जवाब में कहा- पता नहीं।

सिंधिया का कद बढ़ रहा

खास बात ये है कि कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रदेश में कद बढ़ता जा रहा है। 20 फीसदी लोग चाहते हैं कि भाजपा को ज्योतिरादित्य सिंधिया के चहेरे पर चुनाव लड?ा चाहिए। शिवराज और सिंधिया दोनों के लगभग बराबर ही समर्थक दिख रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है सिंधिया शिवराज को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

सर्वे में मिला चौंकाने वाला जवाब

सी वोटर द्वारा किए गए ऑल इंडिया सर्वे में लोगों से सवाल किया गया कि भाजपा को मप्र में किसके चेहरे पर चुनाव लडा चाहिए। उनके सामने नरेंद्र मोदी, शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया का विकल्प रखा गया। इस सवाल के जवाब में 37 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, 24 प्रतिशत लोगों ने सीएम शिवराज सिंह चौहान, 20 प्रतिशत लोगों ने ज्योतिरादित्य सिंधिया और 19 प्रतिशत लोगों ने पता नहीं कहा। सी वोटर ने इसी हफ्ते यह सर्वे किया है। इस सर्वे में 2064 लोगों से उनकी राय ली गई। सर्वे में मार्जिन ऑफ एरर प्लस माइनस 3 से प्लस माइनस 5 फीसदी है।

सिंधिया के कारण गिरी साख

उधर, न्यूज एजेंसियों और वेब चैनलों के सर्वे में कहा गया है कि सत्ता के लालच में मार्च 2020 में जब भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थकों से बगावत करवाकर सरकार बनाई तभी से पार्टी की साख लगातार गिरती गई। एक तो भाजपा में ही दो खेमे हो गए वहीं मूल भाजपाई दूर होते चले गए। इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की साख भी गिरती गई। आज स्थिति यह है कि कभी प्रदेश की 70-75 फीसदी जनता की पसंद रहे शिवराज का अब 25 फीसदी लोग पसंद नहीं कर रहे हैं।

लोकप्रियता में कमलनाथ पड़ रहे भारी

न्यूज एजेंसियों और वेब चैनलों के सर्वे में दावा किया गया है की लोकप्रियता में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ मप्र के अन्य सभी नेताओं पर भारी पड़ रहे हैं। सर्वे में कहा गया है कि कमलनाथ की निर्विवाद छवि, स्पष्टवादिता जनता को खूब पसंद आ रही है। यही नहीं दावा किया गया है कि जहां शिवराज की सभाओं में प्रायोजित भीड़ जुट रही है, वहीं कमलनाथ को लोग सुनने आ रहे हैं। न्यूज एजेंसियों और वेब चैनलों के सर्वे में लोकप्रियता के मामले में दूसरे स्थान में ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं, जबकि शिवराज सिंह चौहान तीसरे नेबर पर हैं।

मप्र में 2003 से सत्ता में है भाजपा

मप्र में भाजपा साल 2003 से 2018 तक लगातार सत्ता में रही। 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा वापसी नहीं कर पाई। इस चुनाव में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। कांग्रेस ने निर्दलीय विधायक और सपा-बसपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। 230 सीटों में से कांग्रेस 114 सीटें जीतकर सत्ता पर काबिज हो गई। जबकि भाजपा को सिर्फ 108 सीटें नसीब हुई। हालांकि कांग्रेस ज्यादा समय सत्ता में नहीं रह सकी। साल 2020 में 21 विधायकों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और भाजपा का दामन थाम लिया। 2020 में मध्य प्रदेश में कमलनाथ सरकार गिर गई और शिवराज सरकार बन गई।

रूसी पक्ष ने यूक्रेनी सीमा पर घमासान लड़ाई की बात कही

मास्को। रूस द्वारा नियुक्त अधिकारी और रूसी समर्थक ब्लॉगरों ने यूक्रेन के दोनेत्स्क और जपोरिजिया इलाकों में घमासान लड़ाई की रिपोर्ट दी है। इन इलाकों में प्रतिघात की शुरूआत के बाद पिछले दिनों यूक्रेनी सेना ने अच्छी बढ़त हासिल की है। मोकरी यली नदी के दोनों किनारों पर वेलीका नोवोसिल्का शहर के दक्षिण में लड़ाई चल रही है।

एक रिपोर्ट में रूसी-स्थापित जपोरिजिया प्रशासन के एक सदस्य व्लादिमीर रोगोव ने वर्मीवका रिज के रूप में जाने वाले क्षेत्र में भारी लड़ाई की बात स्वीकार की हालांकि उन्होंने यह भी दावा किया कि उच्च भूमि रूसी नियंत्रण में रही। उन्होंने कहा कि रूसी हमलावर हेलीकॉप्टर सक्रिय थे और उरोजाइन गांव के आसपास के क्षेत्र में पारस्परिक गोलाबारी और घमासान लड़ाई जारी है। रोगोव ने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेनी सेना गांव के उत्तरी और पूर्वी बाहरी इलाके में अपनी स्थिति बनाए हुए थी। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने आगे दावा किया कि मकरिवका के पास के गांव में 127वें डिवीजन के त्वरित और प्रभावी पलटवार से दुश्मन को पहले ही खदेड़ दिया गया है।

उधर यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने दोनेत्स्क और जपोरिजिया सीमा क्षेत्र में लड़ाई पर टिप्पणी करते हुए कहा दुश्मन के नुकसान बिल्कुल वैसे ही हैं जो हमें चाहिए। महीनों की अटकलों के बाद 10 जून को जेलेंस्की द्वारा बहुप्रतीक्षित यूक्रेनी जवाबी हमले की शुरूआत की घोषणा की गई।

व्लेडिवस्टोक में पारंपरिक परिधान पहनकर रुस दिवस पर आने वाले मेहमानों का स्वागत करते हुए लोग।

नाइजीरिया की आतंकियों पर एयर स्ट्राइक

बोको हरम के 100 आतंकी ढेर कई भागते नजर आए

अबुजा। नाइजीरिया की एयरफोर्स ने हाल ही में आतंकी संगठन बोको हरम के एक ठिकाने पर एयर स्ट्राइक की। इसका लाइव फुटेज भी जारी किया। एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। बोको हरम ईस्ट अफ्रीका का सबसे खतरनाक आतंकी संगठन है। इस क्षेत्र के कई देशों में इस संगठन की मजबूत पकड़ है। यह टेरर आउटफिट ड्रग्स स्मगलिंग और किडनैपिंग से वसूली जैसे गैरकानूनी काम भी करता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक- बोको हरम के आतंकियों की लोकेशन एक इंटेलिजेंस रिपोर्ट से मिली थी। दरअसल, यह सभी आतंकी बोको हरम की एक यूनिट जेएएस के थे। एयरफोर्स ने इस ऑपरेशन के लिए करीब एक हफ्ते तैयारी की और फिर वोजा इलाके में इसे अंजाम दिया। ये वो इलाका है जिसे इस आतंकी संगठन का गढ़ माना जाता है। एयरफोर्स ने 9 से 11 जून के बीच कई एयर स्ट्राइक्स कीं। यह मंदारा क्षेत्र का पहाड़ी इलाका है और यहां ग्राउंड ऑपरेशन करना मुश्किल होता है, क्योंकि आतंकियों की लोकेशन पहाड़ी इलाकों में होती है और ग्राउंड फोर्सेज जब नीचे से आती हैं तो उन्हें पहाडियों से की जा रही फायरिंग का सामना करना पड़ता है।

16 को सोनभद्र आ सकते हैं सीएम योगी, प्रशासन एलर्ट

संभावना

सदर विधायक ने डीएम व एसपी के साथ कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

सोनभद्र। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जिले में संभावित दौरा/भ्रमण कार्यक्रम के तहत मंगलवार को डायट परिसर उरमौरा का सदर विधायक भूपेश चौबे के साथ जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मंच, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, मैदान की लेबलिंग कराने तथा मैदान स्थल के आस-पास के झाड़ियों आदि को जल्द से जल्द हटाते हुए मैदान में उचित प्रबन्ध व्यवस्था करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। योगी के 16 जून के सोनभद्र आने की संभावना है। इस दौरान सीएम करोड़ों रुपए की लागत की विकास परियोजनाओं को लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।

डीएम ने उरमौरा के डायट मैदान में संभावित आगामी दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रमण कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सम्बन्धित जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यमंत्री के मंच और पंडाल के व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता से जानकारी लेते हुए कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं ससमय पूर्ण कर ली जाये। इस दौरान भीड़ को नियंत्रण करने, बैरिकेटिंग, मीडिया प्रतिनिधियों आदि को कवरेज करने हेतु मीडिया सेल आदि का आवश्यक प्रबन्ध का भी जायजा लिया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था के बारे में सम्बन्धित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा व्यवस्था के कड़े प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाये। योगी के कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धितण उपस्थित रहे।

चक्रवात करेगा कराची में धमाका, बादल फटने के आसार, सिंध में आपातकाल घोषित

कराची। चक्रवात बिपारजॉय पाकिस्तान में धमाका करने वाला है। यहां यह तूफान भारी तबाही मचा सकता है। इसके डर से सिंध प्रांत में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। गौरतलब है कि चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के 15 जून को गुजरात और कराची तट में टकराने की संभावना है। पाकिस्तान के मौसम विभाग ने कराची में बादल फटने जैसी घटनाओं की आशंका जताई है। सिंध में इमरजेंसी के चलते यहां सेना की तैनाती की गई है और निचले क्षेत्रों में रह रहे करीब 80 हजार लोगों को निकालने का काम शुरू कर दिया गया है। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने बिपरजॉय को बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान बताया है। चक्रवात अरब सागर में पाकिस्तान और भारत के समुद्र तटों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने बताया कि राज्य में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। हम लोगों से अपील नहीं कर रहे, बल्कि उन्हें घरों को खाली करने के लिए कह रहे हैं। हमने सोशल मीडिया, मस्जिदों और रेडियो स्टेशनों के माध्यम से अलर्ट जारी किया है।

सिंध सीएम ने कहा कि लोगों को निकालने के लिए पाकिस्तानी नेवी की मदद ली जा रही है। अब तक थट्टा में 500 गांव वालों को निकाला जा चुका है। जबकि 1500 लोगों का रेस्क्यू जारी है। शाह बंदरगाह से 2000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। कराची में डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी ने समुद्र के किनारे के इलाकों में लोगों से 13 जून तक स्वेच्छा से घर खाली करने की अपील की है। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात पिछले 12 घंटे से उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह कराची से लगभग 550 किमी दक्षिण, थाटा से 530 किमी दक्षिण में है। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात के दौरान सतही हवाओं की स्पीड 140-150 किमी प्रति घंटा रहने की उम्मीद है। जबकि सेंटर के आस पास 170 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। समुद्र में 35-40 फीट की ऊंचाई तक लहरें उठ सकती हैं।

पाकिस्तान के सुजावल, बादिन, थारपारकर और उमरकोट जिलों में 13-17 जून तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इतना ही नहीं इन जिलों में 80-100 किमी/घंटा की तेज हवाएं भी चलने की आशंका है। बलूचिस्तान में समुद्र के किनारे बसे इलाकों में धारा 144 लागू की गई है। सभी संबंधित विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं, अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, बिपरजॉय 15 जून की दोपहर तक कच्छ के तट को पार करेगा। जिसकी रफ्तार 125-135 किमी प्रति घंटा होने का पूवार्नुमान लगाया गया है।

पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा का व्हाइट हाउस कर रहा बेसब्री से इंतजार

वाशिंगटन। भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा का व्हाइट हाउस बेसब्री से इंतजार कर रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका की भारत के साथ महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारी है और क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद समूह) में बेहतरीन सहयोग है। व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सामरिक संचार समन्वयक जॉन किर्बी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी यात्रा से पहले सोमवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री मोदी के यहां आने को लेकर उत्साहित हैं।

एक सवाल के जवाब में किर्बी ने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, अमेरिका की भारत के साथ एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारी है और क्वाड में, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के साथ बेहतरीन सहयोग है। हम पीएम मोदी की यात्रा के लिए उत्सुक हैं। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 21 से 24 जून तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे।

कंबोडिया में प्रधानमंत्री समेडेक टेको हुन सेन ब्रिगेड 70 मुख्यालय की नई इमारत के उद्घाटन समारोह में पहुंचे।

बालिका की संदिग्धावस्था में ट्रेन से कटकर मौत

दुखद

निर्वस्त्र अवस्था में क्षत-विक्षत शव मिलने से मचा हड़कंप

रेलवे ट्रैक पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़ व छानबीन करती पुलिस

मीरगंज। असवा और गरियाव गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर एक बालिका की लाश की सूचना पर पहुंची जंघई चौकी पुलिस ने मामला मुंगराबादशाहपुर पुलिस का बताते हुए मुंगरा पुलिस को अवगत कराया। जांच में पता चला की गरियांव गांव की बालिका रिंकी देवी (14) पुत्री घनश्याम गौतम की सोमवार की रात्रि में ट्रेन से कटकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि मृतिका के पिता की दो वर्ष पूर्व मौत हो गई थी तथा भाई की दिमागी हालत ठीक नहीं बतायी जा रही है। बहन पिंकी व माता सरोजा देवी का रो रो कर बुरा हाल है। मां सरोजा देवी ने गांव के दो युवकों पर आरोप लगाया है की रात में बेटी के फोन पर बगल के शन्नी का फोन आने के बाद मेरी बेटी गायब हुई और सुबह उसकी निर्वस्त्र लाश रेलवे ट्रैक पर मिली है। परिजनों की तहरीर पर मुंगराबादशाहपुर पुलिस मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी गई है।

नशामुक्त युवा ही रखेगा विकसित भारत की नींव : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

कार्यक्रम

नशा करने वालों की सामाजिक रूप से निंदा करें : संजय राय

पीयू में नशा मुक्त परिसर व जन जागरूकता पखवाड़ा की हुई शुरूआत

कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ करते मुख्य अतिथि

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में नव स्थापित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा स्वशासी महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 12-26 जून तक चलने वाले जन जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसका विषय था 'नशामुक्त परिसर और समाज'।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि हमारा पूरा प्रयास रहता है कि विश्वविद्यालय परिसर नशामुक्त बनें। नशामुक्त युवा ही सक्षम एवं विकसित भारत की नींव रखने में सहायक होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रो. शिव कुमार, प्राचार्य उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा स्वशासी महाविद्यालय ने कहा कि रोकथाम इलाज से बेहतर होता है। हमें नशे से ग्रसित व्यक्ति के साथ ही साथ उसके परिवार, मित्रों एवं परिवेश को भी समझने की आवश्यकता है। हमें इसके अंदर चल रही भावों एवं पीड़ा को समझने की आवश्यकता है। बतौर विशिष्ट वक्ता चिकित्सा महाविद्यालय के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद वर्मा ने नशा से मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया। उन्होने कहा कि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं घरेलू हिंसा से परेशान होने के बाद लोगों में नशे का सेवन करने की शुरूआत होती है। इस पखवाड़े के तहत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा इस पखवाड़ा कार्यक्रम के समन्वयक एवं नोडल अधिकारी, एंटी नारकोटिक्स ड्रग एवं डीएडिक्शन डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने उपस्थित प्रतिभागियों के समक्ष रखी। कार्यक्रम का संचालन हेदायत फात्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अविनाश पार्थडीकर ने किया। इस मौके पर वित्त अधिकारी संजय कुमार, प्रो. राकेश कुमार यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. विनय वर्मा, डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्या तथा करीब 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

दबंगो ने मार पीटकर युवक को किया घायल

सिरकोनी। जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के पास एक 26 वर्षीय युवक को दबंगो ने पीटकर घायल कर दिया। युवक को उपचार के लिए निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया। मुरारपुर गांव निवासी अनुराग चौहान पुत्र दिनेश चौहान अपनी बहन को उक्त टोलप्लाजा के पास रोडवेज बस पर बिठाकर घर लौट रहा था। लौटते समय राजभर बस्ती के कुछ युवकों ने लाठी-डंडे से अनुराग चौहान के ऊपर हमला कर दिया। हमले में अनुराग को काफी चोटे आयीं। स्थानीय लोगों ने किसी प्रकार से उसको दबंगो के चंगुल से बचाया।

अनुराग ने बताया कि तीन दिन पहले गांव में डॉ. चन्द्रशेखर के घर उनके लड़की की शादी थी। वहां पर नाचने गाने को लेकर विकास राजभर की गांव के कुछ युवकों ने पिटाई कर दी थी। उस घटना को लेकर उक्त आधा दर्जन से अधिक युवकों ने मुझे मारा पीटा। अनुराग ने विकास राजभर, विरेन्द्र राजभर, मनोज राजभर सहित अन्य आधा दर्जन अज्ञात लोगों के विरुद्ध तहरीर दिया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अधिवक्ताओं का तहसील में हंगामा

विरोध

सभी न्यायालयों में तालाबंदी कर किया प्रदर्शन

अनिश्चित कालीन न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय

जनसंदेश न्यूज

तहसील परिसर में प्रदर्शन कर नारेबाजी करते अधिवक्तागण

मछलीशहर। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार व घूसखोरी के खिलाफ अधिवक्ताओं ने मंगलवार को तहसील खुलते ही हंगामा शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते हुये जुलूस निकाला तथा सभी न्यायालयों में तालाबंदी करा दिया। अधिवक्ताओं ने बैठक कर अनिश्चित कालीन न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय भी लिया।

तहसील सभागार में 5 जून को तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार, घूसखोरी सहित 15 बिदुओं पर समाधान के लिये अधिवक्ताओं व तहसील अधिकारियों के मध्य वार्ता हुई थी। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद ने राजस्व कर्मियों व अधिकारियों में व्याप्त भ्रष्टाचार, अवैध धन उगाही की तरफ ध्यान आकृष्ट कराते हुये तत्काल समाधान की मांग की थी। मुख्य मांगों में धारा 24 हदबन्दी, धारा 116, धारा 67(1), धारा 30(2), धारा 32/38, बैनामों के दाखिल खारिज, वरासत, सभी न्यायालयों की अविवादित पत्रावलियों के तत्काल निस्तारण की मांग किया गया था। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया, तहसीलदार मूसा राम, नायब तहसीलदार सन्तोष कुमार आदि ने 15 विन्दुओं के समाधान का आश्वासन दिया था। उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक व लेखपालों की टीम गठित कर लम्बित हदबंदी पूरा कर न्यायालय में फील्ड बुक के साथ रिपोर्ट दाखिल करने व अभियान चलाकर वरासत दर्ज कराने की बात कही और अवैध धन उगाही की शिकायत मिलने पर कार्यवाही का भी आश्वासन दिया था लेकिन वार्ता के नौ दिन बाद भी किसी बिन्दु पर अमल नहीं हुआ और न किसी के राजस्व कर्मी के विरुद्ध कार्यवाही ही हुई तो अधिवक्ता आक्रोशित हो गये। नारेबाजी व तालाबंदी के बाद अधिवक्ता भवन में साधारण सभा की बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी मांगों के निस्तारण तक अनिश्चित कालीन न्यायिक कार्य ठप्प रहेगा। 20 जून को फिर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष रघुनाथ प्रसाद, महामन्त्री बनवारी राम मौर्य, वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश चंद्र सिन्हा, जगदंबा प्रसाद मिश्रा, अशोक श्रीवास्तव, सुरेन्द्र मणि शुक्ला, सरजू प्रसाद विन्द, इंदू प्रकाश सिंह, भरत लाल यादव, आरपी सिंह, नागेन्द्र श्रीवास्तव, प्रेम बिहारी यादव, यज्ञ नारायण सिंह, सुरेश सिंह, कुंवर भारत सिंह, जेपी दूबे, संजीव चौधरी, विकास यादव, आलोक विश्वकर्मा, वीरेंद्र मौर्य सहित सभी अधिवक्ता उपस्थित थे।

संक्षेप

दुर्गा मंदिर से प्रतिमा का मुकुट चोरों ने उड़ाया

गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरसौड़ा गांव की घटना, श्रद्धालुओं में आक्रोश

गौराबादशाहपुर। क्षेत्र के सरसौड़ा गांव स्थित दुर्गा मंदिर के दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर स्थित मां दुर्गा की प्रतिमा से चांदी का मुकुट सोमवार की रात किसी समय चोरों ने चुरा लिया। घटना की जानकारी मंगलवार की सुबह मंदिर पर पूजा करने गए लोगों को हुई तो श्रद्धालुओं में आक्रोश फैल गया। चोरी गए मुकुट की कीमत लगभग 8 से दस हजार रुपए बताई जा रही है। सरसौड़ा स्थित उक्त मंदिर वर्षों पुराना है। रोज की भांति जब मंगलवार को गांव के ही एक श्रद्धालु फूले मंदिर में पूजा करने के लिए गए तो दरवाजे का ताला किसी लोहे की सरिया से चांड़कर तोड़ा हुआ मिला। जब श्रद्धालु अंदर पहुंचे तो प्रतिमा पर लगा हुआ चांदी का मुकुट गायब था। घटना की सूचना पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक इष्ट देव पांडे ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। इस मामले में पूछे जाने पर उपनिरीक्षक इष्ट देव पांडे ने बताया कि घटना की जानकारी है जांच पड़ताल की जा रही है। जल्द ही चोरी का खुलासा कर लिया जाएगा।

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

नौपेड़वा। बक्शा थाना क्षेत्र के लखनीपुर गांव के पास स्थित पेट्रोल पंप से बाइक में तेल भरवाकर निकल रहे युवक को पल्सर सवार चालक ने बुरी तरह टक्कर मारकर फरार हो गया। गम्भीर रूप से घायल युवक की मंगलवार की सुबह मौत हो गई। थाना क्षेत्र के सद्दोपुर गांव निवासी सूर्यप्रकाश सिंह ने पुलिस को दिए तहरीर में आरोप लगाया है कि करीब 40 वर्षीय चाचा विक्रम प्रताप उर्फ संतोष सिंह, भाई दिनेश सिंह के साथ सोमवार की शाम पेट्रोल पंप पर तेल लेने गए थे। साढ़े सात बजे के करीब तेल लेकर बाइक से सड़क पर खड़े थे तभी एक दूसरा पल्सर सवार युवक संतोष की बाइक में जोरदार टक्कर मारते हुए फरार हो गया। सूचना पर पहुँचे परिजन घायल संतोष को जिला अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन शव लेकर थाने पहुँचे जहां पुलिस ने आवश्यक लिखापढ़ी के पश्चात शव को पीएम हेतु भेज दिया।

बालक के साथ किशोर ने किया अप्राकृतिक दुष्कर्म

खुटहन। थाना क्षेत्र के एक गांव में 9 वर्षीय बालक के साथ गांव के ही एक किशोर द्वारा अप्राकृतिक दुष्कर्म किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। आरोप के आधार पर पुलिस ने आरोपित किशोर को हिरासत में लेकर बालक को मेडिकल जांच के लिए भेज दिया है। गांव निवासी पीड़ित बालक के पिता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि इसी गांव के 16 वर्षीय आर्यन तिवारी पड़ोस में खेल रहे 9 वर्षीय बालक को टाफी दिलाने के बहाने बगीचे की तरफ ले गया जहां उसके साथ जबरदस्ती अप्राकृतिक संबंध बनाया। किसी तरह से उसके चंगुल से छूट बालक अपने घर पहुंचा और आपबीती अपनी मां से बताया। मामला खुलते ही स्वजन आगबबूला हो गए। घटना की सूचना थाने पर दी गई। प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर योगेन्द्र सिंह ने बताया कि तहरीर में लगाए गए आरोप के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

सीएचसी के कम्प्यूटर कक्ष में पूछताछ करते डीएम

कर्मचारियों के फूले हाथ पांव

मुफ्तीगंज। स्थानीय विकास खंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का जिलाधिकारी अनुज झा ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सभी अभिलेखों की जांच की तथा कम्प्यूटर कक्ष में पहुंच कर वहां पर भी निरीक्षण किया। कम्प्यूटर कक्ष में कर्मचारियों एवं अधिकारियों से एमवाईसी के विषय में जानकारी चाही लेकिन अधिकारी सही जबाब नहीं दे पा रहे थे। पत्रकारो की टीम ने जिलाधिकारी से दवा व वैक्सिन के विषय में पूछा तो उन्होंने बताया कि एक दवा नहीं है वह भी जल्द उपलब्ध हो जायेगी। अल्ट्रासाउन्ड के विषय में उन्होंने बताया कि जिले पर इसकी ब्यवस्था है। जो डाक्टर उपस्थित नहीं थे उनके विषय में पूछा गया। जिलाधिकारी के चले जाने के बाद सीएचसी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने राहत की सांस ली।

वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत नगर के श्रीरामपुर मोहल्ले में न्यायालय से वांछित चल रहे एक वांरटी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया। नगर के श्रीरामपुर मोहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार पुत्र स्व. भारत भूषण न्यायालय में चल रहे मारपीट व दहेज अधिनियम के मुकदमे में वांछित चल रहा था। मंगलवार की सुबह एसआई वरूणेन्द्र राय, कांस्टेबल महेश कुमार ने घर से गिरफ्तार कर चालान भेज दिया।

क्षेत्र पंचायत की बैठक आज

मड़ियाहूँ। स्थानीय विकासखंड की क्षेत्र पंचायत सदस्य व प्रधानों की संयुक्त बैठक बुधवार 14 जून को सुबह 10:30 बजे से होगी। क्षेत्र प्रमुख रेखा यादव ने सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों व प्रधानों से उपस्थित रहने की अपील की है। उक्त जानकारी क्षेत्र प्रमुख रेखा यादव ने दिया है।

टेम्पो से गिरकर युवक घायल

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत एराकियाना स्थित गन्हौरा पुल के समीप टेम्पो सवार युवक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। खेतासराय थाना क्षेत्र के गोधना गांव निवासी 45 वर्षीय राम वचन पुत्र बनवारी मंगलवार की शाम खेतासराय से टेम्पो में सवार होकर शाहगंज आ रहा था। मुख्य मार्ग स्थित गन्हौरा पुल समीप अनियंत्रित होकर टेम्पो से गिरकर युवक घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने इलाज हेतु भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान हालत गंभीर देखकर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

नकली तम्बाकू के साथ एक गिरफ्तार

बरसठी। पुलिस अधीक्षक डा. अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में थानाध्यक्ष गोविन्द देव मिश्रा की टीम ने सतीश सिंह के साथ पवन किराना स्टोर सरसरा के मालिक भगेलू राम पुत्र सरजू राम निवासी कान्हपुर थाना बरसठी जो नकली तम्बाकू को अवैध रूप से बेचने का कारोबार कर रहा है, को नकली तम्बाकू की 1316 पैकेट के साथ गिरफ्तार कर लिया। साथ ही धारा 63/65 कापी राइट एक्ट में पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में स0उ0नि0 राजकुमार यादव, का0 सुरेश यादव, का0 ओम प्रकाश यादव शामिल रहे।

टीम ने ईंट-भट्ठों की जांच कर वसूला साढ़े चार लाख का विनियमन शुल्क

कार्रवाई

देवकली में बिना पंजीकरण के चलता मिला ईंट-भट्ठा, दो ट्रैक्टर ट्राली जब्त

एक लाख कच्ची ईंटे भी कराई गई नष्ट

जनसंदेश न्यूज

ईंट-भट्ठों की जांच के दौरान पूछताछ करती एसडीएम नेहा मिश्रा

केराकत। एसडीएम नेहा मिश्रा के दिशा निर्देशन में जिला खनन अधिकारी राज्य कर विभाग के सहायक आयुक्त लेबर इन्फोर्समेंट ऑफिसर और जिला पंचायत इंस्पेक्टर ने मंगलवार को तहसील क्षेत्र के ईंट भट्ठों की जांच पड़ताल की।

इस दौरान खुज्जी में स्थित आरके मार्का ईंट भट्ठे से एक लाख चौरासी हजार का विनियमन शुल्क एक लाख का जीएसटी और 16 हजार रूपए जिला पंचायत शुल्क सहित कुल 3 लाख रुपए का शुल्क वसूला गया। इसी जगह बाबा एंड आशीष ईंट भट्ठे से 1 लाख 54 हजार का विनियमन शुल्क लिया गया। इसी प्रकार देवकली के गगन मार्का ईंट भट्ठा बिना पंजीकरण के फर्जी ढंग चलता मिला। अधिकारियों ने बताया कि भट्ठा न तो जीएसटी विभाग न श्रम विभाग और न ही जिला पंचायत विभाग में पंजीकृत है। संग्रह अमीन की पूर्व सूचना के बाद भी ईंट भट्ठा मालिक गायब रहे। उनका मोबाइल नंबर भी बंद मिला। अधिकारियों ने मौके से लगभग एक लाख कच्ची ईंट नष्ट कराया साथ ही दो ट्रैक्टर ट्राली जब्त कर कोतवाली थाना पुलिस को सुपुर्द कर दिया। इस मौके पर अधिकारियों ने भट्ठे के मुंशी को जिलाधिकारी के अग्रिम आदेश तक भट्ठा बंद रखने की हिदायत दी। कहा कि यदि ईंटों की निकासी, पथाई, फुंकाई और खरीद फरोख्त करने की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वॉलीबॉल सहित अन्य खेलों का आयोजन 17 से

करंजाकला। उ.प्र. स्पोर्ट्स कालेज सोसायटी लखनऊ के अधीन संचालित गुरू गोविन्द सिंह स्पोर्ट्स कालेज लखनऊ, वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कालेज गोरखपुर एवं मेजर ध्यानचनद स्पोर्ट्स कालेज सैफई जनपद इटावां में सत्र 2023-24 में कक्षा-6 में प्रारम्भिक चयन परीक्षा वाराणसी मण्डल की 17-18 जून को वॉलीबाल एवं बैडमिण्टन (बालक/बालिका वर्ग), क्रिकेट, फुटबाल (केवल बालक वर्ग) एवं जूडो (केवल बालिका वर्ग) 19-20 जून को एथलेटिक्स (केवल बालक वर्ग), हॉकी, जिम्नास्टिक, कुश्ती (बालक/बालिका वर्ग), कबड्डी (केवल बालक वर्ग) एवं तैराकी (केवल बालिका वर्ग) में आयोजित की जायेगी। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल सिन्हा ने दी है।

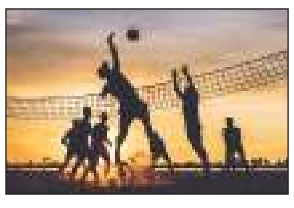

फूड विभाग की छापेमारी से दुकानदारों में मची अफरा-तफरी

रामपुर बाजार में दुकानदार से पूछताछ करती फूड विभाग की अधिकारी

मुफ्तीगंज। स्थानीय विकास खंड के रामपुर बाजार में फूड विभाग की अधिकारी तुलिका शर्मा ने कई दुकानो पर छापा मारा। उन्होंने सभी दुकानदारों के लाइसेंस चेक किया और सभी को नसीहत देते हुए छोड़ दिया।

रामपुर बाजार में मंगलवार की दोपहर फूड विभाग की अधिकारी तुलिका शर्मा बाजार में अनन्या चायनिज फूड कार्नर, जय मां लक्ष्मी किराना एण्ड जनरल स्टोर, अजय मिष्ठान भंडार पर छापा मारा और लाइसेंस की जांच की। जय लक्ष्मी किराना एवं जनरल स्टोर में छापा मारने पर डेट एक्स्पायरी का मसाला मिलने पर हिदायत देकर छोड़ दिया। अनन्या चायनिज के दुकानदार को दो किस्म का प्लेट रखने की हिदायत दिया। अधिकारी तुलिका शर्मा ने पूछने पर बताया कि इन लोगों को सुधार के लिए नोटिस जारी होगी इसके बाद सुधार नहीं आया तो इन लोगों के खिलाफ कार्यवाही होगी। अभिशेष मेडिकल की दुकान चेक किया तो उस पर खाद्य पदार्थ रखने पर लाइसेंस बनवाने की हिदायत दी। उन्होंने कहाकि जितने मेडिकल वाले खाद्य पदार्थ रखे है सभी लोग फूड लाइसेंस बनवा लें।

ट्रैक मरम्मत कार्य को लेकर तीन घंटे खड़ी रही गोदिया व सुहेलदेव एक्सप्रेस

कड़ी धूप में स्टेशन पर पानी के लिए तरसे यात्री

जफराबाद। गाजीपुर जफराबाद रेल प्रखंड पर औड़िहार के पास ट्रैक मरम्मत कार्य के लिए मंगलवार को सुबह से ब्लॉक लिया गया था। गाजीपुर की तरफ जाने वाली ट्रेन गोदिया एक्सप्रेस तीन घंटे तक रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही। सुहेलदेव जौनपुर जंक्शन पर लगभग दो घंटे तक खड़ी रही। यात्री प्यास और तेज धूप की वजह से झल्लाकर बार-बार स्टेशन मास्टर से उलझ जा रहे थे। किसी तरह उनको समझा-बुझाकर शांत कराना पड़ा। स्टेशन अधीक्षक ने यात्रियों को समझाया कि आगे ट्रैक की मरम्मत हो रही है ट्रेन नहीं जा सकती। बार-बार यात्री गोदिया एक्सप्रेस को जौनपुर जंक्शन पर जाने के लिए मांग कर रहे थे। जंक्शन पर भी रेल ट्रैक खाली नहीं था। स्टेशन अधीक्षक धीरज कुमार ने बताया कि औड़िहार में ब्लॉक लेने की वजह से जौनपुर जंक्शन पर सुहेलदेव को 10 बजे तक से 12:15 बजे तक स्टेशन पर रोकना पड़ा। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर गोदिया एक्सप्रेस 12 से दोपहर 3 बजे तक खड़ी रही। स्टेशन पर पेयजल के लिए समुचित व्यवस्था न होने की वजह से यात्री पानी के लिए इधर-उधर भटकते रहे। स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि प्लेटफार्म नंबर एक पर आए दिन पानी में लगे टोटी को यात्री तथा अन्य खुराफाती तत्व तोड़कर उठा ले जाते हैं जिसकी वजह से पानी की समस्या बनी रहती है। आसपास मार्केट न होने की वजह से एक दो छोटी चायपान की दुकानें हैं। बोतल का पानी का स्टॉक खत्म हो गया था। ऐसे में यात्री पानी के लिए तरस गए।

राष्ट्र को सशक्त बना रही है मोदी सरकार : दर्शना सिंह

बैठक

कहा, उत्तर प्रदेश की सभी सीटें जीतने का भाजपा ने लिया है संकल्प

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा का मुंगराबादशाहपुर में किसान मोर्चा के नेतृत्व में संयुक्त मोर्चा की बैठक सम्पन्न हुई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया। बैठक की मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद दर्शना सिंह रहीं। बैठक का शुभारम्भ डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष सफलतापूर्वक भारत की संकल्पना को साकार किया है। मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा को प्रभावी और सुनियोजित तरीके से पूरा किया है। हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है। भारतीय के जीवन को बदलते हुए देखते हैं तो हमें खुशी होती है। हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। आज मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई राजनीति की शुरूआत हुई है जिसने आम नागरिकों की भावना को समेट लिया है। कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार के सफल 9 साल के कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया।

संयुक्त मोर्चा की भूमिका पर भी चर्चा करते हुये मुख्य अतिथि दर्शना सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता से संवाद स्थापित करिये और पूरी टीम के साथ हम अपने रिपोर्ट कार्ड को लेकर जनता के बीच जाये। केंद्र में एक बार फिर दोबारा से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बने, इसके लिए प्रदेश की जनता से आग्रह करें। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से भाजपा की स्थिति और संकल्प है उस हिसाब से उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीतेंगे।

लोकसभा प्रभारी बृजेन्द्र राय ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज गरीब पिछड़े व अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी अपने अनुशासित कार्यकर्ताओं के त्याग, तपस्या और गतिशीलता के दम पर पिछले सभी रिकार्डों को तोड़ते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करेगी जिस तरह से निकाय चुनाव में पार्टी सभी नगर निगमों सहित नगर परिषदों, नगर पंचायतों में एकतरफा जीत का परचम फहराया है उसी तरह आगामी लोकसभा में भी सभी सीटें जीतकर परचम लहराएगी। सभा को मोर्चे के अध्यक्ष गण नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, अजय सरोज और मेराज हैदर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्रा ने किया। उक्त अवसर पर प्रमोद यादव, अर्चना शुक्ला, विश्वामित्र, राजकुमार जायसवाल, राजू केसरी, नीलम गुप्ता, पुष्पा शुक्ला, घनश्याम यादव एक समस्त मोर्चे के पदाधिकारी मौजूद रहे।

पशु तस्कर चढ़ा पुलिस के हत्थे, पुलिस को मिली कामयाबी

कार्रवाई

दो फरार पशु तस्करों की गिरफ्तारी हेतु किया जा रहा प्रयास

वध के लिए ले जाए जा रहे 22 राशि गोवंश बरामद

जनसंदेश न्यूज

बरामद गौ वंश

ज्ञानपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने भदोही पुलिस द्वारा जनपद में गौ तस्करी पर पूर्णतः विराम लगाने के निर्देश दिए हैं। एसपी के निर्देश के क्रम में जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार पशु तस्करों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाई की जा रही है।

सोमवार की रात थाना ऊंज क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थानीय पुलिस टीम द्वारा भीटी बॉर्डर से पीछा करते हुए ट्रक वाहन में क्रूरतापूर्वक वध हेतु ले जाए जा रहे कुल 22 राशि गोवंश के साथ पशु तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। गिरफ्तार पशु तस्कर के दो अन्य साथी मौके से भागने में सफल रहे, जिनकी गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है। ट्रक वाहन व गोवंश को कब्जे लेते हुए गिरफ्तारशुदा पशु तस्कर सहित दो अन्य फरार साथियों के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही किया गया। गिरफ्तारशुदा गौ तस्करों में चंदन यादव पुत्र वीरा यादव उम्र करीब 35 वर्ष निवासी अजयपुर, सलारपुर थाना भांवर कोल जनपद गाजीपुर का रहने वाला हैं। फरार तस्कर उपेंद्र यादव उर्फ गोरे पुत्र राम पूजन यादव निवासी पवनी, बक्सर, बिहार का व अभिषेक राय उर्फ धरनी राय पुत्र चुन्नू राय निवासी ग्राम ढड़नी, थाना सुहवल जनपद गाजीपुर की पुलिस को तलाश हैं। एसपी डॉ .अनिल कुमार ने बताया कि गौ तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही हैं।

गौशालाओं में तड़प रही हैं गौ माता, नहीं बंद हो रही तस्करीः देवेंद्र कुमार

गौ आश्रय स्थलों में हो रही गायों की दुर्दशा

प्रेस वार्ता करते भारतीय गौ सेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार तिवारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पप्पू तिवारी

भदोही। उत्तर प्रदेश की गौशालाओं में गौ माता तड़प रही हैं, गौ आश्रय स्थलों में गायों की दुर्दशा हो रही हैं, बड़े बड़े दावे व वादों के बीच आज भी गौ तस्करी पर रोक नही लग पायी है। यह बातें भारतीय किसान मंच एवं भारतीय गौ सेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार तिवारी ने मंगलवार को भदोही के स्टेशन रोड स्थित एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में प्रेस वार्ता के दौरान कही। भारतीय किसान मंच एवं भारतीय गौ सेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि निजी नलकूप से बिल लिया जाना किसानों की गम्भीर समस्या हैं। जबकि सरकार ने कहा था कि बिजली बिल नहीं लिया जाएगा किन्तु मीटर के हिसाब से बिल वसूला जा रहा है। इस संबंध में दो सौ किसानों से बातचीत की गई है सरकारी मीटर से बिजली लिया जाना गलत है। गौशालाओं में संचालक पशुओं को चारा पानी की व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं। पशुओं की मौत हो रही है। गौशालाओ से गाय को गायब किया जा रहा है। अभी हाल ही में 10,000 गाय ललितपुर से गायब हो गई। जहाँ अधिकारियों का दौरा होता है वहाँ उस दिन ठीक ठाक व्यवस्था कर दी जाती हैं। संगठन द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर दी गई हैं। गौशालाओ में लाइट और पानी भी नहीं है। चुनावी घोषणा पत्र में सरकार ने गौ संरक्षण की बात कही थी फिर भी गौ आश्रय स्थलों की हालत खराब है। इसके लिए बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ेगी। इस दौरान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पप्पू तिवारी ने कहा कि जनपद में अब गौ तस्करी पर कड़ी निगरानी की जाएगी और जरूरत पड़ने पर प्रशासन को अवगत कराकर कार्यवाही करने की मांग रखी जायेगी।

नकल विहीन बीएड प्रवेश परीक्षा संपन्न कराए जाने को लेकर डीएम ने की बैठक

बैठक

15 जून को जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

समस्त केंद्र व्यवस्थापक पूरी जिम्मेदारी से बीएड प्रवेश परीक्षा को सकुशल कराएं संपन्न : डीएम

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा संबंधी बैठक करते डीएम गौरांग राठी

भदोही। जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में बीएड पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र 2023-25 में प्रवेश हेतु संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023, 15 जून को शांतिपूर्ण, सुचितापूर्ण एवं नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराए जाने के संबंध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रश्न पत्र एवं ओएमआर शीट स्टैटिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में खोले जाएंगे। परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर परिधि के अंदर सभी फोटोस्टेट व साइबर कैफे की दुकानें बंद रहेगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूरी तैयारी और जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराएं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नोडल ऑफीसर, सभी केंद्र व्यवस्थापको को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी परीक्षार्थियों से मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परीक्षा केंद्रों पर जमा कराए जाने की भी व्यवस्था करें, इसे परीक्षा कक्षों में ले जाना पूर्णतया वर्जित है।

जिलाधिकारी ने बीएड प्रवेश परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों पर जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सचल दल, तथा प्रश्नपत्र लाने ले जाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल एवं परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि परीक्षा को शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने हेतु शासन द्वारा दिए गए नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो।

दिव्यांगजनो को मिलेगा ऋण

ज्ञानपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन पुनर्वासन हेतु दुकान निर्माण दुकान संचालन योजना अंतर्गत दिव्यांगजनो को 4 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज की दर से ऋण दिये जाने का प्राविधान है। इस योजना का लाभ लेने के लिए अब तक आफलाइन आवेदन किये हो या अब करना चाहते हो तो वेबसाइड पर लागिन करके आवेदक द्वारा इस आशय के लिए उपलब्ध विकल्प में जाकर निर्धारित प्रारूप पर आनलाइन आवेदन किया जायेगा। बताया कि समस्त श्रेणी के दिव्यांगजन जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी है। जिनकी वार्षिक आय समय समय पर शासन द्वारा गरीबी रेखा के लिए निर्धारित आय सीमा के दो गुने से अधिक न हो। जिनकी आयु 18 वर्ष या उससे अधिक किन्तु 60 वर्ष से अधिक न हो। जो किसी आपराधिक अथवा आर्थिक मामलो में सजा न पाये हो तथा जिनके विरुद्ध किसी प्रकार की सरकारी धनराशि देय न हो। दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला नवीनतम फोटो, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो। सक्षम प्राधिकारी के स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति अवश्य लायें।

जनपद में 13 लाख पौधरोपण करने का लक्ष्य

जनसंदेश न्यूज

तैयारी

समस्त विभागों के अधिकारियों को पौधरोपण के लिये दिए गए लक्ष्यः सीडीओ

भदोही। वर्ष 2023-24 में जनपद में 1309760 पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंगलवार को जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में करते हुए मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारियों को वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण कराये जाने हेतु कार्य योजना तैयार करने एवं सरकारी भवनों, विद्यालयों, कालेजों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को वर्तमान में लक्ष्य के सापेक्ष कितने पौधे उपलब्ध है कि सूचना उपलब्ध कराने तथा पौध रोपण हेतु बड़े पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभागीय वनाधिकारी को सरकारी नर्सरी के अलावा प्राईवेट नर्सरी से सम्पर्क कर बड़े पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष स्थल चयन एवं गढ्ढों के खुदान से संबंधित विभागों द्वारा उपलब्ध कराई गई रिपोर्ट के सत्यापन हेतु 30 जून तक स्वयं स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिला उद्यान आधिकारी से कहा कि व्यक्तिगत कृषक जो पौधे लगाने के इच्छुक हैं, इन सबकी एक सूची तैयार कर लें।

उन्होंने कहा कि यदि किसी विभाग के पास पौधरोपण हेतु भूमि उपलब्ध नहीं है तो उसकी सूचना समय से उपलब्ध करा दे। जिससे उन्हे पौधरोपण हेतु भूमि उपलब्ध करयी जा सके।

जिला पर्यटन प्रभारी ने जीर्णोद्धार कार्य का किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण कर जानकारी हासिल करती मनोकामना राय

जौनपुर। उप निदेशक पर्यटन वाराणसी एवं विंध्याचल मंडल आरके रावत के निर्देश के क्रम में प्रभारी जिला पर्यटन सूचना अधिकारी मनोकामना राय द्वारा तहसील केराकत के ग्राम उदयचंद्रपुर में रामजानकी मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने निर्माण कार्य के प्रगति की जानकारी परियोजना प्रबंधक यूनिट-37 सी. एंड डीएस उ.प्र. जल निगम के जे.ई. अरविंद से ली और मौके पर मंदिर में शेड, इंटरलॉकिंग, आरसीसी बेंच लगा पाया गया। पर्यटन सूचना अधिकारी द्वारा कार्यदायी संस्था को फर्श एवं रंगाई का कार्य कराये जाने का निर्देश दिया गया। परियोजना प्रबंधक यूनिट-37 सी. एंड डीएस उ.प्र. जल निगम के जे.ई. अरविंद के द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण करा लिया गया है। शेष कार्य को 10 दिन के अन्दर पूर्ण कराने का निर्देश प्रभारी पर्यटन जिला सूचना अधिकारी के द्वारा दिया गया साथ ही कार्य पूर्ण कराते हुए हस्तांतरण करने का निर्देश भी दिया गया। प्रभारी पर्यटन जिला सूचना अधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि शासन की मंशा के अनुरुप कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रुप से पूर्ण कराया जाए। इस अवसर पर संदीप द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित रहे।

पशुओं को लगा गला घोंटू का टीका

अभी तक तकरीबन 25 हजार पशुओं को गला घोंटू का टीका लग चुका

ज्ञानपुर। गर्मी अधिक होने के कारण टीकाकरण का रफ्तार स्लो है। बारिश के दिनों में पशुओं में गला घोंटू नामक बीमारी तेजी से फैलती है। इससे बचाव के लिए अभी से पशु पालन विभाग द्वारा पशुओं को टीका लगाया जा रहा है। अभी तक तकरीबन 25 हजार पशुओं को गला घोंटू का टीका लग चुका है। ज्ञानपुर उप पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि बारिश के दिनों में पशुओं में गला घोंटू की बीमारी होती है। इससे बचाव के लिए टीकाकरण चल रहा है लेकिन गर्मी अधिक होने के कारण ज्यादतर पशुपालक टीका नहीं लगवा रहे हैं। टीका लगने के बाद पशुओं में गला घोंटू नामक बीमारी होने का डर नहीं रहता है। पशुपालक पशुओं को गला घोंटू का टीका जरुर लगवाएं।

तीन सूत्री मांगों को लेकर समर्थकों के साथ अनशन पर बैठे कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष

मांग

केडबरिया से आनापुर मोड़ तक सड़क निर्माण में धांधली को लेकर किया क्रमिक अनशन

ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन के आनापुर मोड़ वन विभाग नर्सरी से बंद रेलवे क्रॉसिंग को खोलने की मांग

स्टेशन अधीक्षक मिथिलेश प्रसाद को रेल मंत्री के नाम पत्र सौंपते कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष माबूद खान

गोपीगंज। नगर के ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष माबूद खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्रमिक अनशन कर समस्याओं के समाधान की मांग की।

कॉग्रेस नेता ने कहा कि रेलवे की सड़क पर आर.सी.सी. रोड का निर्माण 6 माह में गड्ढों में तब्दील हो गये है। गोपीगंज क्षेत्र के तिलंगा ग्राम सभा में महाभारत कालीन पौराणिक बाबा तिलेश्वर नाथ जी का मंदिर स्थापित है जहां पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शन पूजन करने वाले श्रद्धालुओं के साथ दर्जनों गांव के लोगों का आवागमन होता है। साथ प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बच्चो के स्कूल जाने में परेशानी होती है। ऐसे में आनापुर रेलवे फाटक बंद कर दिए जाने से घोर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि धर्म के नाम पर सत्ता हासिल करने वाली भाजपा सरकार में दर्शनार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जनहित में आनापुर रेलवे क्रासिंग खोलवाने का आदेश किया जाना जनहित में है। कांग्रेस जनों ने भारत सरकार के रेल मंत्री व महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित पत्रक स्टेशन अधीक्षक मिथिलेश प्रसाद को सौंपा है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से संतोष सिंह बघेल, शशांक तिवारी, आनंद मौर्य, मोहम्मद हसनैन, कैसर खान, परवेज, नागेश आदि लोग रहे।

नगर पालिका परिषद गोपीगंज की पहली बैठक में ही बढ़ा टैक्स का बोझ

जनसंदेश न्यूज

नगर पालिका परिषद गोपीगंज की बोर्ड बैठक में उपस्थित चेयरमैन जितेंद्र गुप्ता, इओ अमिता सिंह सहित वार्ड मेंबर

निराशा

नगर वासियों को पहली बैठक में अध्यक्ष ने ट्रांसफार्मर ट्राली की दी सौगात

गोपीगंज। नगर पालिका परिषद गोपीगंज की पहली ही बैठक में नगर के विकास के साथ-साथ जनता पर टैक्स भी लाद दिया गया है। नगर के लोगों को सुविधाएं तो मिलेंगी, लेकिन जल्द ही उनसे संपत्ति कर में काफी बठोत्तरी कर दी गयी। बैठक में नगर के सौंदर्यीकरण, सफाई, पानी और बिजली सहित अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की गई। वहीं बैठक में सभासद पतियों को मीटिंग कक्ष से बाहर रखा गया। नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुई परिषद की पहली बैठक के संबंध में सभी पार्षदों को नियमों की जानकारी दी। बैठक में नगर में बढ़े हुए सीमाओं में बने भवनों के कर निर्धारण, नगर के होटल, हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, व्यावसायिक मकान, कटरा, बारात घर पर कमर्शियल कर निर्धारण, पहले की अपेक्षा जनता पर रजिस्ट्री से खरीदे गए मकानों पर पांच हजार, वसीयत पर दो हजार, वरासत पर एक हजार का कर बढ़ाया गया। जब की इसके खरीदे गए मकानों पर दो हजार, वसीयत पर एक हजार, वरासत पर पांच सौ का कर की वसूली की जाती रही। अन्य प्रस्ताओ में छोटी चौराहे पर महिला यूरिनल, पश्चिम मोहाल वार्ड 24 में पांच हॉर्स पावर के समरसेबल, वार्ड 21 में 200 मीटर बाउंड्री वॉल का निर्माण, नगर में 300 स्ट्रीट लाईट के साथ ही नगर के सभी पोल व पीलर पर लगे होर्डिंग बैनरों से कर वसूली का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पास किया गया। साथ ही नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष ने अपने वादे के मुताबिक ट्रांसफार्मर ट्राली की सौगात। बैठक में मुख्य रूप से अधिशासी अधिकारी अमिता सिंह, मंगला पांडेय, विष्णु पांडेय, आशीष उर्फ पिंटू यादव, सहित सभासद डॉ. आनंद मोदनवाल, धीरज मोदनवाल, नफीसा बेगम सहित 25 सभासद मौजूद रहे।

जनसंदेश टाइम्स प्रा. लि. के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, 8/6 ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक - प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. -0532 - 2400063
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46202**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13.

महिलाओं से सीधे संवाद कर होगा उनकी समस्याओं का निस्तारण

ज्ञानपुर। महिलाओं से सीधे संवाद व उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा जागरूकता हेतु थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट का निर्धारण किया गया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा महिला बीट अधिकारियों को उनके कर्तव्यों दायित्वों के संबंध में ब्रीफ किया गया। महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा महिलाओं के बीच पहुंचकर ग्राम चौपाल का आयोजन कर उनकी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

महिलाओं बालिकाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी जाएगी। आपातकालीन स्थिति में 112 महिला संबंधित शिकायतों के लिए 1090 व रेल यात्रा के दौरान 182 हेल्पलाइन का उपयोग के संबंध में महिलाओं को जागरूक करेंगे। महिलाओं से संवाद कर उन्हें बेझिझक बातचीत करने व अपनी समस्याओ, शिकायतों को साझा करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। सभी महिला बीट अधिकारियों को अपने बीट की महिलाओं को जोड़ते हुए व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के निर्देश दिए। उप्र शासन की मंशा के अनुरुप मिशन शक्ति अभियान फेज.5 के अंतर्गत महिलाओं बालिकाओं के सशक्तिकरण व उनके सम्मान सुरक्षा तथा महिला संबंधित समस्याओं शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट का निर्धारण किया गया है। डॉ. अनिल कुमार पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस लाईन स्थित सभागार कक्ष में जनपद के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त महिला बीट पुलिस अधिकारियों को उनके कर्तव्यों दायित्वों के संबंध में बोध करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संक्षेप

श्री दुर्गा पूजा महासमिति ने किया विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

जौनपुर। विश्व रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर जनपद की लगभग 700 समितियों की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति ने विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मंगलवार को लाइन बाजार स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के ब्लड बैंक पर श्री दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष अनिल अस्थाना के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने आईएमए के मेडिकल स्टाफ ने कतारबद्ध लोगों को बारी-बारी से रक्त जांच के उपरांत रक्तदान कराया जिसमें कि महासमिति के पदाधिकारियों के साथ समाज के विभिन्न धाराओं से जुड़े लोगों के साथ साथ नगर के खिलाड़ियों ने रक्तदान करने में गजब का उत्साह दिखाया। श्री दुर्गा पूजा महासमिति के बैनर तले विगत 9 वर्षों से रक्तदान दिवस पर शिविर का आयोजन होता रहा है। इस वर्ष महासमिती ने उक्त कार्यक्रम को 14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर न करके रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। रक्तदान शिविर में मेडिकल जांच के उपरांत कुल 28 लोगों ने उत्साह पूर्वक स्वैच्छिक रक्तदान किया। इस अवसर पर महासमिति के संरक्षक विंध्याचल सिंह, विशिष्ट सदस्य राधे कृष्णा ओझा, शशांक सिंह, मोती लाल यादव, विजय सिंह बागी, महासचिव राहुल पाठक, डॉ. एनके सिंह, डॉक्टर एके मिश्रा, बीएन दुबे, डॉ. शरद मिश्रा, अक्षत जायसवाल, स्वयं यादव आदि उपस्थित रहे।

डीसीएफ के दोबारा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गये धनंजय सिंह

जौनपुर। जिला सहकारी फेडरेशन (डीसीएफ) के अध्यक्ष पद का मंगलवार को चुनाव हुआ। इसमें भारतीय जनता पार्टी के धनन्जय सिंह निर्विरोध अध्यक्ष बने जो वरसठी विधानसभा से पूर्व विधायक रघुराज प्रताप सिंह के सुपुत्र है। उपाध्यक्ष पद पर ब्रह्मदेव तिवारी एवं अन्य 11 डायरेक्टर भी निर्विरोध चुने गए और एक नामित सदस्य शैलेन्द्र पाण्डेय चुने गये। नतीजों की घोषणा होते ही भाजपाई जश्न में डूब गए। बता दे की जिला सहकारी फेडरेशन के चुनाव को लेकर कई दिन से गहमागहमी चल रही थी। सत्ताधारी दल भाजपा ने धनन्जय सिंह को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार घोषित किया था। प्रत्याशी सार्वजनिक होने के बाद से ही माना जा रहा था कि विपक्षी पर्चा नहीं दाखिल करेंगे। मंगलवार को हुआ भी ठीक वैसा ही। पालीटेक्निक चौराहा स्थित डीसीएफ कार्यालय में हुए नामांकन में अकेले भाजपा प्रत्याशी धनञ्जय सिंह ने ही पर्चा दाखिल किया। शाम चार बजे निर्वाचन अधिकारी ने परिणाम की घोषणा कर दी। डीसीएफ कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका माल्यार्पण कर एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि यह निर्विरोध निर्वाचन भाजपा के नीतियों और सरकार के जनहित के कार्यों की जीत है। डबल इंजन कि सरकार जैसे विकास का कार्य कर रही है उम्मीद करता हूँ कि नव निर्वाचित अध्यक्ष भी किसानों के हित में जो भी विकास कार्य होगा वो जरूर करेंगे। इस दौरान धनन्जय सिंह ने कहा कि जिस तरह से फेडरेशन के सदस्यों ने मुझपर भरोसा जताया है। उसी तरह मैं भी उनके विश्वास पर खरा उतरते हुए किसानों के हित में कार्य करने के लिए संकल्पित हूँ। सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं को उन तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहूगां। स्वागत करने वालों में जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, पीयूष गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह, रोहन सिंह, रणन्जय सिंह, बेचन सिंह, नव निर्वाचित डायरेक्टरगण शैलेश सिंह, विनोद तिवारी, अशोक कुमार, रामचन्दर, नगीना, कुसुमलता सिंह, रणजीत सिंह, पूजा मिश्रा, दिलीप कुमार शर्मा, रीता देवी, संजय सिंह ने किया।

पशु तस्करों पर पुलिस का शिकंजा, दो भेजे गए जेल

सिकरारा। स्थानीय थाने की पुलिस ने सोमवार की शाम गुदरीगंज चौराहे के समीप पिकअप पर लदे 4 मवेशियों संग दो पशु तस्करों को पिकअप सहित गिरफ्तार कर लिया। पशु तस्कर मवेशियों को वध के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार पशु तस्करों को कागजी कार्रवाइ कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम चेकिंग व क्षेत्र भ्रमण निकले थे तभी गुदरीगंज चौराहे के समीप एक पिकअप मछलीशहर की तरफ से सिकरारा होते हुए जौनपुर की तरफ जा रही थी जिसे रोककर चेक किया गया। चालक निजामुद्दीन पुत्र वहाब तथा साथ में बैठा अंसार पुत्र सगीर दोनों निवासी चकराजेपुर थाना लाइन बाजार जौनपुर के है। पिकअप में चार पशु लदे हुए थे जिनके मुंह से झाग आ रहा आंखों में दया का भाव था और आंखों से आंसू निकल रहा था वे बुरी तरह हाफ रहे थे। 4 जिंदा भैंस, पड़वा मवेशियों को बरामद कर पशु क्रूरता में केस दर्ज कर उक्त दोनों को जेल भेज दिया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

खेतासराय। महिला सशक्तिकरण के तहत मंगलवार को पुलिस ने बभनौटी मोहल्ले में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। महिलाओं और युवतियों को मिशन शक्ति के बारे में जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव ने कहा कि किशोरियां अपनी मां को दोस्त मानकर अपनी बातें शेयर करें। कहीं भी आते-जाते समय कोई छेड़ता हो या पीछा करता हो तो महिलाएं बेझिझक होकर हेल्पलाइन नम्बर पर सूचना दें। जो महिला किसी बात को लेकर अपने स्वजन से न कह पाती हो वह महिला हेल्पडेस्क नंबर व महिला कांस्टेबल से अपनी समस्या कहें। पुलिस उसकी शिनाख्त गोपनीय रखेगी। डरने की कोई जरूरत नहीं है। भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर महिला सिपाही और एंटी रोमियों की टीम सादे ड्रेस में भ्रमण करती रहती है। महिलाएं बेफ्रिक होकर कहीं भी आएं जाएं, बस उनके अंदर जागरूकता और सतर्कता होनी चाहिए। इस मौके पर निर्मला पाण्डेय, रेखा प्रजापति, ललिता पाण्डेय, नैना बिंद, अनामिका बिंद, नीलम पाण्डेय, मनीषा सोनी मौजूद रहीं।

एएसपी ने विभिन्न रजिस्टरों को चेक कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

ज्ञानपुर। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक मंगलवार परेड की सलामी ली गई एवं परेड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई। परेड में एकरूपता व अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल की कार्यवाही का निरीक्षण कर उसे और बेहतर तरीके से कराने के लिए सम्बंधित को निर्देशित किया। पीआरवी वाहनों का निरीक्षण कर उपलब्ध समस्त आपातकालीन उपकरणों को चलवाकर चेक किया तथा प्रभारी यूपी 112 को निर्देशित किया गया कि पीआरवी वाहनों व उसके उपकरणों की लगातार चेकिंग करें पीआरवीकर्मी अपने.अपने स्थान पर सतर्क दृष्टि रखते हुए पब्लिक की सुरक्षा और सेवा में समर्पित रहें। पुलिस लाईन निरीक्षण के दौरान क्वार्टर गार्ड जीडी कार्यालय कैश कार्यालय शस्त्रागार बैरक भोजनालय व परिवहन शाखा आदि को चेक किया। शस्त्रागार प्रभारी को शस्त्रों की साफ.सफाई रखने व गार्द कमांडरों के रजिस्टरों की चेकिंग कर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। पुलिस बैरकों व आवासों का निरीक्षण कर सम्बंधित को मरम्मत व साफ.सफाई आदि के संबंध में आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। साप्ताहिक अर्दली रूम के दौरान विभिन्न रजिस्टरों को चेक कर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए।

कुंवर अनंत नारायण सिंह

महंत प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र

विपुल कृष्ण नागर

अष्टभुजा मिश्र

प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र व कुंवर अनंत नारायण सिंह को मिला संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

वरिष्ठ रंगकर्मी विपुल कृष्ण नागर व अष्टभुजा मिश्र भी किये गये अलंकृत

आयोजन

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सम्मान से किया अलंकृत

पुरस्कार मेरा नहीं बनारस का है: प्रो. मिश्र

वाराणसी। संकट मोचन मंदिर के महंत व आईआईटी बीएचयू के प्रो विश्वम्भरनाथ मिश्र को संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित किया गया है। इनके साथ काशी नरेश कुंवर अनंत नारायण सिंह, बनारस के वरिष्ठ रंगकर्मी विपुल कृष्ण नागर (सफदर हाशमी पुरस्कार) व अष्टभुजा मिश्र भी इस सम्मान से अलंकृत किये गये हैं। मंगलवार को लखनऊ राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने सभी को इस सम्मान से अलंकृत किया। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में प्रदेश सरकार की ओर से दिए जाने वाला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार है। ये समस्त पुरस्कार पद्मश्री डा. राजेश्वर आचार्य की अध्यक्षता काल में घोषित किये गये थे। इस सम्मान से काशी के कलाजगत में हर्ष का माहौल व्याप्त है। राजभवन में सम्मानित होने के बाद प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र ने ट्वीट कर कहा कि आज राज्यपाल से संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त किया। ये आप सभी की शुभकामना से ही संभव हुआ। यह गंगाजी के कार्य और संगीत की सेवा का यह सम्मान है। कहा कि पुरस्कार मेरा नहीं बनारस का है। काशी के हर एक व्यक्ति का है। पुरस्कार मिलने से बनारस को पहचान मिली है यह मेरे लिए बड़ी बात है। हमारा प्रयास होगा कि हम कला के क्षेत्र में अपने शहर, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। वर्तमान में प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र आईआईटी बीएचयू में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष और संकटमोचन मंदिर के महंत हैं। वरिष्ठ रंगकर्मी विपुल कृष्ण नागर का जन्म बनारस में एक गुजराती परिवार में हुआ। उनके पिता रमेश कृष्ण नागर बनारस रंगमंच के कद्दावर अभिनेता थे। पिता की प्रेरणा से विपुल तीन वर्ष की उम्र से ही रंगमंच से जुड़ गये थे। हिंदी के अलावा मराठी, गुजराती, संस्कृत व अंग्रेजी भाषाओं के 90 से अधिक नाटकों की 300 से भी अधिक प्रस्तुतियों में अभिनेता, निर्देशक व लेखक के रूप में कार्य किया। विपुल फिलहाल अहमदाबाद में रहते हैं लेकिन बनारस उनके दिल में बसता है।

प्लेन हादसे के बाद घने जंगलों में 40 दिन तक कैसे ज़िंदा रहे चार बच्चे?

शुक्रवार 9 जून की रात, कोलंबिया के घने जंगलों के बीच से सेना के वाकी टॉकी पर ज़िंदगी की वो गूंज सुनाई दी जिसके लिए पूरा देश दुआ मांग रहा था: चमत्कार, चमत्कार, करिश्मा, चमत्कार!

वॉकी टाकी पर सेना के कोडेड संदेश से लोगों को पता चला कि पिछले 40 दिनों से घने जंगलों के बीच जो चार बच्चे लापता थे, वो मिल गए हैं। ज़िंदा और सही सलामत। ये चारों बच्चे, कोलंबिया के हुईतोतो आदिवासी समुदाय के हैं। सभी बच्चे एक मई को हुए विमान हादसे के वक़्त से लापता थे। चारों बच्चे उस हल्के विमान में सफर कर रहे थे, जो एक मई को तड़के अमेजन के घने जंगलों के बीच दुर्घटना का शिकार हो गया था।

इस हादसे में बच्चों की मां की मौत हो गई थी। जिसके बाद 13 साल, 9 बरस, चार साल और एक साल के ये बच्चे उन घने जंगलों के बीच फंस गए थे, जहां पर जहरीले सांपों, खतरनाक जगुआर और मच्छरों का बसेरा है। राहत और बचाव करने वालों को शुरूआत में लगा था कि विमान हादसे में इन चारों बच्चों की भी मौत हो गई है। लेकिन, जंगल में बच्चों के पैरों के निशान, अधखाए जंगली फलों और दूसरे सुरागों ने बचाव टीमों के बीच ये उम्मीद जगा दी कि विमान दुर्घटना के बाद शायद ये बच्चे ज़िंदा बच गए और मदद मांगने के लिए हादसे वाली जगह से दूर चले गए।

विमान हादसे के बाद के छह हफ़्तों तक इन चारों बच्चों तमाम ऐसी मुश्किलों का सामना किया, जिनसे बच पाना शायद अच्छे अच्छों के बस की बात नहीं थी। इसीलिए, कोलंबिया के राष्ट्रपति ने कहा कि ह्यइन बच्चों का ज़िंदा बचे रहना एक ऐसी मिसाल है, जो इतिहास में हमेशा दर्ज रहेगा। अगर दुनिया में कभी कोई बच्चा इतने मुश्किल हालात में ज़िंदा रहना जानता है, तो वो मुकुतुई परिवार का ही हो सकता था।

इन बच्चों के दादा फिडेंशियो वैलेंशिया ने पत्रकारों को बताया कि इन चारों में दो बड़े बच्चे लेस्ली और सोलेनी, जंगल में ज़िंदा रहने उसूलों से बखूबी वाकि फ थे। उन्होंने बताया कि, हुईतोतो कबीले के सदस्य बहुत कम उम्र से ही शिकार करना, मछली पकड़ना और खाने-पीने का सामान जमा करना सीखने लगते हैं। कोलंबिया के मीडिया से बात करते हुए इन बच्चों की चाची दमारिस मुकुतुई ने बताया कि उनके परिवार के बच्चे जब बड़े हो रहे होते हैं, तो वो अक्सर खानदान के दूसरे लोगों के साथ ज़िंदा रहने का खेल खेलते हैं। उन्होंने अपना बचपन याद करते हुए बताया कि, जब हम सब बचपन में ये खेल खेलते थे, तो हम छोटे छोटे तंबू बनाया करते थे। उन्होंने बताया कि, 13 साल की लेस्ली को पता था कि कौन से फल नहीं खाने हैं, क्योंकि जंगल में बहुत से जहरीले फल भी मिलते हैं। लेस्ली को एक छोटे बच्चे का खयाल रखना भी अच्छे से आता था। विमान हादसा होने के बाद, लेस्ली ने पेड़ों की शाखों को अपने बालों के फीते से बांधकर रहने का अस्थायी ठिकाना तैयार किया था। जिस सेसना 206 विमान में बच्चे सफर कर रहे थे, उसके मलबे से लेस्ली ने फरीना नाम का एक तरह का आटा भी खोज निकाला था। जब तक ये आटा चला, तब तक बच्चे इसी पर गुजर करते रहे थे। बच्चों की तलाश के अभियान में हिस्सा लेने वाले हुईतोतो समुदाय के एक बुज़ुर्ग एडविन पाकी ने बताया कि, आटा खत्म होने के बाद, चारों बच्चे जंगली पेड़ों के बीज खाने लगे थे। एडविन पाकी

ने पत्रकारों को बताया कि, ह्यजंगलों मे पैशन फ्रूट की तरह का ही एक जंगली फल मिलता है, जिसे एविचुर कहते हैं। बच्चे जंगल में इसी फल के बीज खाकर रहते थे। एविचुर का एक पेड़ हादसे वाली जगह से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर था। कोलंबिया के परिवार कल्याण संस्थान के प्रमुख एस्ट्रिड कैसेरेस ने कहा कि ये विमान हादसा उस वक़्त हुआ, जब जंगली पेड़ों में फल आने का मौसम था, और ये बच्चे वो फल खाकर बसर कर सकते थे। फिर भी, जंगल के बेहद दुर्गम माहौल में इन बच्चों को अपनी जान बचाने के लिए बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। बात करते हुए कोलंबिया के आदिवासी समुदाय के जानकार एलेक्स रुफिनो ने कहा कि ये बच्चे जंगल के ह्यबेहद घने और अंधेरे इलाके में थे, जहां इस क्षेत्र के सबसे बड़े पेड़ पाए जाते हैं। और, वो कहते हैं कि, वैसे तो कई पेड़ों की पत्तियां ऐसी हैं, जिनसे ये बच्चे पानी को साफ करके पी सकते थे। मगर, इसी जंगल में कई पेड़ ऐसे भी हैं, जिनके पत्ते जहरीले होते हैं। एलेक्स ने कहा कि, ह्यये जंगल का वो इलाका है, जहां इंसानों की बहुत आवाजाही नहीं रही है। इन इलाकों में छोटे छोटे कस्बे हैं और वो जंगल के अंदरूनी हिस्से के बजाय नदियों के किनारों पर बसे हैं। 40 दिनों तक जंगल में शिकार करने वाले जंगली जानवरों से बचने के साथ साथ बच्चों ने भयंकर तूफानी बारिश का भी मुकाबला किया। और, हो सकता है कि इस दौरान उन्हें उन हथियारबंद गिरोहों का भी सामना करना पड़ा हो, जिनके बारे में कहा जाता है कि वो जंगल के उस इलाके में सक्रिय हैं।राष्ट्रपति पेट्रो ने बताया कि एक बार तो बच्चों को एक जंगली कुत्ते से अपनी हिफाजत करनी पड़ी थी। लेकिन, एलेक्स रुफिनो ने कहा कि इन बच्चों में 13 साल की एक लड़की भी थी, जो आदिवासी समुदाय के बीच पली बढ़ी थी। उसने ऐसे कई हुनर सीख लिए थे, जिनसे वो घने जंगलों और शिकारी जानवरों के खतरनाक माहौल के बीच ज़िंदा रह सकती थी। इन बच्चों की परवरिश कोलंबिया के दक्षिणी पूर्वी इलाके वाउपेस में हुई थी। यहां के गुआनानो समूह के नेता जॉन मोरेनो ने कहा कि बच्चों को उनकी दादी ने पाला-पोसा था। आदिवासी समुदाय के बीच इन महिलाओं का बहुत सम्मान किया जाता है। जॉन मोरेनो ने कहा कि, ह्यबच्चों ने जंगल में अपनी जान बचाने के लिए उन नुस्खों को इस्तेमाल किया, जो उन्होंने अपने समुदाय के बुज़ुर्गों से सीखे थे। उन्होंने ज़िंदा रहने के लिए अपने पुरखों के तजुर्बों का इस्तेमाल किया। कोलंबिया के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए एक वीडियो में इन बच्चों को घने जंगलों के ऊंचे पेड़ों के बीच से निकालकर हेलीकॉप्टर में बिठाते दिखाया गया था। इन बच्चों को कोलंबिया की राजधानी बोगोटा ले जाया गया, जहां सबसे पहले उन्हें एंबुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बच्चों के परिजनों ने सेना का शुक्रिया अदा किया कि बचने की बहुत कम उम्मीद होने के बावुजूद खोजी दस्तों ने उम्मीद नहीं हारी और बच्चों को घने जंगलों में तलाशते रहे।

नाटकीय बचाव अभियान

विमान हादसे के बाद जब बच्चों की तलाश का अभियान चल रहा था, तो इसकी धीमी रफ़्तार को लेकर कोलंबिया के अधिकारियों की आलोचना भी हुई थी। जब राष्ट्रपति गुस्ताव पेट्रो के ऑफि स ने बच्चों के मिल जाने का एक गलत ट्वीट किया, तो उसके लिए राष्ट्रपति की भी तीखी आलोचना हुई थी।अधिकारियों ने विमान हादसे वाली जगह के आस-पास के जंगलों में 10 हजार पर्चियां गिराई थीं। इनमें स्पेनिश भाषा और हुईतोतो आदिवासियों की जबान में, जंगल में ज़िंदा बचे रहने की तरकीबें लिखी हुई थीं। हेलीकॉप्टर के जरिए जंगलों में लाउडस्पीकर से एलान किए जाते थे, जिसमें इन बच्चों की दादी अपनी आवाज में उनका हौसला बढ़ाती रहती थीं कि बच्चों की तलाश की जा रही है। लेकिन, मीडिया की नजरों से दूर रहते हुए, कोलंबिया की सेना इन बच्चों के बेहद करीब पहुंचती जा रही थी। बचाव अभियान चला रहे दस्ते के कमांडर जनरल पेड्रो सांचेज ने बताया कि बचाव दल के सदस्य कई बार तो, उस जगह से 20 से 50 मीटर (66 से 164 फुट) की दूरी से गुजर गए थे, जहां आखिरकार बच्चे मिले थे।जब आखिरकार बच्चों को जंगल में खोज निकाला गया, उस वक़्त सेना के 150 जवान और स्थानीय आदिवासी समुदायों के 200 स्वयंसेवक उनकी तलाश में जुटे हुए थे। ये सब मिलकर 300 वर्ग किलोमीटर (124 वर्ग मील) इलाके में बच्चों को खोज रहे थे। तलाशी अभियान के दौरान जनरल पेड्रो सांचेज ने पत्रकारों से कहा था कि, ये भूसे के ढेर में से सुई की तलाश नहीं है। हमारा अभियान तो एक विशाल कालीन में से एक नन्हीं सी मक्खी खोज निकालने का है।लेकिन, एक महीने से भी ज्यादा लंबे समय तक चले खोजी अभियान का अंत शुक्रवार को हुआ, जब खास खोजी कुत्तों ने जंगलों के बीच से इन बच्चों को ढूंढ निकाला।

अनिबंधित स्टाम्प की सूचना ना देने पर कार्रवाई: जिलाधिकारी

जनसंदेश न्यूज

बैठक

स्टांप एवं निबंधन विभाग अंबेडकरनगर में रेडी रेकनर की बैठक सम्पन्न

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता मंगलवार को में स्टांप एवं निबंधन विभाग के स्टांप देयता की जानकारी हेतु रेडी रेकनर की बैठक संपन्न का आयोजन किया गया।

बैठक में निबंधन सही अन्य विभाग शामिल रहे। विभागों को विभिन्न शासनादेशों एवं स्टांप अधिनियम की धारा 33 33 ,47 रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा 17 एवं 18 आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त वर्ष 2010 में तत्कालीन मुख्य सचिव अतुल कुमार गुप्ता द्वारा जारी शासनादेश में दिए गए निदेशों एवं जिसकी पुष्टि वर्ष 2022 में वर्तमान मुख्य सचिव द्वारा दी गई। जिलाधिकारी अंबेडकरनगर ने अवगत कराया कि जिस किसी भी विभाग में कोई अनिबंधित लेख पत्र प्रस्तुत होता है उसे प्रत्येक माह की 10 तारीख के भीतर सहायक महानिरीक्षक निबंधन को भेजना अनिवार्य है, यदि उस माह में किसी कार्यालय की सूचना शून्य होती है तो वह शुन्य सूचना भी सहायक मान दीक्षित निबंधन को दी जाएगी। जिलाधिकारी अंबेडकरनगर अविनाश सिंह ने अवगत कराया की वर्तमान समय में ढेर सारी परियोजनाओं को स्टांप से छूट दी गई है। अतः करपवांचन को रोकना और गैर परंपरागत स्रोतों से स्टांप को निकालना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त जनपद के अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व ने स्टांप एवं पंजीकरण से संबंधित ढेर सारी जटिलताओं के बारे में बताया। सहायक महानिरीक्षक निबंधन अविनाश पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में जनपद के सभी तहसीलदार सभी उपनिबंधक, उप जिलाधिकारी अकबरपुर, जिला आबकारी अधिकारी, सचिव मंडी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका आदि उपस्थित थे।

अमेरिका में ट्रक ड्राइवर से राहुल गांधी ने पूछा- कितना कमाते हो?

ड्राइवर ने महीने की कमाई 8 लाख बताई तो हैरान रह गए, मूसेवाला के गाने सुने

वाशिंगटन। चंडीगढ़ के बाद राहुल गांधी ने अमेरिका में भी ट्रक की सवारी की। राहुल ने ट्रक से वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क तक का 190 किलोमीटर का सफर किया। इसका वीडियो उन्होंने शेयर किया है। इस दौरान राहुल ने भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर तजिंद्र सिंह से उनकी इनकम पूछी। ड्राइवर ने अपनी इनकम बताई तो राहुल हैरान रह गए। ड्राइवर से राहुल ने राजनीति से लेकर महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सफर के दौरान राहुल ने सिद्धू मूसेवाला का गाना भी सुना। ट्रक ड्राइवर ने राहुल से पूछा है कि क्या आप मूसेवाला का गाना सुनेंगे, वो कांग्रेस का कार्यकर्ता था, उसे इंसाफ नहीं मिला। इस पर राहुल ने कहा- हां बिल्कुल, उसका गाना लगाओ। मैं उसे काफी पसंद करता था। राहुल गांधी 30 मई से अमेरिका की यात्रा पर हैं।राहुल बोले- अमेरिका के ट्रक ज्यादा आरामदायक वॉशिंगटन से न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान राहुल ट्रक ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे रहे। राहुल ने कहा- भारत के मुकाबले अमेरिका के ट्रंक ज्यादा आरामदायक हैं। हिंदुस्तान में जो ट्रक हैं, उन्हें ड्राइवर के कंफर्ट से कोई मतलब नहीं है। वे ट्रक ड्राइवर के लिए नहीं बनाए गए हैं। तजिंद्र ने राहुल को बताया कि अमेरिका में ट्रक चलाना इज्जत का काम है। ट्रक राइड के दौरान राहुल ने तजिंद्र से उनकी कमाई पूछी और जवाब सुनकर हैरान रह गए। तजिंद्र ने राहुल को बताया कि भारत के ट्रक ड्राइवरों के मुकाबले काफी कमा लेते हैं। तजिंद्र ने कहा- रेट के हिसाब से ड्राइवरी करें तो 5 से 6 लाख बन जाते हैं।वहीं, अपना ट्रक हो तो महीने में 8 लाख रुपए तक की कमाई हो जाती है। ये जवाब सुनकर राहुल हैरान रह जाते हैं। इस पर तजिंद्र कहते हैं अमेरिका में ट्रक चलाकर अच्छा-खासा कमाया जा सकता है, जबकि भारत में ट्रक चलाने वाले ठीक से परिवार का पेट भी नहीं भर पाते हैं।

राहुल ने पूछा- भारत के ट्रक ड्राइवर्स को क्या मैसेज दोगे?

राहुल ने तजिंद्र से पूछा कि आप भारत के ट्रक ड्राइवर्स को क्या मैसेज देंगे। इस पर तजिंद्र ने कहा आप लोग बहुत मेहनत कर रहे हैं। आपके लिए शुभकामनाएं। राहुल ने आगे कहा- भारत में ट्रक चलाना दूसरी बात है, वहां ट्रक ड्राइवर का ट्रक नहीं होता, ट्रक दूसरे का होता है। इस पर तेजिंद्र ने राहुल को बताया कि यहां पैसे किसी के पास नहीं हैं। डाउन पेमेंट देकर ट्रक ले लेते हैं, बैंक से लोन लेते हैं। भारत में लोन के लिए प्रॉपर्टी के पेपर की जरूरत होती है। गरीब के पास प्रॉपर्टी के पेपर नहीं होते हैं। इसलिए किसी का भी ट्रक चलाते रहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मई में अंबाला से चंडीगढ़ का 50 किमी का सफर ट्रक से किया था। वो दिल्ली से शिमला के लिए कार से निकले थे। राहुल ने इस दौरान ट्रक ड्राइवरों से बात की और उनकी समस्याएं भी सुनी थीं।

ट्विटर बनाम सरकार की लड़ाई की असल कहानी

किसान आंदोलन से लेकर ब्लू टिक हटने तक

नई दिल्ली। ट्विटर के साथ भारत के विवाद की कहानी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी ने एक इंटरव्यू में भारत सरकार पर कई गंभीर आरोप लगा दिए हैं। उन्होंने दावा कर दिया है कि किसान आंदोलन के दौरान उन पर दबाव बनाया गया था कि उन अकाउंट्स को बंद कर दिया जाए जो या ता किसान आंदोलन को सपोर्ट कर रहे थे, या फिर सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहे थे। इस एक बयान के बाद से कांग्रेस तो मोदी सरकार पर हमलावर हो गई है, इसे फ्रीडम की हत्या तक बता रही है। लेकिन केंद्र सरकार का इस पर रुख एकदम अलग है। उनका साफ कहना है कि जैक डोर्सी के समय में ट्विटर कई नियमों को मान ही नहीं रहा था, ऐसे में उसके साथ तनातनी चल रही थी। अब इस पूरे विवाद की एक नहीं कई परते हैं जिसकी शुरूआत साल 2021 में उस समय हो गई थी जब देश में तीन कृषि कानून लाने की बात हुई थी और उस वजह से एक आंदोलन सड़कों पर शुरू हो गया था।

अब हुआ ये था कि जिस समय देश में कृषि कानून लाए गए थे, उस दौरान फरवरी में मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ने सोशल मीडिया कंपनियों के लिए एक नई गाइलाइन इशू की थी। उस गाइडलाइन में कहा गया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो भी कुछ पब्लिश किया जाएगा, उसकी सीधी जिम्मेदारी उस कंपनी को ही लेनी पड़गी जहां से उस कंटेंट को शेयर किया गया। ये भी कहा गया था कि तीन महीने के अंदर सभी कंपनियों को इन गाइडलाइन को मानना पड़ेगा।

अब सभी कंपनियां इसके लिए राजी हो गईं, लेकिन ट्विटर तैयार नहीं था। उसका साफ कहना था कि इस प्रकार के नियमों से अभिव्यक्ति की आजादी पर असर पड़ता है। इसके ऊपर उस समय बीजेपी नेता संबित पात्रा के एक ट्वीट को ट्विटर ने विवादित वाली कैटेगरी में डाल दिया था। पात्रा का ट्वीट किसी कथित टूलकिट को लेकर था, लेकिन ट्विटर को उससे आपत्ति हो गई। विवाद आईटी नियमों को लेकर चल रहा था, लेकिन इस नए विवाद केस को दूसरी दिशा में मोड़ दिया। दिल्ली पुलिस 24 मई को सीधे भारत के ट्विटर हेडक्वार्टर पहुंच गई और उससे पूछा गया कि ट्वीट को उस कैटेगरी में क्यों डाला गया। कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला और ट्विटर ने उस ट्विट से वो वाला लेबल हटाने से भी मना कर दिया। इसके बाद ट्विटर विवाद नया मोड़ 26 मई को आया जब केंद्र सरकार ने नए आईटी नियमों का ऐलान कर दिया। ट्विटर ने क्योंकि इन्हें मानने से ही मना कर दिया, ऐसे में मामला दिल्ली हाई कोर्ट तक कहा जिसने दो टूक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियम मानने की बात कह दी। अब तब तो ट्विटर ने ये कहकर विवाद ठंडा कर दिया कि नियमों के हिसाब से ही प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा। लेकिन सरकार को नीयत पर शक रहा और बाद में आरोप भी लगा कि ट्विटर ने किसी भी नियम को नहीं माना। तब सरकार ने कंपनी के खिलाफ एक्शन लेने की बात भी कर दी थी। अब इस विवाद के साथ ब्लू टिक वाला विवाद भी जुड़ गया था। असल में पिछले साल कुछ समय के लिए ही सही तब के तत्कालीन उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू का ट्विटर से ब्लू टिक हटा दिया गया था। इसके बाद संघ प्रमोख मोहन भागवत के साथ भी ऐसा ही हुआ। एक समय तब के आईटी मिनिस्टर रविशंकर प्रसाद के ट्विटर अकाउंट से भी ब्लू टिक हट गया था। कहा गया कि कॉपीराइट का कोई मामला सामने आया जिस वजह से ये एक्शन हुआ।

ट्विटर और भारत सरकार के बीच चल रहे विवाद में नया मोड़

कुछ ऐसे आरोप लगा दिए गए हैं कि ये तकरार फिर सभी के सामने आ गए

केंद्र का कानून, ट्विटर का मानने से इनकार, बवाल का आगाज

कोर्ट पहुंचा केस, ट्विटर की नीयत पर शक और ऐक्शन की धमकी